देशबन्धु

वर्ष –11 । अंक–118 । सागर, मंगलवार 16 जून 2026 । पृष्ठ–8 । मूल्य – 2.00 रुपए

जनकल्याण मेला आयोजित, विभिन्न शासकीय योजनाओं का लाभ दिलाने की गई कार्रवाई पृष्ठ 3

▸ जिबह किया जाता जनतंत्र! ▸ संवैधानिक संस्थाओं की भूमिका और विपक्ष की चुनौतियां पृष्ठ 4

▸ रॉयल्टी न मिलने पर गिट्टी से भरे वाहन पर कार्रवाई पृष्ठ 6

डिवाइडर से टकराकर पलटा पिकप वाहन, पति-पत्नी की मौत पृष्ठ 8

सार-समाचार

राज्य में कक्षा पांचवीं-आठवीं की पुनः परीक्षा आज से

भोपाल, देशबन्धु। प्रदेश में कक्षा पांचवीं और आठवीं की पुनः परीक्षा आज से शुरू होकर 23 जून तक चलेगी। इसमें मुख्य परीक्षा में अनुत्तीर्ण एवं अनुपस्थित विद्यार्थी शामिल होंगे। राज्य शिक्षा केन्द्र ने 2,795 परीक्षा केन्द्र बनाए हैं। कक्षा पांचवीं के 1.17 लाख तथा आठवीं के 1.32 लाख से अधिक विद्यार्थी परीक्षा देंगे। प्रश्नपत्र परीक्षा केन्द्रों पर ही मुद्रित किए जाएंगे।

कांगो में इबोला से 181 मौतें, 782 मामलों की पुष्टि हुई

किन्शासा, एजेंसी। कांगो में अब तक इबोला से 181 मौतें हो चुकी है और पुष्ट मामलों की संख्या बढ़कर 782 हो गई है। कांगो के स्वास्थ्य मंत्रालय ने रविवार शाम को 'एक्स' पर यह जानकारी दी। कांगो में मामलों की संख्या इससे कहीं अधिक होने की आशंका है, क्योंकि इस बीमारी के फैलने की पुष्टि 15 मई को हुई थी। इसके अलावा, संक्रमितों के संपर्क में आये लोगों की तलाश की दर भी महज 56 फीसदी है। इबोला का यह नया प्रकोप दुर्लभ 'बुंडीबुग्यो वायरस' से फैला है। इसकी कोई स्वीकृत वैक्सीन या इलाज अभी उपलब्ध नहीं है।

140 करोड़ की 'कवच' परियोजना को रेलवे की मंजूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। रेलवे ने रेल सुरक्षा को सुदृढ़ करने के लिए पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मंडल में 'कवच 4.0' लगाने को मंजूरी प्रदान की है। रेलवे ने सोमवार को बताया कि 48 ब्लॉक सेक्शन और 598 किलोमीटर पर मार्ग पर 'कवच 4.0' लगाने के लिए 140 करोड़ रुपये की परियोजना को मंजूरी दी गई है। यह मंजूरी भारतीय रेलवे के बाकी रूटों पर दीर्घकालिक विकास (एलटीई)-बेस्ड कम्युनिकेशन बैकबोन के साथ 'कवच' लगाने के बड़े प्रोग्राम के तहत दी गई है। इससे पहले अहमदाबाद मंडल के लगभग 702 किलोमीटर मार्ग पर 'कवच' लगाने का काम पहले ही मंजूर किया जा चुका था।

प्रकाश राज के खिलाफ तिरुपति कोर्ट में शिकायत

तिरुपति, एजेंसी। अभिनेता प्रकाश राज के खिलाफ तिरुपति के एक कोर्ट में आपराधिक शिकायत दर्ज की गई है। यह मामला उनकी कथित तौर पर हिंदू देवी-देवताओं और रामायण पर की गई टिप्पणी से जुड़ा है। शिकायतकर्ता का आरोप है कि अभिनेता ने सार्वजनिक मंचों पर ऐसे बयान दिए, जिनसे धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं। यह शिकायत भाजपा नेता और तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) ट्रस्ट बोर्ड के सदस्य जी. भानुप्रकाश रेड्डी ने दर्ज कराई है। उन्होंने तिरुपति की एडिशनल ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट फर्स्ट क्लास कोर्ट में यह मामला सोमवार को दाखिल किया।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर वाणिज्यिक उड़ानें शुरू

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सोमवार यानी 15 जून से आधिकारिक तौर पर वाणिज्यिक उड़ानें शुरू हो गई, जिससे उत्तरी भारत में हवाई संपर्क को महत्वपूर्ण बढ़ावा मिला है। कम लागत वाली एयरलाइन इंडिगो ने जेवर स्थित नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट (एनआईए) से उड़ान संचालन शुरू करने वाली पहली एयरलाइन बनकर इतिहास रच दिया है। एयरलाइन के अनुसार, पहली फ्लाइट लखनऊ से नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पहुंची, जबकि इसके कुछ ही समय बाद पहली उड़ान बेंगलुरु के लिए रवाना हुई।

पटना उच्च न्यायालय में सात नए न्यायाधीशों ने ली शपथ

पटना, एजेंसियां। पटना उच्च न्यायालय में सोमवार को सात नये न्यायाधीशों ने पद की शपथ ली। इसके साथ ही न्यायालय में न्यायाधीशों की संख्या 44 हो गई। मुख्य न्यायाधीश मीनाक्षी मदन राय ने इन न्यायाधीशों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। केंद्र सरकार ने 10 जून को अधिवक्ता रंजन कुमार झा, अधिवक्ता कुमार मनीष और अधिवक्ता राज कुमार को उनके पद भार ग्रहण करने की तिथि से पटना उच्च न्यायालय का न्यायाधीश नियुक्त किया था, जबकि अधिवक्ता राणा विक्रम सिंह, अधिवक्ता विकास कुमार, अधिवक्ता गिरिजेश कुमार और अधिवक्ता आलोक कुमार को पद भार ग्रहण की तिथि से दो वर्षों की अवधि के लिए अतिरिक्त न्यायाधीश बनाया था।

ट्रंप ने किया ऐलान, हेर्मुज खोलने को भी मंजूरी, गरीबाबादी ने भी की पुष्टि

अमेरिका-ईरान शांति समझौते पर सहमत

- दोनों देश 19 जून को स्विट्जरलैंड में एक समारोह में करेंगे हस्ताक्षर
- पूरे क्षेत्र में शांति और सुरक्षा लेकर आएगा समझौता

अमेरिका की नौसैनिक नाकाबंदी को तत्काल प्रभाव से हटाने का भी आदेश देता हूं। दुनिया भर के जहाज अब अपनी यात्रा शुरू करें।
डोनाल्ड ट्रंप, राष्ट्रपति, अमेरिका

समझौता ज्ञापन का मसौदा तैयार हो गया है और शुक्रवार को स्विट्जरलैंड में इस ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए जाएंगे।
काजेम गरीबाबादी, उप विदेश मंत्री, ईरान

वाशिंगटन, 15 जून (एजेंसियां)। पश्चिमी एशिया में युद्ध खत्म करने को लेकर अमेरिका और ईरान शांति समझौते पर सहमत हो गये है। दोनों देश 19 जून को स्विट्जरलैंड में एक आधिकारिक समारोह में इसपर हस्ताक्षर करेंगे। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अपने सोशल मीडिया मंच ट्रुथ सोशल पर रविवार देर रात इस संबंध में जानकारी देते हुए लिखा, 'ईरान के इस्लामी गणराज्य के साथ समझौता अब संपन्न हो चुका है। सभी को बधाई! मैं होर्मुज जलडमरूमध्य को बिना किसी शुल्क के पूरी तरह खोलने की अनुमति देता हूं। साथ ही, अमेरिका की नौसैनिक नाकाबंदी को तत्काल प्रभाव से हटाने का भी आदेश देता हूं। दुनिया भर के जहाज अब अपनी यात्रा शुरू करें। तेल का प्रवाह फिर से शुरू होने दें।' ईरान ने भी अमेरिका के साथ समझौते को लेकर पुष्टि की है। ईरान के उप विदेश मंत्री काजेम गरीबाबादी ने कहा कि इस पर 19 जून को स्विट्जरलैंड में हस्ताक्षर किए जाएंगे। उन्होंने ईरानी सरकारी टेलीविजन पर कहा, 'समझौता ज्ञापन का मसौदा तैयार हो गया है और शुक्रवार को स्विट्जरलैंड में इस ज्ञापन पर आधिकारिक रूप से हस्ताक्षर किए जाएंगे।' श्री गरीबाबादी ने कहा कि इस ज्ञापन में लेबनान सहित सभी मोर्चों पर आज रात से सैन्य अभियानों को तुरंत रोकने की बात भी शामिल है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने एक अन्य पोस्ट में कहा, 'यह ऐतिहासिक समझौता पूरे क्षेत्र में शांति और सुरक्षा लेकर आएगा। मुझसे पहले कई राष्ट्रपतियों ने ईरान के साथ शांति स्थापित करने की कोशिश की लेकिन वे सफल नहीं हो सके। पहली बार क्षेत्र के नेताओं को ऐसा राष्ट्रपति मिला है जो उन्हें वास्तविक और स्थायी शांति दिलाने में मदद कर सकता है।' श्री ट्रंप ने बताया कि आगामी शुक्रवार को समझौते पर हस्ताक्षर होने के साथ ही होर्मुज जलडमरूमध्य खोल दिया जाएगा ताकि वहां बिछी समुद्री बारूदी सुरंगों को हटाया जा सके। इसके बाद क्षेत्र के दोनों ओर से तेल की आपूर्ति फिर से सामान्य हो जाएगी, जिसका लाभ न केवल इस क्षेत्र बल्कि पूरी दुनिया को मिलेगा।

28 फरवरी को शुरू हुई थी जंग

अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच 28 फरवरी से जंग की शुरुआत हुई थी। ईरान के पूर्व सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह खामेनेई जंग के पहले दिन ही मारे गए। इसके बाद दोनों देशों के बीच तनाव चरम पर पहुंच गया. 8 अप्रैल 2026 को यूएस ईरान के बीच सीजफायर पर सहमति बनी थी। इसके बाद शांति समझौते को लेकर मध्यस्थों के जरिए बातचीत की जा रही थी। जून में इसी सप्ताह तब हालात और नाजुक हो गए। जब ईरान द्वारा यूएस के अपाचे हेलीकॉप्टर के मार गिराए जाने के बाद दोबारा हमले शुरू हुए थे।

ईरान परमाणु हथियार हासिल नहीं कर पाएगा: वेंस

अमेरिका के उपराष्ट्रपति जे.डी. वेंस ने गतिरोध के एक प्रमुख बिंदु यानि परमाणु हथियारों के लेकर कहा कि समझौता यह सुनिश्चित करता है कि ईरान कभी भी परमाणु हथियार हासिल नहीं कर पाएगा। श्री वेंस ने फॉक्स न्यूज से कहा, 'इसका मतलब है कि ईरान के पास कभी परमाणु हथियार नहीं होगा। वह न तो परमाणु हथियार बनाने की कोशिश करेगा और न ही उन्हें खरीदने या हासिल करने की कोशिश करेगा। यह बात इस समझौते में शामिल है।' अमेरिकी उपराष्ट्रपति ने कहा कि अमेरिका इस बात पर नजर रखेगा कि ईरान समझौते का पालन कर रहा है या नहीं। उन्होंने हालांकि यह नहीं बताया कि इसके बदले ईरान को क्या मिलेगा।

शरीफ ने अमेरिका और ईरान का किया धन्यवाद

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर अपनी खुशी जाहिर करते हुए लिखा, 'हमें यह बताते हुए खुशी हो रही है कि अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौता हो गया है। श्री शरीफ ने कहा, 'हम इस विवाद का कूटनीतिक समाधान खोजने की अपनी प्रतिबद्धता के लिए अमेरिका और ईरान का धन्यवाद करना चाहते हैं। हम इस समझौते तक पहुंचने में मदद के लिए मध्यस्थता की कोशिश में शामिल करने के महान नेतृत्व का भी दिल से आभार व्यक्त करते हैं। मैं सऊदी अरब और तुर्की के दूरदर्शी नेतृत्व का भी विशेष रूप से धन्यवाद करना चाहता हूं, जिन्होंने इस दिशा में बहुत बड़ा योगदान दिया है।'

कोटा में कल प्रतिरोध का बिगुल फूंकेंगे राहुल

- शिक्षा बचाओ-भविष्य बचाओ नारे के साथ होगी छात्रों की महारैली
- एनएसयूआई, यूथ कांग्रेस ने अपनी पूरी ताकत झोंकी

नई दिल्ली देशबन्धु। विपक्ष के नेता राहुल गांधी के प्रतिरोध आंदोलन की शुरुआत बुधवार को राजस्थान के कोटा शहर से होने वाली है। इसके लिए उन्होंने एक पोस्टर भी जारी किया है, जिस पर नारा लिखा है- 'शिक्षा बचाओ-भविष्य बचाओ।' इससे साफ है कि राहुल का आंदोलन महज पेपर लीक और शिक्षा मंत्री के इस्तीफे तक सीमित नहीं है। उनके एजेंडे में समूची शिक्षा व परीक्षा प्रणाली, शिक्षा का बाजारीकरण और शीर्ष स्तर पर जवाबदेही आदि शामिल हैं। इस आयोजन की तैयारी में एनएसयूआई, यूथ कांग्रेस व पार्टी की जिला इकाई ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। अपने अभियान के बारे में राहुल ने सोशल मीडिया पर लिखा है कि इसकी शुरुआत कोटा से होगी, फिर इसे देश के हर कोने में फैलाया जाएगा। उनका कहना है कि जब सरकार सुनने को तैयार न हो तो आवाज ऊंची करनी पड़ती है। 'आइए सब मिलकर ऐसी हुंकार बने, जिसे अनसुना करना नामुमकिन हो।' उल्लेखनीय है कि राहुल ने अब तक कई आंदोलन और यात्राएं की हैं, लेकिन उनके इस प्रतिरोध आंदोलन पर सभी की निगाहें टिकी हुई हैं, क्योंकि वे अपनी पार्टी को उस तेवर में ले जाना चाहते हैं, जिसमें उसने अंग्रेजों से लोहा लेकर भारत को आजाद कराया था। इसका संकेत उन्होंने आठ जून को हुई इंडिया गठबंधन की बैठक में अपने भाषण में दिया था। उनका कहना था कि कांग्रेस प्रतिरोध से पैदा हुई पार्टी है, जो इस विचारधारा का समर्थन करती है कि सभी भारतीय एक समान हैं। राहुल ने अपने बयान में कहा है कि अब देश में मेहनत का फल नहीं मिलता और सपने देखने पर सजा मिलती है।

प्रदर्शन कर रहे दीपके के साथ हुई धक्का-मुक्की

जयपुर, एजेंसी। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दीपके के साथ जयपुर में प्रदर्शन के दौरान धक्का-मुक्की और हंगामे की घटना सामने आई है। सोमवार को शहीद स्मारक पर आयोजित विरोध-प्रदर्शन के दौरान एक अज्ञात व्यक्ति ने अभिजीत दीपके को थप्पड़ मार दिया। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया, जिसके बाद पुलिस ने दो युवकों को हिरासत में लिया।

चुनाव आयोग को टीएमसी सांसदों ने दी विलय की जानकारी

एनसीपीआई दल की प्रमुख बनीं काकोली

नई दिल्ली, एजेंसी। तृणमूल कांग्रेस के 20 बागी लोकसभा सांसदों ने सोमवार को एक और बड़ा राजनीतिक कदम उठाते हुए अपनी नई पार्टी नेशनलिस्ट सिटीजन पार्टी ऑफ इंडिया (एनसीपीआई) में विलय की औपचारिक सूचना चुनाव आयोग ऑफ इंडिया (ईसीआई) को दे दी है। साथ ही, बागी गुट ने काकोली घोष दस्तीदार को पार्टी का नया प्रमुख चुने जाने की जानकारी भी आयोग को दी है। टीएमसी के बागी सांसदों का नेतृत्व कर रही काकोली घोष दस्तीदार को वैसे तो टीएमसी बागी गुट के नेताओं ने लोकसभा स्पीकर के समक्ष भी अपना नेता बनाए जाने की जानकारी रविवार को दे दी थी, मगर सोमवार को बागी गुट की तरफ से इसकी औपचारिक चिट्ठी भी चुनाव आयोग को सौंप दी गई. टीएमसी के दो-तिहाई से अधिक सांसदों (20 में से) के समर्थन के साथ यह विलय दल-बदल विरोधी कानून के प्रावधानों के तहत किया गया है। उन्होंने लोकसभा स्पीकर ओम बिरला को पहले ही अलग बैठक व्यवस्था के लिए पत्र सौंपा था. अब चुनाव आयोग को भेजे गए पत्र में विलय की पुष्टि के साथ काकोली घोष को एनसीपीआई की नई अध्यक्ष के रूप में चुने जाने का भी ऐलान कर दिया गया है. काकोली घोष दस्तीदार के अनुसार, एनसीपीआई में आधिकारिक विलय कर लिया गया है. हम अब एनडीए के साथ मिलकर देश और बंगाल के विकास के लिए काम करेंगे. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में यह नई शुरुआत है। एनसीपीआई, पहले एक छोटी त्रिपुरा-आधारित क्षेत्रीय पार्टी थी, अचानक 20 लोकसभा सांसदों के साथ संसद में मजबूत स्थिति में आ गई है।

दीपक को दोबारा मंत्री बनाए जाने पर मांगा जवाब

पटना, एजेंसी। बिहार की राजनीति से जुड़ा एक अहम मामला देश की सर्वोच्च अदालत तक पहुंच गया है। राष्ट्रीय लोक मोर्चा प्रमुख उपेंद्र कुशवाहा के बेटे और बिहार सरकार में पंचायती राज मंत्री दीपक प्रकाश को बिना विधानसभा या विधान परिषद का सदस्य बने दोबारा मंत्री बनाए जाने को लेकर सुप्रीम कोर्ट में गंभीर सुनवाई हुई है। सोशल एक्टिविस्ट राकेश कुमार सिंह द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस वी. मोहन की पीठ ने मामले को गंभीर मानते हुए बिहार सरकार, दीपक प्रकाश और भारत निर्वाचन आयोग को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। याचिका में कहा गया है कि दीपक प्रकाश राज्य के किसी भी सदन के निर्वाचित सदस्य नहीं हैं, इसलिए वे मंत्री पद पर बने नहीं रह सकते। संविधान के अनुच्छेद 164(4) के अनुसार, कोई भी गैर-विधायक व्यक्ति अधिकतम छह महीने तक ही मंत्री रह सकता है और इस अवधि में उसे विधायिका का सदस्य बनना अनिवार्य होता है। याचिकाकर्ता के वकील सुदीप चंद्रा और सान्या कौशल ने दलील दी कि दीपक प्रकाश को पहली बार 20 नवंबर 2025 को तत्कालीन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मंत्री नियुक्त किया था।

साइबर सुरक्षा कार्यशाला का मुख्यमंत्री ने किया शुभारंभ, कहा

सीमाओं की तरह महत्वपूर्ण है डेटा की सुरक्षा

महू में स्थापित किया जाएगा साइबर सुरक्षा अनुसंधान केन्द्र

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा मध्यप्रदेश बदलते दौर में हर तरह की चुनौतियों से निपटने में पूरी तरह सक्षम है। साइबर अपराधियों के विरुद्ध मध्यप्रदेश पुलिस ने अच्छा काम करके दिखाया है। ऑपरेशन सिंदूर के समय भी नए दौर में नई तकनीक की चुनौतियां हमने देखी हैं। उन्होंने कुशाभाऊ ठाकरे सभागृह में आयोजित कार्यक्रम में राज्य डेटा के लिए सायबर सुरक्षा फ्रेमवर्क को सुदृढ़ बनाने विषय पर आयोजित परामर्श कार्यशाला का शुभारंभ करते हुए कहा कि वर्ष 2014 के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने जीरो बैलेंस पर बैंक अकाउंट खोलने की शुरुआत की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने साइबर अपराध और डेटा सुरक्षा की दिशा में ठोस कदम उठाते हुए राज्य में साइबर सुरक्षा अनुसंधान केन्द्र स्थापित करने की घोषणा की। उन्होंने डाटा सुरक्षा को सीमाओं की सुरक्षा की तरह महत्वपूर्ण बताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि महू स्थित मिलिट्री कॉलेज ऑफ टेलीकम्युनिकेशन इंजीनियरिंग एवं शैक्षणिक संस्थानों के सहयोग से यह अनुसंधान केन्द्र स्थापित किया जाएगा। जो केंद्रीय साइबर सुरक्षा, अनुसंधान, नवाचार और कौशल विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण आधार बनेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि साइबर अटैक की समय पर पहचान और निगरानी में आधुनिक सुरक्षा व्यवस्था स्थापित करने में इसकी महती भूमिका होगी। यह व्यवस्था केवल प्रतिक्रियात्मक नहीं, बल्कि पूर्वानुमान आधारित निरंतर सतर्कता की दिशा में ठोस कदम साबित होगी। उनके पूर्ववर्ती प्रधानमंत्री को इसकी जानकारी नहीं थी। डॉ. यादव ने कहा कि जनधन खाते खुलने का परिणाम यह रहा कि देशभर में जरूरतमंदों को सीधे डीबीटी के माध्यम से लाभ सीधे उनके बैंक खाते में दिया जाने लगा। एक समय जब 1 रुपए में 15 पैसे ही लोगों तक पहुंच रहे थे। डीबीटी की पारदर्शी व्यवस्था लागू होने से शत प्रतिशत लाभ हितग्राहियों तक पहुंचने लगा। उन्होंने कहा कि आज हमारे लिए, डेटा की सुरक्षा सीमा की सुरक्षा के बढ़कर है। सुरक्षा के तमाम चाकचौबंद उपायों के बाद भी अगर जीवनभर की गाढ़ी कमाई एक झटके में कोई साइबर अपराधी उड़ा ले जाए तो दुःख होता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि साइबर क्राइम के अदृश्य राक्षसों के खिलाफ देवदूत तैयार कर सभी आवश्यक प्रबंधन करना वर्तमान दौर की जरूरत है। दुनिया ने भारत की यूपीआई पेमेंट सिस्टम का लोहा माना है।

ईंधन और अनाज की कीमतों ने बिगाड़ा बजट

खुदरा के बाद अब थोक महंगाई की मार

नई दिल्ली, एजेंसियां। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने सोमवार को 2022-23 को नया आधार वर्ष मानते हुए संशोधित थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) सीरीज लॉन्च की, साथ ही मंत्रालय ने बताया कि मई में थोक महंगाई दर 9.68 प्रतिशत दर्ज की गई। नई डब्ल्यूपीआई सीरीज ने 2011-12 आधार वर्ष वाली पुरानी सीरीज की जगह ले ली है। यह देश में उत्पादक मूल्य माप प्रणाली (प्रोड्यूसर प्राइस मेजरमेंट) में किए जा रहे व्यापक बदलाव का हिस्सा है। संशोधित डब्ल्यूपीआई के साथ सरकार ने आउटपुट प्रोड्यूसर प्राइस इंडेक्स (ओपीपीआई), ट्रायल इनपुट प्रोड्यूसर प्राइस इंडेक्स (आईपीपीआई) और सात सेवाओं के लिए सर्विस प्रोड्यूसर प्राइस इंडेक्स (पीपीआई) को नई सीरीज भी जारी की है। मंत्रालय के अनुसार, प्रोड्यूसर प्राइस इंडेक्स की ओर यह बदलाव अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की सिफारिशों और वैश्विक मानकों के अनुरूप है। उपयोगकर्ताओं को नई प्रणाली अपनाने के लिए पर्याप्त समय देने के उद्देश्य से डब्ल्यूपीआई सीरीज को अगले पांच वर्षों तक जारी रखा जाएगा। मंत्रालय के मुताबिक, मई में अखिल भारतीय डब्ल्यूपीआई आधारित महंगाई दर सालाना आधार पर 9.68 प्रतिशत रही, जबकि सभी वस्तुओं का सूचकांक बढ़कर 109.9 पर पहुंच गया। प्रमुख श्रेणियों में प्राथमिक वस्तुओं की महंगाई दर मई में बढ़कर 4.99 प्रतिशत हो गई। वहीं, ईंधन और बिजली (फ्यूल एंड पावर) श्रेणी में महंगाई लगभग 30 प्रतिशत तक पहुंच गई, जबकि विनिर्मित उत्पादों (मैन्युफैक्चर्ड प्रोडक्ट्स) की महंगाई दर इसी अवधि में बढ़कर 7.48 प्रतिशत दर्ज की गई। मंत्रालय ने बताया कि खनिज तेल, कच्चा पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस, रसायन एवं रासायनिक उत्पाद तथा बेसिक मेटल्स, अनाज, थोक महंगाई बढ़ाने वाले प्रमुख कारकों में शामिल रहे।

मई में थोक महंगाई 9.68 प्रतिशत दर्ज की गई

मोदी का वंदे मातरम की प्रस्तुति से स्वागत

स्लोवाकिया के प्रधानमंत्री से मिले मोदी

- रॉबर्ट फिको को भारत आने का न्योता दिया

पेरिस/ब्रातिस्लावा, (एजेंसियां)। भारत और स्लोवाकिया के रिश्ते व्यापक साझेदारी तक बढ़ाए गए हैं। सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और स्लोवाकियन पीएम रॉबर्ट फिको के बीच बातचीत के बाद द्विपक्षीय डिफेंस और ट्रेड डील हुई। ब्रातिस्लावा के महल में स्लोवाकिया के पीएम रॉबर्ट फिको से मुलाकात के बाद मोदी ने फिको को भारत आने का न्योता भी दिया। स्लोवाकियन पीएम फिको ने मोदी को भारत के सबसे लंबे समय तक चुने गए प्रधानमंत्री बनने पर बधाई दी और इस उपलब्धि को राजनीतिक चमत्कार बताया। पीएम मोदी दो देशों के दौरे के दूसरे फेज में रविवार रात 2:18 बजे स्लोवाकिया पहुंचे। राजधानी ब्रातिस्लावा में विदेश और यूरोपीय मामलों के मंत्री जुराय ब्लानार ने उनका स्वागत किया। मोदी को पारंपरिक स्लोवाक रीति से ब्रेड और नमक भेंट किया गया, जिसे यहां आतिथ्य, सम्मान और सद्भावना का प्रतीक माना जाता है। मोदी ने एयरपोर्ट पर स्लोवाकिया में मौजूद भारतीयों से भी मुलाकात की। दरअसल, मोदी 13 जून से फ्रांस-स्लोवाकिया के 6 दिन के दौरे पर हैं। वे 17 जून को फ्रांस के एवियान में जी-7 समिट में शामिल होंगे। इस दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से भी मिल सकते हैं।

11 समझौतों पर हस्ताक्षर किए

भारत और स्लोवाकिया ने अपने संबंधों को व्यापक साझेदारी के स्तर तक उन्नत करते हुए द्विपक्षीय सहयोग को बढ़ाने के लिए 11 समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और स्लोवाकिया के प्रधानमंत्री रॉबर्ट फिको के बीच हुई वार्ता के बाद प्रवासन, डिजिटल प्रौद्योगिकी और रक्षा जैसे विभिन्न क्षेत्रों में समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए। दोनों नेताओं ने भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते को जल्द से जल्द लागू करने की दिशा में काम करने पर भी सहमति व्यक्त की। इससे द्विपक्षीय आर्थिक संबंधों को महत्वपूर्ण रूप से मजबूती मिलने की उम्मीद है।

योग मन पर नियंत्रण लाने का एक सुव्यवस्थित विज्ञान है: प्रो. राजपूत

सागर, देशबन्धु। डॉ. हरीसिंह गौर विवि के योग शिक्षा विभाग एवं योग एवं ध्यान केन्द्र द्वारा आयोजित पॉंच दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला मर्म, एक्यूपंक्चर एवं कपिंग थेरेपी: अवधारणायें, तकनीकें एवं प्रायोगिक प्रशिक्षण का शुभारम्भ महर्षि पतंजलि भवन में सम्पन्न हुआ। कार्यशाला का उद्देश्य भारतीय ज्ञान परम्परा पर आधारित पारम्परिक चिकित्सा पद्धतियों के सैद्धान्तिक एवं व्यावहारिक पक्षों से प्रतिभागियों को परिचित कराना तथा उनके माध्यम से स्वास्थ्य संवर्धन एवं समग्र कल्याण की अवधारणा को सुदृढ़ करना था। उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि विवि के डायरेक्टर ऑफ एकेडमिक अफेयर्स प्रो. दिवाकर सिंह राजपूत थे, अध्यक्षता स्कूल ऑफ एजुकेशनल स्टडीज के अधिष्ठाता एवं योग शिक्षा विभागाध्यक्ष प्रो. अनिल कुमार जैन, मर्म चिकित्सा के विशेषज्ञ प्रो. अजय दुबे विशिष्ट अतिथि एवं विषय विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहे। शाल, श्रीफल एवं पौधों के माध्यम से मुख्य अतिथि, अध्यक्ष एवं विषय विशेषज्ञों का सम्मान एवं अभिनन्दन किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों, शिक्षकों, शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों का स्वागत करते हुये कार्यशाला के संयोजक डॉ. अरुण कुमार साव ने स्वागत उद्बोधन में कार्यशाला की रूपरेखा, उद्देश्यों एवं इसकी समकालीन प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। कहा कि मर्म चिकित्सा, एक्यूपंक्चर एवं कपिंग थेरेपी जैसी पारम्परिक उपचार पद्धतियां वर्तमान समय में न केवल स्वास्थ्य संवर्धन बल्कि रोगों की रोकथाम एवं जीवनशैली जनित समस्याओं के समाधान में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। प्रो. दिवाकर सिंह राजपूत ने कहा कि भारतीय ज्ञान परम्परा पर आधारित ज्ञान विज्ञान को पुनर्स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। विवि में इस प्रकार की कार्यशालायें विद्यार्थियों, शोधार्थियों एवं शिक्षकों को भारतीय चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विज्ञान की समृद्ध परंपराओं से जोड़ने का कार्य करती हैं तथा शोध एवं नवाचार के नये आयाम स्थापित करती हैं। प्रो.

अजय दुबे ने मर्म चिकित्सा की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, उसके वैज्ञानिक आधार तथा व्यावहारिक उपयोगिता पर विस्तार से चर्चा करते हुये कहा कि भारतीय चिकित्सा परम्परा में मर्म विज्ञान का अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान है और वर्तमान समय में इसके वैज्ञानिक अध्ययन एवं प्रशिक्षण की आवश्यकता पहले से अधिक बढ़ गई है। ये विधियां आधुनिक जीवनशैली से उत्पन्न अनेक समस्याओं के समाधान में प्रभावी सिद्ध हो रही हैं। प्रो. अनिल कुमार जैन ने कहा कि योग एवं समन्वित चिकित्सा पद्धतियों के क्षेत्र में अनुसंधान, प्रशिक्षण एवं जनजागरण की अत्यंत आवश्यकता है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि यह पांच दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला प्रतिभागियों के लिये ज्ञानवर्धक एवं उपयोगी सिद्ध होगी। कार्यक्रम के सांस्कृतिक आयाम के अंतर्गत स्नातकोत्तर विद्यार्थियों द्वारा संगीतमय योगासन की आकर्षक प्रस्तुति दी, जिसने योग की सौन्दर्यात्मक एवं वैज्ञानिक विशेषताओं को प्रभावी ढंग से प्रदर्शित किया। स्नातक वर्ग के विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक नृत्य ने उपस्थित अभ्यागत वृंद, अतिथियों व जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया। स्नातक विद्यार्थियों द्वारा संगीतबद्ध योगासन की प्रस्तुति ने योग, अनुशासन एवं सामूहिक समन्वय का उत्कृष्ट परिचय दिया, जिसकी सभी उपस्थितजनों ने मुक्त कण्ठ से सराहना की। संचालन डॉ. महेन्द्र कुमार शर्मा ने किया। अंत में डॉ. बृजेश सिंह ठाकुर ने आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर योग शिक्षा विभाग के समस्त शिक्षक, शोधार्थी, स्नातक एवं स्नातकोत्तर विद्यार्थी तथा विभिन्न संकायों एवं विभागों से आये प्रतिभागी उपस्थित रहे।

संस्कारयुक्त शिक्षा से ही होगा सशक्त राष्ट्र का निर्माण: एकता खेमरिया

सागर, देशबन्धु। सरस्वती शिशु मंदिर हायर सेकेंडरी विद्यालय रमझिरिया में रमझिरिया, लक्ष्मीपुरा एवं मकरोनिया के आचार्य-शिक्षिकाओं हेतु आयोजित पंच दिवसीय आचार्य अभ्यास वर्ग का सोमवार को समापन हुआ। 10 से 15 जून तक आयोजित इस प्रशिक्षण वर्ग में आचार्यों को नवीन शिक्षा पद्धति, पाठ योजना निर्माण, गतिविधि आधारित शिक्षण, सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी के उपयोग, पीपीटी निर्माण, एसओपी निर्माण, सीखने के प्रतिफल तथा विद्यालयीन कार्यों के प्रभावी संचालन से संबंधित विषयों का प्रशिक्षण प्रदान किया गया। समापन अवसर पर शालीन सिंह ने कहा कि सतत् अध्ययन एवं प्रशिक्षण से आचार्य अपनी शिक्षण क्षमता को और अधिक प्रभावी बना सकते हैं। उन्होंने अभ्यास वर्ग में प्राप्त ज्ञान एवं अनुभवों को विद्यालयों में व्यवहारिक रूप से लागू करने का आह्वान किया। एकता खेमरिया ने कहा कि संस्कार युक्त शिक्षा ही सशक्त राष्ट्र निर्माण का आधार है। आचार्य एवं दीदी केवल विषय ज्ञान का संप्रेषण नहीं करते, बल्कि वे ऐसे संस्कारित, चरित्रवान एवं राष्ट्रनिष्ठ विद्यार्थियों का निर्माण करते हैं जो भविष्य में समाज और राष्ट्र के सशक्त आधार बनते हैं। विद्या भारती के विद्यालय शिक्षा, संस्कार एवं व्यक्तित्व विकास का अद्वितीय संगम हैं, जहां से निकलने वाले विद्यार्थी जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देकर राष्ट्र गौरव को बढ़ाते हैं। उन्होंने सभी आचार्य-दीदीयों से विद्यार्थियों में राष्ट्रीय चेतना, नैतिक मूल्यों एवं सेवाभाव के विकास हेतु निरंतर समर्पित रहने का आह्वान किया। इस दौरान एकता खेमरिया ने अभ्यास वर्ग में उत्कृष्ट सहभागिता करने वाली शिक्षिकाओं को पुरस्कृत कर उनका उत्साहवर्धन किया। वर्ग के दौरान विभाग समन्वयक सुरेन्द्र कुमार जैन ने एसओपी विषय पर मार्गदर्शन प्रदान किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम वीरेंद्र पटेल, हरिराम प्रजापति एवं रश्मि अरेले के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।

पेट्रोल पंप पर किसानों का प्रदर्शन: केन-कुप्पे में डीजल न मिलने के आदेश का विरोध

बीना, देशबन्धु। संयुक्त किसान मोर्चा के बैनर तले किसानों ने सोमवार को सर्वोदय चौराहा स्थित पेट्रोल पंप पर प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन केन, ड्रम और कुप्पे में डीजल न दिये जाने के सरकारी आदेश के विरोध में किया गया। संयुक्त किसान मोर्चा के सदस्य पेट्रोल पंप पर डीजल लेने पहुंचे थे। उन्होंने कुप्पे में डीजल देने का आग्रह किया, लेकिन पेट्रोल पंप कर्मचारियों ने शासन के आदेश का हवाला देते हुये इनकार कर दिया। इसके बाद किसानों का गुस्सा बढ़ गया और उन्होंने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। प्रदर्शन के दौरान किसान नेता सुरेंद्र सिंह ठाकुर ने कहा कि जिन किसानों के पास एक से दो एकड़ जमीन है, उनके लिये हर बार ट्रैक्टर लेकर पेट्रोल पंप आना संभव नही है। केन-कुप्पे में डीजल ले जाना उनकी मजबूरी है। उन्होंने इस निर्णय को छोटे किसानों के लिये नुकसानदेह बताया। संयुक्त किसान मोर्चा के संभागीय अध्यक्ष सीताराम ठाकुर ने कहा कि आज किसानों की किसानी खतरे में है। उन्होंने सवाल उठाया कि ट्यूबवेल, जेसीबी और अन्य बड़े उपकरणों के लिये तो टंकियों में डीजल पहुंच जाता है, लेकिन किसानों को कुप्पे में डीजल देने पर रोक है। ठाकुर ने आरोप लगाया कि यह सरकार उद्योगपतियों के लिये काम कर रही है, किसानों के लिये नही। जब घर-घर शराब बिक सकती है, तो सरकार को किसानों के लिये डीजल भी घर-घर पहुंचवाना चाहिये। उन्होंने सरकार से किसानों की समस्याओं को समझने का आग्रह किया। संयुक्त किसान मोर्चा ने मांग की है कि छोटे किसानों को खेती के लिये केन कुप्पे में डीजल लेने की छूट दी जाये। मोर्चा ने चेतावनी दी है कि यदि आदेश में बदलाव नहीं किया गया, तो वे आगे आंदोलन करने को विवश होंगे।

खाद्य सुरक्षा प्रशासन की जिला स्तरीय सलाहकार समिति की बैठक की गई आयोजित

दमोह, देशबन्धु। खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 का जिले में त्वरित एवं प्रभावी क्रियान्वयन पर्यवेक्षण निगरानी मूल्यांकन तथा नियामक प्रावधानों का पालन कराने के उद्देश्य से जिलास्तरीय स्टेयरिंग समिति की बैठक अध्यक्ष एवं कलेक्टर प्रताप नारायण यादव की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में समिति के सभी अधिकारी एवं नामंकित सदस्यों की उपस्थिति में अभिहित अधिकारी खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा बैठक का एजेण्डा बिंदुबार प्रस्तुत किया गया जिस पर अध्यक्ष एवं कलेक्टर द्वारा आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये। कलेक्टर द्वारा खाद्य सुरक्षा प्रशासन को ग्रामीण क्षेत्रों में खाद्य प्रतिष्ठानों में विक्रय की जा रही खाद्य सामग्री की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिये नियमित जांच एवं अधिक से अधिक संख्या में नमूना लेने की नियमानुसार कार्यवाही करने हेतु दिशा निर्देश दिये। जिले में एसडीएम के निर्देशन में प्रत्येक अनुविभाग में साप्ताहिक नमूना संग्रहण एवं निरीक्षण कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया। अमानक एवं एक्सपायरी डेट की खाद्य सामग्री का विक्रय रोकने हेतु निरंतर नमूना संग्रहण एवं निरीक्षण कार्यवाही करने, शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में मध्यान्ह भोजन एवं आंगनवाड़ी केंद में प्रदाय किये जा रहे भोजन की गुणवत्ता की जांच करने के खाद्य सुरक्षा अधिकारी को निर्देश दिये गये। मौसमी खाद्य पदार्थों के निरंतर नमूना संग्रहण एवं निरीक्षण कार्य करने के कलेक्टर द्वारा खाद्य सुरक्षा प्रशासन विभाग को निर्देश दिये गये।

बस ड्राइवर से बीच सड़क पर मारपीट, बस नहीं रोकने की रंजिश में पीटा

सागर, देशबन्धु। रहली थाना क्षेत्र के पटनागंज इलाके में एक बस ड्राइवर के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। घटना का वीडियो सोमवार को सामने आया, जिसमें कुछ लोग ड्राइवर को लात घूंसो और चप्पलों से पीटते नजर आ रहे हैं। आरोपी उसे जमीन पर पटकते हुये भी दिखाई दे रहे हैं। घटना रविवार की बताई जा रही है। मारपीट के दौरान बस ड्राइवर खुद को बचाने की कोशिश करता रहा। शोर शराबा सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और बीच बचाव कर मामला शांत कराया। रहली पुलिस के अनुसार पटना ककरी निवासी मनीष प्रजापति ने शिकायत दर्ज कराई है। मनीष ने बताया कि रविवार को वह रहली बस स्टैंड से अपने घर जा रहा था। इसी दौरान वार्ड क्र.14 में रास्ते में शुभम, खुशीलाल और सौरभ मिले। आरोप है कि तीनों ने पुरानी रंजिश को लेकर गाली गलौज शुरू कर दी। जब मनीष ने विरोध किया तो आरोपियों ने उसके साथ झूमाझटकी करते हुये जमीन पर पटक दिया और मारपीट शुरू कर दी। मारपीट में मनीष प्रजापति के कंधे, आंख, पसली और सिर में चोटें आई हैं। विवाद के दौरान उनकी मां हीराबाई प्रजापति बचाने पहुंची तो आरोपियों ने उनके साथ भी अभद्रता और मारपीट की। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार मारपीट के पीछे बस नहीं रोकने की पुरानी रंजिश बताई जा रही है। हालांकि पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है। पीड़ित की शिकायत पर रहली थाना पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वहीं घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल हो रहा है।

सड़क दुर्घटना में घायल की जान बचाने वाले राहवीर अनिल सोनी हुए सम्मानित

सागर, देशबन्धु। मानवता और सामाजिक जिम्मेदारी का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत करते हुये बण्डा तहसील के ग्राम बिनैका निवासी अनिल सोनी को सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति की जान बचाने के लिये प्रशस्ति पत्र देकर कलेक्टर प्रतिभा पाल ने सम्मानित किया। प्राप्त जानकारी के अनुसार 24 सितंबर 2025 को एक सड़क दुर्घटना में एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया था। तत्पश्चात अनिल सोनी ने बिना देर किये घायल को तत्काल सहायता उपलब्ध कराई और उसे गोल्डन ऑवर के भीतर निकटतम अस्पताल पहुंचाया। समय पर उपचार मिलने से घायल की जान बच गई। विशेषज्ञों के अनुसार दुर्घटना के बाद का पहला एक घंटा, जिसे गोल्डन ऑवर कहा जाता है, जीवन रक्षक साबित होता है। ऐसे समय में अनिल सोनी द्वारा दिखाई गई तत्परता और संवेदनशीलता ने एक अमूल्य जीवन को बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके इस सराहनीय कार्य की प्रशंसा करते हुए कलेक्टर द्वारा प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। सम्मान पत्र में उनके साहस, मानवता और सामाजिक दायित्व के प्रति समर्पण की सराहना की गई तथा भविष्य में भी इसी प्रकार जनसेवा के कार्य करते रहने की अपेक्षा व्यक्त की गई। क्षेत्र के नागरिकों ने भी अनिल सोनी के इस कार्य की सराहना करते हुये कहा कि उनका यह कदम समाज के लिए प्रेरणास्त्रोत है। संकट की घड़ी में किसी अजनबी की सहायता कर उन्होंने यह साबित कर दिया कि मानवता आज भी जीवित है। अनिल सोनी का यह कार्य न केवल एक व्यक्ति के जीवन की रक्षा करने का उदाहरण है, बल्कि समाज में सेवा, संवेदनशीलता और जिम्मेदारी की भावना को भी मजबूत करता है।

सिरोजा में हुई लाखों की चोरी का खुलासा, 2 शातिर आरोपियों को किया गिरफ्तार

सागर, देशबन्धु। थाना सिविल लाइन पुलिस ने सिरोजा क्षेत्र में हुई चोरी की सनसनीखेज वारदात का पर्दाफाश करते हुये दो शातिर आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से लगभग 4 लाख रुपये मूल्य के सोने चांदी के जेवरात तथा वारदात में प्रयुक्त होंडा एसपी.125 मोटरसाइकिल बरामद की है। 13 अप्रैल 2026 को फरियादी विष्णु सिंह पिता अनंत सिंह ठाकुर 58 वर्ष निवासी चार पुलिया के पास सिरोजा ने थाना सिविल लाइन में रिपोर्ट दर्ज कराई कि 12 व 13 अप्रैल की दरम्यानी रात अज्ञात चोर उनके घर में घुसकर गोदरेज अलमारी का ताला तोड़कर उसमें रखे सोने चांदी के जेवरात चोरी कर ले गये। रिपोर्ट पर थाना सिविल लाइन में अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की गई। विवेचना के दौरान पुलिस द्वारा तकनीकी एवं भौतिक साक्ष्य एकत्रित किये। जांच के आधार पर जितेन्द्र उर्फ मजले पिता रामकिशन विश्वकर्मा निवासी झील मोहल्ला ग्राम भटेरा जिला नरसिंहपुर एवं सुरेन्द्र उर्फ विक्की पिता गोकुल प्रसाद ठाकुर निवासी ग्राम घनसोर थाना केवलारी जिला सिवनी की संलिप्तता सामने आई। दोनों आरोपी अन्य थाना क्षेत्रों के मामलों में भी वांछित पाये गये। पुलिस अधीक्षक, अति. पुलिस अधीक्षक के निर्देशन तथा नगर पुलिस अधीक्षक एवं थाना प्रभारी के मार्गदर्शन में विशेष टीम गठित की गई। गठित टीम ने त्वरित एवं सुनियोजित कार्यवाही करते हुये दोनों आरोपियों को छिंदवाड़ा जिले से गिरफ्तार किया। आरोपियों की निशानदेही पर चोरी गये लगभग 4 लाख रुपये मूल्य के सोने चांदी के जेवरात बरामद किये गये, साथ ही वारदात में प्रयुक्त होंडा एसपी.125 मोटरसाइकिल जप्त की गई। आरोपियों के विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही कर उन्हें न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया। उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी सिविल लाइन निरीक्षक आनंद सिंह ठाकुर, सुरेन्द्र सिंह, अनिल कुमार अहिरवार, गणेश ठाकुर, अंशुल मिश्रा, रामसिंह, अजय कुर्मी तथा साइबर सेल के सौरभ रैकवार, हेमेन्द्र की भूमिका रही।

लगभग 4 लाख के सोने-चांदी के जेवरात एवं घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल बरामद

स्कूल बसों के विरुद्ध कार्रवाई कर 3 स्कूल बसों को जप्तकर फिटनेस निरस्त किए

सागर, देशबन्धु। मंगलवार को शहरी क्षेत्र में स्कूल बसों के विरुद्ध सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान कुल 18 स्कूल बसों की जांच की गई। जांच में पाया गया कि दिल्ली पब्लिक स्कूल की तीन बसों में गंभीर सुरक्षा संबंधी खामियां थी। इनमें एक बस के आपातकालीन द्वार के सामने सीट लगी हुई थी, जबकि दो बसों में प्रवेश और निकास के लिये अलग-अलग दरवाजे नहीं पाये गये। एक बस में निकास द्वार होने के बावजूद उसे बंद कर उसके सामने सीट लगा दी गई थी। इन गंभीर कमियों को देखते हुये मोटरयान अधिनियम के तहत तीनों बसों के फिटनेस प्रमाण पत्र तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दिये गये। फिटनेस निरस्त रहने की अवधि में संबंधित वाहनों का पंजीयन एवं परमिट भी निलंबित रहेगा। वर्तमान में तीनों बसों को सुरक्षा की दृष्टि से आरटीओ कार्यालय परिसर में रखा गया है। आवश्यक सुधार कर पुन: फिटनेस प्रमाण पत्र प्राप्त करने के बाद ही इन वाहनों के संचालन की अनुमति दी जायेगी। क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी ने अभिभावकों से अपील की है कि वे अपने बच्चों को ऐसे स्कूली वाहनों में न भेजें जो एलपीजी गैस किट से संचालित हों या किसी भी प्रकार से अनफिट प्रतीत होते हो, साथ ही सभी स्कूल बस संचालकों को निर्देश दिये कि वे उच्चतम न्यायालय के दिशा निर्देशों का पूर्ण पालन सुनिश्चित करें। बसों में निर्धारित बैठक क्षमता के अनुसार ही छात्र-छात्राओं को बैठाया जाये। भविष्य में जांच के दौरान नियमों का उल्लंघन करते हुये वाहन संचालित पाये जाने पर नियमानुसार सख्त कार्यवाही की जायेगी।

सात दिवसीय जनकल्याण शिविर का शुभारंभ

युवाओं को दिया राष्ट्र निर्माण का मंत्र, एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत हुआ पौधारोपण

सागर, देशबन्धु। शास. कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय अग्रणी कॉलेज में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास और शासकीय योजनाओं के त्वरित लाभ हेतु 12 से 18 जून तक चलने वाले जनकल्याण शिविर का शुभारंभ किया गया। प्राचार्य डॉ. सरोज गुप्ता के निर्देशन में आयोजित इस शिविर के अंतर्गत सोमवार को मुख्य अतिथि भाजपा जिलाध्यक्ष श्याम तिवारी, विशिष्ट अतिथि सांसद प्रतिनिधि विजयेंद्र सिंह चौहान तथा नितिन सोनी के रूप मे मौजूद रहे। अतिथियों द्वारा सर्वप्रथम एक पेड़ मां के नाम अंतर्गत कॉलेज परिसर में पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इसके पश्चात महाविद्यालय की सुसज्जित लाइब्रेरी एवं वाचनालय का निरीक्षण कर उपलब्ध शैक्षणिक सुविधाओं की सराहना की। शिविर में छात्र-छात्राओं को राज्य व केंद्र सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की विस्तृत जानकारी तथा मार्गदर्शन प्रदान किया जा रहा है। प्राचार्य डॉ. सरोज गुप्ता ने सभी मंचासीन अतिथियों का पुष्पगुच्छ एवं स्मृति चिह्न भेंट कर स्वागत किया। स्वागत भाषण देते हुये डॉ. सरोज गुप्ता ने कहा कि इस सात दिवसीय जनकल्याण शिविर का मूल उद्देश्य विद्यार्थियों को शासन की योजनाओं से सीधे जोड़ना है। शिक्षा के साथ-साथ युवाओं में सामाजिक उत्तरदायित्व, पर्यावरण जागरूकता और सेवा भावना का विकसित होना अनिवार्य है। हमारे छात्र जन कल्याण की भावना को आत्मसात कर समाज के अन्य जरूरतमंद साथियों की सहायता के लिये सदैव तत्पर रहें, यही इस शिविर की वास्तविक सफलता होगी। श्याम तिवारी ने कहा कि युवा शक्ति ही राष्ट्र निर्माण की असली धुरी है। आज के समय में पर्यावरण संतुलन को बनाये रखना हमारी सबसे बड़ी जिम्मेदारी है, जिसके लिये प्रत्येक युवा को पौधरोपण अभियान से सक्रिय रूप से जुड़ना होगा। कार्यक्रम में महाविद्यालय के सभी प्राध्यापक, गैर शिक्षण स्टाफ और बड़ी संख्या में छात्र-छात्रायें उपस्थित रहे। संचालन विकास त्रिपाठी ने किया। अंत में आभार प्रदर्शन कार्यक्रम की मुख्य समन्वयक डॉ. प्रतिभा जैन ने व्यक्त किया।

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की प्रथम छमाही समीक्षा बैठक संपन्न

राजभाषा के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए नियमों की जानकारी व अनुपालन आवश्यक: प्रो. ठाकुर

सागर, देशबन्धु। कार्यालयीन कामकाज में राजभाषा हिन्दी के प्रभावी प्रयोग को सुनिश्चित करने के लिये प्राथमिक आवश्यकता है राजभाषा नियमों की जानकारी और उनका शत प्रतिशत अनुपालन। इस उद्देश्य से राजभाषा विभाग गृह मंत्रालय भारत सरकार प्रतिवर्ष राजभाषा का वार्षिक कार्यक्रम जारी करता है जिसका अनुसरण और अनुपालन सुनिश्चित करना सभी कार्यालयों का नैतिक दायित्व है। यह बात नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति नराकास सागर की वर्ष 2026-27 की प्रथम छमाही समीक्षा बैठक के दौरान अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में नराकास सागर के अध्यक्ष एवं डॉ. हरीसिंह गौर विवि कुलपति प्रो. वायएस ठाकुर ने कही। बैठक में विशिष्ट अतिथि नरेन्द्र सिंह मेहरा, उप निदेशक कार्यान्वयन, क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय मध्य, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार ने सदस्य कार्यालयों को राजभाषा नियमों से अवगत कराया तथा उनके प्रभावी कार्यान्वयन हेतु महत्वपूर्ण सुझाव दिये। बताया कि राजभाषा कार्यान्वयन के लिये भारत सरकार की नीति प्रेरणा व प्रोत्साहन की नीति है। नराकास के सदस्य, सचिव एवं डॉ. हरीसिंह गौर विवि के संयुक्त कुलसचिव व राजभाषा अधिकारी संतोष सोहगौरा ने सदस्य कार्यालयों की छमाही प्रगति रिपोर्ट की विस्तृत समीक्षा करते हुये विभिन्न कार्यालयों में राजभाषा संबंधी विभिन्न नियमों के अनुपालन की स्थिति का लेखा-जोखा समिति के समक्ष रखा। सदस्य कार्यालयों के पदाधिकारियों से चर्चा करते हुये सोहगौरा ने कार्यालयों में राजभाषा कार्यान्वयन की दिशा में आ रही समस्याओं का भी समाधान किया। प्रोत्साहन स्वरूप अक्टूबर 2025 से मार्च 2026 के दौरान अपने बैंक, उपक्रम एवं कार्यालय में राजभाषा के प्रभावी कार्यान्वयन हेतु प्रत्येक श्रेणी से तीन कार्यालयों को उत्कृष्टता पुरस्कार प्रदान किये गये। बैंक श्रेणी से प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार विजेता क्रमशः यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, इंडियन ओवरसीज बैंक, एवं यूको बैंक उपक्रम श्रेणी से प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार क्रमशः भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन इंडिया लिमिटेड बीना, नेशनल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड सागर एवं यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड सागर, साथ ही कार्यालय श्रेणी में मौसम विज्ञान कार्यालय सागर को प्रथम, पीएमश्री केन्द्रीय विद्यालय क्र. 3 सागर को द्वितीय एवं पीएमश्री केन्द्रीय विद्यालय ढाना को तृतीय उत्कृष्टता पुरस्कार प्रदान किया। उक्त बैठक में सभी बैंक, पावरग्रिड ऑफ इंडिया लिमिटेड बीना, भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लि. बीना, भारतीय खाद्य निगम, भारत संचार निगम लिमिटेड, सभी बीमा कंपनी, आकाशवाणी, मुख्य डाकघर, अधिशासी, छावनी परिषद, सागर बीना एवं ढाना स्थित समस्त केन्द्रीय विद्यालय, जवाहर नवोदय विद्यालय, खुरई मौसम विज्ञान कार्यालय, कर्मचारी भविष्य निधि संगठन एवं राष्ट्रीय सांख्यकीय कार्यालय सहित 40 से अधिक कार्यालयों के प्रमुख एवं राजभाषा अधिकारीगण उपस्थित रहे। विवि के सांस्कृतिक सचिव डॉ. राकेश सोनी ने बैठक में विशिष्ट सांस्कृतिक प्रस्तुति दी। आभार ज्ञापन आकाशवाणी दीपक निषाद ने दिया तथा संचालन अभिषेक सक्सेना ने किया। विशेष सहयोग राजभाषा प्रकोष्ठ के उच्च श्रेणी लिपिक विनोद रजक का रहा।

21 जून को होने वाली री.नीट परीक्षा की तैयारियां पूरी

शहर के 5 केंद्रों पर परीक्षा देंगे परीक्षार्थी

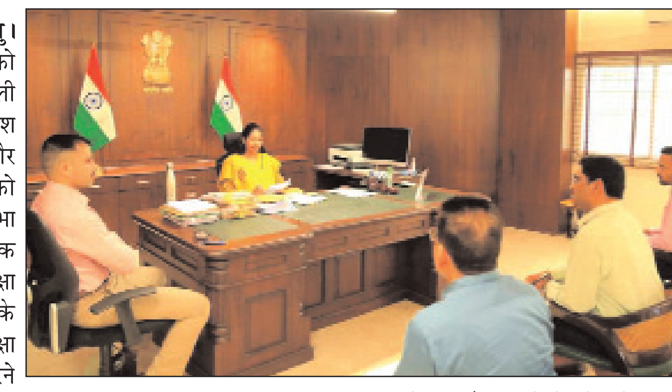

सागर, देशबन्धु। आगामी 21 जून को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा के सुचारू और शांतिपूर्ण संचालन को लेकर कलेक्टर प्रतिभा पाल ने समीक्षा बैठक की। कलेक्टर ने परीक्षा के सफल आयोजन के लिये कड़े सुरक्षा प्रोटोकॉल लागू करने और परीक्षार्थियों व उनके अभिभावकों के लिये पुख्ता इंतजाम करने के निर्देश दिये। परीक्षा दोपहर 2 बजे से शाम 5.15 बजे तक आयोजित की जायेगी। नीट परीक्षा के सिटी कोऑर्डिनेटर मनीष गुप्ता ने बताया कि शहर में कुल 5 परीक्षा केंद्र बनाये गये हैं जिसमें आर्मी पब्लिक स्कूल, शास. उत्कृष्ट उच्च. माध्य. विद्यालय सागर, पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय नंबर.1, केंट शास. कन्या स्वशासी पीजी कॉलेज और पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय नंबर. 3 शामिल हैं। सभी केंद्रों पर सुरक्षा के कड़े नियम लागू रहेंगे और पूरी परीक्षा सीसीटीवी कैमरों की निगरानी में होगी। प्रत्येक केंद्र पर महिला पुलिसकर्मी या होमगार्ड तैनात रहेंगी और एएसआई या हेड कांस्टेबल स्तर के जिम्मेदार पुलिस अधिकारी सुरक्षा कमान संभालेंगे। परीक्षा के दौरान बिजली कटौती से निपटने के लिये प्रत्येक केंद्र पर जनरेटर की व्यवस्था सुनिश्चित की जायेगी। मौसम को देखते हुये परीक्षा केंद्रों के बाहर अभिभावकों, संरक्षकों के बैठने के लिये वॉटरप्रूफ टेंट और छाया की व्यवस्था की जायेगी। सभी केंद्रों पर शुद्ध पेयजल, ग्लूकोज और ओआरएस की उपलब्धता अनिवार्य रहेगी। एक एम्बुलेंस, डॉक्टर और पैरामेडिकल स्टाफ की ड्यूटी रहेगी। कलेक्टर ने सभी केंद्र अधीक्षकों और प्रशासनिक अधिकारियों को निर्देशित किया है कि राष्ट्रीय स्तर की इस परीक्षा की शुचिता और गरिमा हर हाल में बनी रहे और किसी भी परीक्षार्थी को कोई असुविधा न हो। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि परीक्षा हेतु आवश्यक सुरक्षा के दृष्टिगत पुख्ता इंतजाम किये जायेंगे, केन्द्र पर निर्देशानुसार पुलिस बल तैनात रहेगा। बैठक में सिटी मजिस्ट्रेट गगन बिसेन, जिला शिक्षा अधिकारी अरविन्द जैन, नीट परीक्षा के सिटी कोऑर्डिनेटर मनीष गुप्ता मौजूद थे।

स्कूल, आंगनबाड़ी केंद्रों पर सात दिन तक लाड़ली बहनों का होगा जमावाड़ा

शाहगढ़, देशबन्धु। कलेक्टर के निर्देशानुसार जनपद पंचायत, नगर परिषद, महिला एवं बाल विकास विभाग, शिक्षा विभाग, खेल विभाग एवं अजीम प्रेमजी फाउंडेशन के संयुक्त सहयोग से अमरमऊ के शास. विद्यालय में लाड़ली बहना खेल सप्ताह अभियान का रविवार को शुभारंभ हुआ जिसमें परियोजना अधिकारी लीला चौधरी, पर्यवेक्षक दीप्ति तिवारी, लता श्रीवास्तव, अजीम प्रेम जी से गुंजन के अलावा शिक्षा विभाग के अधिकारी कर्मचारी, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सहायिका मौजूद थी। अभियान के दूसरे दिन सोमवार को नगरीय निकाय के आंगनबाड़ी केंद्र पर महिलाओं की सक्रिय भागीदारी बढ़ाने के लिये रस्सा कस्सी, गुब्बारा फोड़, नींबू दौड़, कुर्सी दौड़ और गोला फेंक, बलून चेन, योग गतिविधि जैसे कई पारंपरिक खेलों के रोमांचक मुकाबले में लाड़ली बहनों ने स्थान लेकर अपनी प्रतिभा को आगे बढ़ाया। लीला चौधरी ने बताया कि आंगनबाड़ी केंद्रों पर महिलाओं के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने, लाडली बहनों को खेलों के प्रति प्रोत्साहित कर उन्हें एक स्वस्थ और सक्रिय जीवनशैली अपनाने के उद्देश्य को लेकर महिला बाल विकास परियोजना और स्थानीय प्रशासन जनप्रतिनिधि आदि के संयुक्त तत्वावधान में अभिनव नवाचार के रूप में लाड़ली बहना खेल सप्ताह अभियान जो 21 जून तक चलेगा जिसमें नगर और गांव के स्कूल, आंगनबाड़ी केंद्रों में पारंपरिक खेलों की प्रतियोगितायें होगी।

स.रा. शा. पॉलीटेक्निक कॉलेज में प्रवेश के लिये दूसरा चरण 18 तक

सागर, देशबन्धु। स.रा. शास. पॉलीटेक्निक कॉलेज में डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में प्रवेश की ऑनलाइन काउंसलिंग का दूसरा चरण शुरू हो गया है। संचालनालय तकनीकी शिक्षा, मप्र की समय सारणी के मुताबिक अभ्यर्थी 18 जून तक ऑनलाइन पंजीयन करा सकते हैं। पंजीयन निरस्तीकरण भी इसी तारीख तक होगा। दूसरे चरण में पंजीकृत अभ्यर्थियों को 19 से 20 जून तक पंजीयन में संशोधन की सुविधा मिलेगी। संस्थाओं का प्राथमिकता क्रम चुनने की प्रक्रिया 10 से 22 जून तक चलेगी। प्राथमिकता क्रम लॉक भी इसी दौरान होगा। सामान्य मेरिट सूची 23 जून को जारी होगी। आवंटित अभ्यर्थी 27 जून से 3 जुलाई तक आवंटन पत्र डाउनलोड कर सकेंगे। इसी दौरान संबंधित संस्था में जाकर मूल दस्तावेजों का सत्यापन कराना होगा। प्रवेश की प्रक्रिया भी इसी दौरान होगी। महाविद्यालय में मार्डन आफिस मैनेजमेंट, आर्किटेक्ककर एण्डय इंटी., इलेक्ट्रा निक्सी एण्डव टेली., फैशन टेक्नो लोजी एवं कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग के रोजगारोन्मुखी डिप्लोमा पाठ्यक्रम संचालित हैं। इन पाठ्यक्रमों में आधुनिक तकनीकी ज्ञान दिया जाता है एवं प्रायोगिक प्रशिक्षण कराया जाता है।

जनकल्याण मेला आयोजित, विभिन्न शासकीय योजनाओं का लाभ दिलाने की गई कार्रवाई

निगमायुक्त ने हितग्राहियों से संवाद कर योजनाओं की जानकारी ली

सागर, देशबन्धु। निगमायुक्त राजकुमार खत्री के मार्गदर्शन में कटरा बाजार स्थित पं. मोतीलाल नेहरू स्कूल परिसर में जनकल्याण मेले का आयोजन किया गया। मेले का उद्देश्य शासन की जनहितैषी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना तथा पात्र हितग्राहियों को विभिन्न शासकीय योजनाओं से जोड़ना था। इस अवसर पर बड़ी संख्या में नागरिकों, पथ विक्रेताओं एवं हितग्राहियों ने सहभागिता कर योजनाओं की जानकारी प्राप्त की तथा आवेदन प्रस्तुत किये। मेले में नगर निगम के राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन एनयूएलएम, प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, सामाजिक न्याय विभाग, जलप्रदाय, सीवर, नशा मुक्ति अभियान सहित विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाये गये। संबंधित विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने नागरिकों को योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की तथा उनकी समस्याओं का निराकरण करते हुये पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित कराने हेतु आवेदन प्राप्त किये। मेले में विशेष रूप से प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर्स आत्मनिर्भर निधि पीएम स्वनिधि योजना के अंतर्गत पथ विक्रेताओं को उनके व्यवसाय के विस्तार एवं आर्थिक सशक्तिकरण के लिये बैंकों के माध्यम से 10 हजार, 20 हजार एवं 50 हजार रुपये तक के ऋण हेतु आवेदन जमा कराये गये, साथ ही डिजिटल लेनदेन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से हितग्राहियों को ऑनलाइन भुगतान एवं डिजिटल ट्रांजेक्शन से मिलने वाले लाभों की जानकारी दी गई। ऐसे पात्र नागरिकों को भी विभिन्न योजनाओं से जोड़ा गया, जो अब तक शासन की सुविधाओं का लाभ प्राप्त करने से वंचित थे। इस दौरान निगमायुक्त ने मेला स्थल का निरीक्षण कर विभिन्न विभागों के स्टॉलों का अवलोकन किया तथा उपस्थित हितग्राहियों से संवाद कर योजनाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिये कि पात्र हितग्राहियों को समयबद्ध रूप से योजनाओं का लाभ सुनिश्चित कराया जाये। कार्यक्रम में उपायुक्त एसएस बघेल, प्रभारी कार्यपालन यंत्री संजय तिवारी, राजस्व अधिकारी बृजेश तिवारी, एनयूएलएम के सिटी मैनेजर विक्रम जैन, योजना प्रभारी जया श्रीवास्तव, कौतुकेय सिंह सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

मानसिक स्वास्थ्य व समग्र कल्याण पर एक दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न

देवरीकलां, देशबन्धु। पं. बृजकिशोर पटेरिया शिक्षा महाविद्यालय में मानसिक स्वास्थ्य एवं समग्र कल्याण विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता विकसित करना तथा जीवन की चुनौतियों का सकारात्मक रूप से सामना करने हेतु आवश्यक समझ प्रदान करना था। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुये महाविद्यालय संचालक डॉ. अवनीश मिश्रा ने विद्यार्थियों को चेतन एवं अवचेतन मन की कार्यप्रणाली से परिचित कराया। बताया कि जीवन में कौशल, महत्वाकांक्षा, विवेक एवं आत्मनियंत्रण के मध्य संतुलन स्थापित कर तनाव को प्रभावी ढंग से नियंत्रित किया जा सकता है। मानसिक रूप से स्वस्थ व्यक्ति ही अपने लक्ष्य, संबंधों और जीवन मूल्यों के प्रति सजग रहकर सफलता प्राप्त कर सकता है। व्याख्याता एवं नोडल अधिकारी शिवम शर्मा ने कार्यक्रम की विस्तृत भूमिका प्रस्तुत करते हुये मानसिक स्वास्थ्य के विभिन्न आयामों पर प्रकाश डाला। उन्होंने विद्यार्थियों को मानसिक स्वास्थ्य हेल्पलाइन 14416 तथा आत्म मूल्यांकन हेतु विकसित मनहित ऐप की जानकारी भी प्रदान की। महाविद्यालय की व्याख्याता खुशबू मिश्रा एवं हेमलता दुबे ने भी संबोधित किया तथा मानसिक स्वास्थ्य के महत्व पर अपने विचार व्यक्त किये। विद्यार्थियों ने विषय को गंभीरता एवं रुचि के साथ सुना। छात्र-छात्राओं से खचाखच भरे सेमिनार हॉल में उपस्थित युवाओं की सक्रिय सहभागिता से कार्यक्रम सफल रहा। संचालन कार्यक्रम प्रभारी एवं काउंसलर शिवम शर्मा ने किया तथा आभार प्रदर्शन हेमलता दुबे द्वारा किया गया। इस अवसर पर संतोष तिवारी, सुनील दुबे, माधव प्रसाद नेमा, प्रतिभा पांडेय, कौशल्या कुर्मी, सत्यवती विश्वकर्मा, बुशरा खान, ऋतिका ठाकुर, आरती मेहरा सहित महाविद्यालय का समस्त स्टाफ एवं छात्र-छात्रायें उपस्थित रहे।

ई.अटेंडेंस को वेतन से जोड़ने पर कर्मचारी संघ का विरोध, आदेश में संशोधन की मांग

सागर, देशबन्धु। मप्र राज्य कर्मचारी संघ ने ई.अटेंडेंस डिजिटल उपस्थिति प्रणाली को सीधे मासिक वेतन भुगतान से जोड़ने के विभागीय आदेश का विरोध करते हुये जिला शिक्षा अधिकारी के माध्यम से लोक शिक्षण संचालनालय डीपीआई भोपाल को ज्ञापन सौंपा है। संघ ने आदेश को व्यावहारिक एवं विधिक रूप से त्रुटिपूर्ण बताते हुये तत्काल संशोधन की मांग की है। प्रदेश मंत्री राकेश श्रीवास्तव के मार्गदर्शन एवं जिलाध्यक्ष अवधेश कुमार उपाध्याय के नेतृत्व में सौंपे गये ज्ञापन में कहा गया है कि तकनीकी संसाधनों के अभाव में ई.अटेंडेंस को वेतन का आधार बनाना शिक्षकों और कर्मचारियों के साथ अन्याय है। संघ ने शासन की डिजिटल पहल का समर्थन करते हुये कहा कि पर्याप्त बुनियादी सुविधायें उपलब्ध कराये बिना इसे अनिवार्य करना उचित नही है। संघ ने बताया कि जिले के कई दूरस्थ क्षेत्रों को चुनाव के दौरान प्रशासन द्वारा शैडो जोन घोषित किया जाता है, जहां मोबाइल नेटवर्क उपलब्ध नही रहता। ऐसे क्षेत्रों में पदस्थ शिक्षकों से ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज कराने की अनिवार्यता और ऐसा न होने पर वेतन रोकना पूरी तरह अव्यावहारिक है। ज्ञापन में कहा कि जिले के कई स्कूलों में केवल एक या दो शिक्षक कार्यरत हैं। यदि किसी शिक्षक का मोबाइल फोन खराब हो जाये, गुम हो जाये या तकनीकी समस्या आ जाये, तो उसके पास उपस्थिति दर्ज करने का कोई विकल्प नहीं बचता। वर्तमान आदेश में ऐसी परिस्थितियों के लिये कोई वैकल्पिक व्यवस्था नहीं है। संघ ने तर्क दिया कि यदि कोई शिक्षक विद्यालय में उपस्थित है और उसकी उपस्थिति भौतिक रजिस्टर एवं अन्य साक्ष्यों से प्रमाणित है, तो केवल तकनीकी खराबी या सर्वर समस्या के कारण वेतन रोकना प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों के विरुद्ध है। नो वर्क, नो पे का नियम केवल स्वेच्छा से अनुपस्थित रहने की स्थिति में लागू होता है, तकनीकी विफलता की स्थिति में नहीं। राज्य कर्मचारी संघ ने मांग की है कि प्रत्येक स्कूल में इंटरनेट एवं वाई.फाई सुविधा उपलब्ध होने तक भौतिक उपस्थिति पंजी को ही वेतन भुगतान का आधार बनाया जाये। निर्वाचन विभाग द्वारा चिन्हित सभी शैडो जोन के स्कूलों को ई.अटेंडेंस की अनिवार्यता से मुक्त रखा जाये। मोबाइल खराबी अथवा सर्वर डाउन होने की स्थिति में संस्था प्रमुख या संकुल प्राचार्य के सत्यापन को मान्य किया जाये। तकनीकी कारणों से किसी भी शिक्षक का वेतन रोकने या काटने की कार्यवाही पर तत्काल रोक लगाई जाये। संघ ने चेतावनी दी है कि यदि व्यावहारिक समस्याओं को ध्यान में रखकर आदेश में संशोधन नहीं किया गया तो शिक्षकों पर अनावश्यक मानसिक दबाव बढ़ेगा और इसका असर शिक्षण व्यवस्था पर पड़ेगा। संगठन ने शिक्षकों एवं कर्मचारियों के हितों की रक्षा के लिये हर स्तर पर संघर्ष जारी रखने की बात कही है। ज्ञापन सौंपने के दौरान अमरेश वर्मा, दुलीचंद पटेल, हरगोविंद मिश्रा, राजशेखर सेन, प्रफुल्ल श्रीवास्तव, दिनेश कन्नौजिया, विकास उपाध्याय सहित बड़ी संख्या में शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

19 व 20 जून को होगा युवा कलोत्सव, देशभर के युवा कलाकार देंगे प्रस्तुतियां

सागर, देशबन्धु। संगीत, नृत्य और नाट्य कलाओं का भव्य संगम आगामी 19 एवं 20 जून को सागर में देखने को मिलेगा। भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के अधीन स्वायत्त संस्था संगीत नाटक अकादमी द्वारा आयोजित प्रतिष्ठित सांस्कृतिक श्रृंखला युवा कलोत्सव 2026-27 का आयोजन महाकवि पद्माकर सभागार में प्रतिदिन सायं 6 बजे से किया जायेगा। आयोजन जिला पुरातत्व, पर्यटन एवं संस्कृति परिषद, सागर के सहयोग से होगा। देश में प्रदर्शन कलाओं की सर्वोच्च राष्ट्रीय संस्था के रूप में कार्यरत संगीत नाटक अकादमी भारतीय संगीत, नृत्य, नाटक, लोक एवं आदिवासी कला परंपराओं के संरक्षण, संवर्धन और प्रचार प्रसार के लिये निरंतर कार्य कर रही है। अकादमी द्वारा वर्ष 2022 में स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर युवा प्रतिभाओं को राष्ट्रीय मंच उपलब्ध कराने के उद्देश्य से युवा कलोत्सव श्रृंखला की शुरुआत की गई थी। दो दिवसीय इस सांस्कृतिक महोत्सव में देश के विभिन्न राज्यों से आये 10 कला दलों के लगभग 125 युवा कलाकार भाग लेंगे। कार्यक्रम के दौरान शास्त्रीय संगीत, लोक संगीत, शास्त्रीय एवं लोक नृत्य, नाट्य प्रस्तुतियां तथा अन्य सांस्कृतिक विधाओं का आकर्षक प्रदर्शन किया जायेगा। इससे सागर अंचल के दर्शकों को देश की विविध सांस्कृतिक परंपराओं और कलात्मक अभिव्यक्तियों को करीब से देखने का अवसर मिलेगा। आयोजकों के अनुसार युवा कलोत्सव का उद्देश्य अमृतकाल में युवाओं को कला और संस्कृति से जोड़ना तथा भारतीय सांस्कृतिक विरासत के प्रति उनकी रुचि को प्रोत्साहित करना है। यह आयोजन कलाकारों, कला प्रेमियों, विद्यार्थियों, शोधकर्ताओं और सांस्कृतिक संस्थाओं के बीच संवाद का सशक्त मंच भी बनेगा। आयोजकों ने सागर एवं आसपास के क्षेत्रों के नागरिकों, विद्यार्थियों और कला प्रेमियों से अधिक से अधिक संख्या में कार्यक्रम में शामिल होकर युवा कलाकारों का उत्साहवर्धन करने की अपील की है।

आयुष्मान आरोग्य मंदिर रामपुर द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

सागर, देशबन्धु। आयुक्त संचनालय आयुष कलेक्टर प्रतिभा पाल एवं जिला आयुष अधिकारी डॉ. जोगेंद्र सिंह ठाकुर के मार्गदर्शन में सोमवार को आयुष्मान आरोग्य मंदिर रामपुर द्वारा आंगनवाड़ी क्र. 50, रामपुर में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में ग्रामीणजनों की स्वास्थ्य जांच कर निःशुल्क परामर्श एवं दवाइयां वितरित की गईं। इसके साथ ही आगामी अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस एवं निक्षय अभियान के अंतर्गत टीबी रोग के लक्षण, बचाव एवं उपचार संबंधी जानकारी उपस्थित लोगों को प्रदान की गई। कार्यक्रम में कुल 54 लाभार्थियों ने स्वास्थ्य लाभ प्राप्त किया।

लापरवाही की भेंट चढ़ी मालथौन की सड़कें

नल-जल योजना की खुदाई के बाद नहीं हुआ रेस्टोरेशन, बाइक फिसलने से युवक घायल

मालथौन, देशबन्धु। नगर में नल जल योजना के तहत पाइपलाइन डालने के लिये खोदी गई सड़कों की समय पर मरम्मत न होने से आम जनता की जान जोखिम में आ गई है। कार्य एजेंसी की बड़ी लापरवाही के कारण आये दिन लोग सड़कों पर गिरकर चोटिल हो रहे हैं। सोमवार को ऐसा ही एक ताजा मामला मिश्र के कुआं के पास सामने आया, जहां एक खुदी हुई सड़क के कारण बाइक फिसलने से एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। पीड़ित युवक अर्पित कुमार ने घटना को लेकर गहरा आक्रोश जताया है। अर्पित ने बताया कि नल-जल योजना के तहत सड़क को खोदकर बिना सुधारे ही छोड़ दिया गया है। वर्तमान में बारिश का पानी इन गड्ढों में भर जाने के कारण सड़क का अंदाजा नहीं लग पाता। सोमवार को जैसे ही वह वहां से गुजरे, उनकी बाइक अचानक फिसल गई। संतुलन बिगड़ने से वह सड़क के किनारे बनी करीब दो फीट गहरी खुली नाली में जा गिरे, जिससे उनके हाथ और पैर में गंभीर चोटें आई हैं। नगर की अधिकांश वार्डो गलियों की सड़कों नलजल योजना की खुदाई के कारण खराब हो गई। जिन सड़को की मरम्मत की गई, वहां मरम्मत के नाम पर एजेसी द्वारा फॉमेल्ट्री कर दी गई जिसके बाद वह सडक उखड़ने लगी हैं रेस्टरोशन में रेत की जगह डस्ट लगाई गई जिसमें घटिया क्वालिटी का सीमेंट लगाया गया। इसका उदाहरण मालथौन-खिमलासा रोड का चौराहा पर दिखाई दे रहा है कुछ ही दिनों उखड़कर नाली का रूप ले लिया, वही वार्ड की पठला मुहल्ला की सड़को सबसे ज्यादा हालत खराब है जहां दो पहिया निकालना मुश्किल दिखाई दे रहा जरा से चूक नुकसान पहुचा सकती हैं। काम मे चल रही मानमनी पर कोई स्थानीय जिम्मेदार अधिकारी इस और ध्यान नहीं दे रहे हैं।

जन कल्याण शिविरों में सभी एसडीएम और एचओडी की उपस्थिति अनिवार्य: कलेक्टर

सागर, देशबन्धु। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में सोमवार को कलेक्टर प्रतिभा पाल की अध्यक्षता में साप्ताहिक समय सीमा समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर ने विभिन्न विभागों के लंबित प्रकरणों, जनहितैषी योजनाओं और विकास कार्यों की बिंदुवार समीक्षा की। लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के प्रति कड़ा रुख अपनाते हुये स्पष्ट किया कि आम जनता के काम में किसी भी स्तर पर ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जायेगी। कलेक्टर ने स्वास्थ्य, खाद्य, राजस्व, नगरीय विकास एवं आवास विभाग की 50 दिवस से अधिक लंबित सीएम हेल्पलाइन शिकायतों की गहन समीक्षा की। उन्होंने कहा कि 50 दिनों से अधिक लंबित एक भी शिकायत शेष नहीं बचनी चाहिये। ऐसी सभी शिकायतों को प्राथमिकता से लेते हुये इनका संतुष्टि पूर्ण निराकरण सुनिश्चित करें। सीएम हेल्पलाइन में एल-वन स्तर पर शिकायतों को अटेंड न करने वाले अधिकारियों को तत्काल कारण बताओ नोटिस जारी करने तथा एल.टू स्तर पर लापरवाही बरतने वालों पर कड़ी कार्यवाही करने के निर्देश दिये। इस संबंध में अगली टीएल बैठक में दोबारा समीक्षा की जायेगी। कलेक्टर ने सभी अनुविभागीय अधिकारी राजस्व को निर्देशित किया कि वे भू.अर्जन के लंबित मामलों का अतिशीघ्र खुद परीक्षण करें और संतुष्टिपूर्ण निराकरण करते हुये प्रकरणों को बंद कराये। जल गंगा अभियान की समीक्षा करते हुये निर्देश दिये कि जल स्त्रोतों के संरक्षण के लिये जारी इस अभियान के अंतर्गत सभी अपूर्ण कार्यों को आगामी 7 दिनों के भीतर अनिवार्य रूप से पूर्ण करें। आगामी जन कल्याण शिविरों को लेकर निर्देश दिये कि सभी क्षेत्रों के एसडीएम और सभी विभागों के विभागाध्यक्ष इन शिविरों में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहेंगे, ताकि जनता की समस्याओं का ऑन.द.स्पॉट निराकरण किया जा सके। पर्यावरण संरक्षण के तहत जिले में एवेन्यू प्लांटेशन सड़कों के किनारे पौधरोपण, सघन पौधरोपण और बड़े पैमाने पर फलदार पौधे लगाने की कार्ययोजना पर चर्चा की गई साथ ही इस संबंध में लगातार आवश्यक प्रगति लाने के निर्देश दिये। बैठक में युवाओं के हुनर को निखारने और रोजगार से जोड़ने के लिये जिला कौशल समिति की गतिविधियों पर बात की गई। इसके अंतर्गत युवाओं के प्रवेश रोजगार उन्मुख कोशिश में पंजीयन, प्रवेश, प्लेसमेंट और पीएम इंटर्नशिप स्कीम के तहत पंजीयन बढ़ाने तथा इसके व्यापक प्रचार प्रसार के निर्देश दिये।

देशबन्धु

सागर, मंगलवार 16 जून 2026

संस्थापक-संपादक : स्व. मायाराम सुरजन

लोकतांत्रिक गिरावट की पराकाष्ठा

वैसे तो 2014 में सत्ता में आई भारतीय जनता पार्टी लोकतंत्र को लगातार गर्त में ले जा रही है, परन्तु पश्चिम बंगाल में वहां की सत्ता से हट गयी तृणमूल कांग्रेस पार्टी को रातों-रात तोड़कर उसका जो हश्र किया गया है, वह शायद गिरावट का सबसे निचला स्तर है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में अनेक ऐसे कारनामे किये गये हैं जो लोकतांत्रिक तरीके से चुनी गयी किसी सरकार के लिये बहुत शर्मनाक है।

इस बात का लम्बा हिसाब लगाया जा सकता है कि केन्द्र सरकार में आने के बाद अपनी जांच एजेंसियों, अलग-अलग ढंग से जुटाये गये पैसों और बेहिचक गैर-लोकतांत्रिक तरीके अपनाते हुए भाजपा ने कई राज्यों में गैरभाजपा सरकारों में तोड़-फोड़ की, अनैतिक तरीकों से केन्द्र के अधीन मौजूद ताकत का बेजा इस्तेमाल करते हुए भारतीय लोकतंत्र की नींव को हिलाकर रख दिया है।

वैसे तो प. बंगाल में भाजपा बड़े अंतर से न केवल जीती वरन सरकार बनाने के लिये उसके पास साफ बहुमत भी उपलब्ध हो गया है। ऐसे में सवाल हो सकता है कि इसके बावजूद टीएमसी को संसद में तोड़ने की ज़रूरत है? यह अन्य दलों को साफ संकेत हैं कि आगे जाकर उनका भी यही हश्र होगा। इसे अगले वर्ष होने जा रहे उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनावों से भी जोड़ा जा रहा है।

यह भी साफ हो गया है कि भाजपा अब न केवल विपक्षी दलों को तोड़ेगी वरन हर पार्टी के कथित बागी उम्मीदवारों को निर्दिष्ट भी करेगी कि उन्हें फिलहाल किस दल में शामिल होना है। अब तक तो यही होता आया है कि अपनी पार्टी को किसी भय या लालच के चलते छोड़ने वाले विधायक या सांसद सीधे भाजपा का रुख करते थे। चाणक्यगिरी का सम्भवत: यह नवाचार है कि टीएमसी के बागी 19-20 सांसदों को कुछ वक्त पहले हावड़ा में बनी और त्रिपुरा में चुनाव लड़ने वाली नेशनलिस्ट सिटीजंस पार्टी ऑफ इंडिया (एनसीपीआई) में शामिल होने के लिये कहा गया। इस घटनाक्रम से एनसीपीआई का नाम लोग जान पाये हैं। राज्य में वह भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए का घटक दल है। हालांकि इसकी संस्थापक अध्यक्ष शिवली कुंडू और संगठन सचिव शांतनु डे का कहना है कि इसकी जानकारी उन्हें सोशल मीडिया के जरिये मिली। वैसे शिवली का कहना है कि काफी अरसा पहले वे इस पद को छोड़ चुकी हैं तथा अब उसका अध्यक्ष कौन है- वे नहीं जानतीं। हालांकि शांतनु ने टीएमसी से आने वाले बागी सदस्यों का अपनी पार्टी में स्वागत किया है।

अगर एनसीपीआई की राजनीतिक ताकत की बात करें तो इस दल के केवल दो सदस्यों ने 2023 के विधानसभा चुनाव में भागीदारी की थी। दोनों को मिलाकर कुल 822 वोट मिले थे। स्वाभाविकत: उसके किसी भी सदस्य को विधानसभा में प्रवेश नहीं मिला था। दोनों की जमानत जब्त हो गयी थी। कल्पना कीजिये भारतीय लोकतंत्र की विद्रूपता का जहां ऐसी पार्टी के 19-20 लोकसभा सदस्य हैं जिसे कुल प्राप्त मतों की संख्या तिहाई में सिमटी हुई है। जैसा अक्सर कहा जाता है कि किसी पार्टी को छप्पर फाड़ पैसे या वोट मिलते हैं, एनसीपीआई के बारे में कहा जा सकता है कि उसे छप्पर फाड़ सांसद मिले हैं। शायद अपनी राजनीति के बल पर उसे यह उपलब्धि कभी हासिल नहीं हो सकती थी। बस, यही वह 'चाणक्यगिरी' है जो देश के लोकतंत्र को मटियामेट कर रही है।

टीएमसी के सदस्यों पर गाज गिरेगी- यह तो पहले से ही तय था। इन ज्यादातर सांसदों में बेहद तेज़-तर्रार लोग हैं जिनके पिछले एक या दो कार्यकाल बेहद उपयोगी रहे हैं। वे न सिर्फ जनता की आवाज उठाते थे, बल्कि वे सशक्त प्रतिरोध के सच्चे प्रतिनिधि लगते थे। विपक्षी दलों की कम संख्या के बावजूद टीएमसी के कई सदस्यों की ओर पूरा देश आशा भरी निगाहों से देखा करता था। ममता के खुद का विधानसभा चुनाव हारने के बाद यहां तक कहा जाने लगा था कि सायोनी घोष पार्टी की भावी नेता हैं। उनसे उम्मीद थी कि ममता की तरह न केवल उनकी आक्रामकता बरकरार रहेगी बल्कि वे टीएमसी की धार को और चमकाएंगी।

मजेदार यह है कि जिस धर्मनिरपेक्ष चरित्र व विश्वासों के चलते ममता ने तीन मुस्लिमों को सांसद बनाया था, वे भी एनसीपीआई का दामन थाम चुके हैं। इन सभी लोगों ने विधानसभा अध्यक्ष ओम बिरला से दिल्ली जाकर न केवल खुद को टीएमसी से अलग होने की घोषणा की, वरन सदन में अलग बैठने की भी मांग की है। कहना न होगा कि ऐसे मामलों में बिरला वही फैसला करते हैं जो भाजपा के अनुकूल होते हैं। एक-दो दिनों में शायद इसकी विधिवत घोषणा भी हो जाये- मोदी-शाह की मंशा व निर्देशों के अनुकूल।

टीएमसी के थोड़े-बहुत बचे हुए लोगों को डराने के लिये प.बंगाल की नयी भाजपा सरकार कोई कसर नहीं छोड़ रही है। चुनावी नतीजों की रात को टीएमसी, कांग्रेस व साम्यवादी दलों के दफ्तरों को जलाया गया, सांसदों के घरों में जांच एजेंसियों की छापेमारी जारी है, फाल्टा से हारने वाले जहांगीर खान को पुलिस उनके क्षेत्र में सरेआम परेड करा रही है तो ये बचे-खुचों को एनसीपीआई में शामिल होने का संदेश है।

भाजपा जो करेगी वह करेगी ही, इंडिया गठबन्धन से न जुड़ने अथवा मिल-जुलकर चुनाव न लड़ने का भारी खामियाजा टीएमसी को भुगतना पड़ा है। यह संदेश सभी विपक्षी दलों के लिये है।

जिबह किया जाता जनतंत्र!

अपनी बंगाल फतेह को विधानसभा से आगे ले जाने और वास्तव में सीधे लोकसभा फतेह तक पहुंचाने में, मोदीशाही को जरा भी देर नहीं लगी है। 4 मई को विधानसभा चुनाव में बंगाल में उसकी जीत का ऐलान हुआ और इसके मुश्किल से एक महीना दस दिन बाद, 14 जून को काकोली घोष दस्तीदार के नेतृत्व में तृणमूल कांग्रेस के लोकसभा ग्रुप के बागी सदस्यों ने, स्पीकर ओम बिड़ला से मुलाकात की और बागी गुट के उन्नीस-बीस सांसदों के हस्ताक्षरों के साथ एक ज्ञापन देकर, लोकसभा में तृणमूल कांग्रेस ग्रुप से अलग बैठाए जाने की मांग की।

पर तृणमूल कांग्रेस के ममता वफादार गुट द्वारा इससे पहले ही स्पीकर से मुलाकात कर, उन्हें याद दिलाया जा चुका था कि दल-बदलविरोधी कानून के अनुसार और खासतौर पर शिव सेना के विभाजन के प्रकरण में 2022 में सुप्रीम कोर्ट के सीमित निर्णय के अनुसार, तृणमूल के बागी गुट को लोकसभा में एक अलग गुट के रूप में मान्यता नहीं दी जा सकती है। कानून के जानकारों के अनुसार, किसी राजनीतिक पार्टी के विधायी दल के दो-तिहाई सदस्यों के अलग होने की सूरत में भी, उन्हें दलबदल-विरोधी कानून के अंतर्गत अयोग्यता से तभी सुरक्षा मिल सकती है, जब मूल पार्टी का किसी अन्य राजनीतिक पार्टी में विलय हो रहा हो या उनके विलय से कोई नयी पार्टी बन रही हो। शिव सेना प्रकरण में सुप्रीम कोर्ट ने पूरी तरह से स्पष्ट कर दिया था कि यहां विलय से आशय राजनीतिक पार्टी के विलय से है, न कि विधायी ग्रुप के दो-तिहाई या उससे अधिक के विलय से।

बहरहाल, दल-बदल विरोधी कानून के प्रावधान, बागी तृणमूल सांसदों के कदमों को और सच पूछें तो उनके पीछे आधे प्रकट तथा आधे परोक्ष रूप से काम कर रहे संघी-भाजपायी 'चाणक्यों' के कदमों को नहीं रोक सकते थे, नहीं रोक पाये। बेशक, यह कोई संयोग ही नहीं था कि स्पीकर ओम बिड़ला से मुलाकात की बागी गुट की कार्यनीति, इस मुलाकात से ठीक पहले हुई केंद्र सरकार के मंत्री, भूपेंद्र यादव के घर पर बैठक में तैयार की गयी थी। बिड़ला से मुलाकात के बाद, बागी गुट के प्रवक्ताओं ने दो महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। पहली, जो कि इस गुट के खड़े किए जाने तथा उसके लिए दो-तिहाई का आंकड़ा जुटाए जाने की कसरत शुरू होने के बाद से ही स्पष्ट थी—यह गुट नरेंद्र मोदी सरकार के हाथ मजबूत करेगा और इस तरह कथित रूप से अपने चुनाव क्षेत्रों के विकास का रास्ता बनाने के लिए करेगा।

दूसरी घोषणा थी, बागी गुट के एनसीपीआई में विलय के निर्णय की। जाहिर है कि इस गुट द्वारा इस फैसले की जानकारी, लोकसभा स्पीकर को भी दी गयी थी। समझना मुश्किल नहीं था कि इस पैंतरे का मकसद, कम से कम कागजी तौर पर दलबदल-विरोधी कानून की, टूटने वाले गुट के किसी अन्य पार्टी में विलय की शर्त पूरी करना है। काफी खोज-बीन करने पर पता चला कि नेशनलिस्ट सिटीजन्स पार्टी ऑफ इंडिया (एनसीपीआई) तीन-चार साल पहले त्रिपुरा में बनायी गयी, एक गैर-मान्यताप्राप्त किंतु रजिस्टर्ड पार्टी है, जिसका पिछले विधानसभा चुनाव में त्रिपुरा में तीन सीटों पर उम्मीदवार खड़े कर 800 वोट हासिल करने से ज्यादा कोई विधायी अस्तित्व नहीं था। अचानक यह अनाम पार्टी 20 लोकसभा सदस्यों के साथ, चौथी सबसे बड़ी पार्टी बनने जा रही है!

यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि कथित विलय ऐसी अनाम पार्टी में ही क्यों, खुद भाजपा में क्यों नहीं? बेशक, एक किस्त में इतनी बड़ी संख्या में तो नहीं, फिर भी विपक्षी पार्टियों के सांसदों को भाजपा में मिलाने का खेल, मोदी निजाम के लिए कोई नया नहीं है। विधानसभा चुनावों के हालिया चक्र से जरा सा पहले ही, आम आदमी पार्टी के सात राज्यसभा सदस्यों को, इसी तरह बागी बनवा कर भाजपा में शामिल किया गया था। सात की ही संख्या इसलिए कि राज्यसभा में आप पार्टी के कुल 10 सदस्य थे और 7 सदस्यों से दो-तिहाई की शर्त पूरी हो जाती है। इससे पहले, 2019 के विधानसभा तथा लोकसभा चुनाव में तेलुगू देशम की हार के बाद, उसके चार राज्यसभा सदस्यों का भी इसी तरह से भाजपा में विलय कराया गया था। तब बागी तृणमूल सांसदों का सीधे भाजपा में ही विलय क्यों नहीं, जबकि इतना तो साफ ही है कि इस गुट को, भाजपा के पुछल्ले के रूप में काम करने के लिए ही तोड़ा गया है।

इसके तीन कारण हो सकते हैं, जो सभी एक साथ भी मौजूद हो सकते हैं। पहला यह कि चुनाव आयोग की भांति-भांति की मदद के अलावा, जिस तृणमूल के भ्रष्टाचार से लेकर हिंसा तक के आख्यानों के सहारे, संघ-भाजपा ने चुनावी फतेह हासिल की है, उसके सांसदों और खासतौर पर लोकसभा सदस्यों को थोक के भाव भाजपा में लाकर पचा पाना, संघ-भाजपा के जबर्दस्त हाजमे के लिए भी मुश्किल हो सकता है। हरेक तृणमूल लोकसभा सदस्य, जिस भाजपा उम्मीदवार को हराकर लोकसभा पहुंचा है, उसके साथ एक ही पार्टी में आसानी से तो एडजस्ट नहीं ही हो सकता है। इससे कहीं बेहतर विकल्प यह होगा कि सुरक्षित दूरी रखकर, संघ-भाजपा बाद में छांट-छांटकर अपने लिए विशेष उपयोगी नेताओं को अपने साथ मिला ले और बाकी को कूड़ेदान में जाने दे। दूसरे, संसद में संख्याबल बढ़ाने के अलावा तृणमूल के लोकसभा सदस्यों का जनसमर्थन का दायरा बढ़ाने में अगर कोई उपयोग हो, तो शायद ज्यादा उपयोग उनके भाजपा से सुरक्षित दूरी बनाए रखने में ही हो। और तीसरा यह कि भाजपा को बखूबी पता है कि इस तरह का विलय, राजनीतिक ही नहीं कानूनी तौर पर भी विवादास्पद होगा और उसे अदालतों में चुनौती दिया जाना तय है। ऐसे में वह अपने हाथ मैले क्यों करती, जबकि अपने पाले में करीब बीस सांसद बढ़ाने के सारे लाभ उसे, तृणमूली बागियों के एनसीपीआई सदस्य कहलाने पर भी मिल ही रहे होंगे।

राजेंद्र शर्मा

> महिला आरक्षण को लागू करने की आड़ में, परिसीमन लागू करने के इस खेल को, संसद के पिछले सत्र में एकजुट विपक्ष ने शिकस्त दे दी थी। लेकिन, उसके बाद से विपक्ष की न उतनी ताकत रह गयी है और न विपक्ष उतना एकजुट नजर आता है। वास्तव में तृणमूल की टूट और द्रमुक के इंडिया ब्लाक से अलग होने ने ही, संघ-भाजपा में इसकी उम्मीदें जगायी लगती हैं।

बेशक, तृणमूली बागी सांसद चाहे ओम बिड़ला के फैसले के बाद, अलग गुट के तौर पर मान्यता प्राप्त कर लें या एनसीपीआई के लोकसभा ग्रुप की मान्यता प्राप्त कर लें, ऐसा कोई भी फैसला विवादास्पद होगा और ज्यादा संभावना है कि उसे अदालत में चुनौती भी दी जाए। लेकिन, महाराष्ट्र में पहले शिव सेना तथा उसके बाद एनसीपी के विभाजन के प्रकरण और अभी हाल में आप पार्टी राज्यसभा सदस्यों के भाजपा के विलय को दी गयी चुनौतियों के अनुभव से यह साफ है कि व्यावहारिक रूप से, स्पीकर के फैसले से बनने वाली स्थिति, जल्दी से बदलने वाली नहीं है। मोदीशाही के जरिए जो संघ-भाजपा तंत्र साम-दाम-दंड-भेद के अपने हथियारों से, अपने विरोध में खड़ी पार्टियों का और खासतौर पर उनके निर्वाचित प्रतिनिधियों का इस तरह का विभाजन सुनिश्चित करता है, वही संघ-भाजपा तंत्र पहले ही यह भी सुनिश्चित कर चुका होता है कि उसके लिए फायदे के इस तरह के घटनाक्रम में कोई अन्य संस्था बाधा नहीं डाले। उसे पलटा तो हर्गिज नहीं जाए। जाहिर है कि बारह वर्ष के अनुभव ने उसके इस भरोसे को पुख्ता ही किया है कि जनतंत्र की कोई भी संस्था, उनके मंसूबों के आड़े आने लायक नहीं रही है।

जाहिर है कि विधानसभा चुनाव के हालिया चक्र के नतीजों से और खासतौर पर बंगाल फतेह करने के बाद से, मोदीशाही के हौसले सातवें आसमान पर हैं। इसीलिए, तृणमूल लोकसभा सांसदों के मामले को, मोदीशाही की अपनी बंगाल की फतेह का संसद का विस्तार करने की मुहिम तक ही सीमित कर के नहीं देखा जाना चाहिए। महाराष्ट्र की राजनीति के जानकारों के अनुसार, तृणमूल सांसदों की बगावत संगठित करने के दौरान ही, संघ-भाजपा के खिलाड़ी महाराष्ट्र में भी विभाजन के पिछले चक्र के जरिए पहले ही बहुत कमजोर किए जा चुके विपक्ष में, विभाजन के एक और चक्र की तैयारियों में जुटे हुए थे। उद्धव ठाकरे की शिव सेना खासतौर पर उनके निशाने पर थी, जिसके अब सिर्फ 9 लोकसभा सदस्य बचे हैं। यह दूसरी बात है कि सारी कोशिशों के बावजूद, संघ-भाजपा के हथियार के तौर पर शिंदे के लिए, छ: (यानी दो-तिहाई) बागी जुटाना संभव नहीं हुआ, जो कि दलबदल कानून के चाबुक से बचने के लिए जरूरी संख्या थी।

इसे देखते हुए, हैरानी की बात नहीं होगी कि कई राजनीतिक टीकाकारों का यह अनुमान सच निकले कि मोदीशाही, संसद के मानसून सत्र में दोबारा, महिला आरक्षण सह परिसीमन विधेयक का पैकेज देश के सिर पर थोपने की कोशिश कर सकती है। संसद में अपना संख्या बल बढ़ाने के इस जुनून के पीछे ऐसा ही कोई गहरा मकसद नजर आता है। यह किसी से छुपा नहीं है कि महिला आरक्षण की आड़ लेकर, परिसीमन को आगे बढ़ाने में ही मोदीशाही की असली दिलचस्पी है। और यह इसलिए है कि उसने समझ लिया है कि जनसंख्या अनुपात पर आधारित परिसीमन के जरिए, उत्तरी तथा पश्चिमी भारत के अपने गढ़ों का तुलनीय राजनीतिक वजन और बढ़ाने के जरिए ही, वह 2029 के चुनाव में अपनी जीत पक्की कर सकती है। 2024 के चुनाव नतीजों ने उसके आत्मविश्वास को हिला दिया है। इसीलिए, उसे सब कुछ चाहिए। उसे अपनी जेब में चुनाव आयोग भी चाहिए। उसे अपने अनुकूल मतदाता सूची भी चाहिए, जिसमें से उसकी नजरों में 'गैर-भरोसेमंद' मतदाताओं को छांटा जा चुका हो। उसे मतगणना तक मनमानी चाहिए। और इस सब के ऊपर से, ऐसा परिसीमन भी चाहिए, जिसमें 'असहयोगी' दक्षिण को छोटा किया जाए और चुनाव क्षेत्रों की सीमाएं इस तरह इलाके छांट-छांटकर बनायी जाएं, जिससे विरोधियों का दायरा छोटे से छोटा हो जाए और उसका दायरा बड़े से बड़ा। परिसीमन का यह संघी मॉडल देश, असम और जम्मू-कश्मीर में देख भी चुका है।

बेशक, महिला आरक्षण को लागू करने की आड़ में, परिसीमन लागू करने के इस खेल को, संसद के पिछले सत्र में एकजुट विपक्ष ने शिकस्त दे दी थी। लेकिन, उसके बाद से विपक्ष की न उतनी ताकत रह गयी है और न विपक्ष उतना एकजुट नजर आता है। वास्तव में तृणमूल की टूट और द्रमुक के इंडिया ब्लाक से अलग होने ने ही, संघ-भाजपा में इसकी उम्मीदें जगायी लगती हैं कि वे एक बार फिर परिसीमन का रास्ता खोल सकते हैं और अगला आम चुनाव अपनी झोली में डाल सकते हैं। लेकिन, ठाकरे की शिव सेना की मुस्तैदी ने और द्रमुक के संघवाद के सिद्धांतों पर समझौता नहीं करने के ऐलान ने, संघ-भाजपा के इस संभावित खेल को विफल करने की शुरूआत भी तो कर दी है।

(लेखक साप्ताहिक पत्रिका लोक लहर के संपादक हैं।)

संवैधानिक संस्थाओं की भूमिका और विपक्ष की चुनौतियां

■ राजेश पांडेय

भारत में केंद्र और राज्य की सरकारें वयस्क मताधिकार के आधार पर चुनी जाती हैं। शहर से लेकर गांवों तक लोग अपने प्रतिनिधि का चुनाव वोट से करते हैं। सभी चुनावों में स्थानीय स्तर पर हेराफेरी की घटनाएं होती हैं। मतदान केंद्रों पर कब्जा, फर्जी वोटिंग, मतगणना में गड़बड़ी जैसे मामले सामने आते हैं। फिर भी, राष्ट्रीय स्तर पर चुनावों की शुद्धता और पवित्रता संदेह से परे रहती थी। लेकिन अब स्थिति बदल गई है। पहले वोटर सरकार चुनते थे, अब सत्ताधारी पार्टी तय कर रही है कि वोटर कौन रहेगा और कौन नहीं। कम से कम मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया से तो यही तस्वीर उभरती है। धांधली के आरोपों, विसंगतियों और खामियों की कहीं सुनवाई नहीं है। संवैधानिक संस्थाओं से इंसाफ की उम्मीद खत्म होती जा रही है।

स्वस्थ और सच्चे लोकतंत्र की पहली शर्त स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव हैं। अब इसकी गारंटी नहीं रही। चुनावों में गड़बड़ी के आरोपों की सूची दिन-ब-दिन लंबी हो रही है। हम दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र होने पर गर्व करते हैं लेकिन हकीकत एकदम अलग है। स्वयंसेवी संगठनों- एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) और महाराष्ट्र स्थित वोट फॉर डेमोक्रेसी ने 2019 और 2024 के लोकसभा चुनावों में कई विसंगतियों का जिक्र किया है। दोनों चुनावों में कुल मतदान और गिने गए वोटों की संख्या में अंतर पाया गया है। वोटिंग के आंकड़े काफी विलंब से जारी हो रहे हैं। वोटिंग के आखिरी घंटों में वोटरों की संख्या में भारी बढ़ोतरी चिंताजनक और अविश्वसनीय है। एडीआर ने चुनाव आयोग को कई मौकों पर पत्र लिखकर सभी पहलुओं की ओर उसका ध्यान आकर्षित कराया है। लेकिन संतोषजनक जवाब नहीं मिले हैं।

> देश की वर्तमान स्थिति को देखते हुए विपक्ष को अपना हर मोर्चा दुरुस्त करना होगा। उसे हर राज्य में कड़ी चुनौती पेश करने के हालात बनाना चाहिए। जब संवैधानिक संस्थाएं अपनी जिम्मेदारी से पीछे हटने लगती हैं तो उसे रास्ते पर लाने में विपक्ष दलों की एकजुटता भी अच्छा प्रभाव पैदा कर सकती है। संवैधानिक संस्थाएं सत्ता और उसके अन्य अंगों की असंवैधानिक और गैरकानूनी कार्रवाईयों को रोकने का सबसे प्रभावी औजार हैं।

चुनाव आयोग की मनमानी पर कोई अंकुश नहीं है। इसका असर हर जगह दिखाई पड़ रहा है। आम चुनाव के साथ विधानसभा चुनाव भी संदेह के दायरे में हैं। महाराष्ट्र, हरियाणा और पश्चिम बंगाल विधानसभा के चुनाव में इसके सबूत मिले हैं। अपेक्षाकृत महत्वहीन चुनाव तक धांधली की चपेट में आ रहे हैं। चंडीगढ़ मेयर के चुनाव में निर्वाचन अधिकारी गड़बड़ी करते रंगे हाथों पकड़े जा चुके हैं। मध्यप्रदेश में राज्यसभा की एक सीट के लिए कांग्रेस प्रत्याशी मीनाक्षी नटराजन का नामांकन पत्र खारिज करने की ताजा घटना इसकी अगली कड़ी है। यह मामला सुप्रीम कोर्ट में है।

देश की सर्वोच्च अदालत से अनियमितताओं को रोकने की उम्मीद की जाती है। लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को अहम मामलों में क्लीन चिट दे दी है। खासतौर से एसआईआर को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर 27 मई को आए कोर्ट के फैसले में वोटरों के अधिकारों की रक्षा की फिक्र दिखाई नहीं देती है। कोर्ट ने कहा है कि चुनाव आयोग को एसआईआर कराने का संवैधानिक और कानूनी अधिकार है। अदालत ने यह जरूर माना है कि आयोग नागरिकता तय नहीं कर सकता है। यह केंद्र सरकार का काम है। फिर भी, एसआईआर की जटिलता और खामियों पर उसने गौर नहीं किया है। सुप्रीम कोर्ट ने विधानसभा चुनावों से पहले कुछ राज्यों में हड़बड़ी में कराई गई प्रक्रिया के बारे में कुछ नहीं कहा है। आयोग को किसी बिंदु पर जवाबदेह नहीं ठहराया है।

अब तक मतदाता सूची में वोटरों का नाम दर्ज करने और हटाने की प्रक्रिया पारदर्शी और आसान रही है। हर साल वोटर लिस्ट का संक्षिप्त संशोधन (समरी रिवीजन) होता है। चुनाव आयोग 18 साल से अधिक आयु के नए वोटरों को शामिल करने के लिए अभियान चलाता है। लेकिन लगता है कि एसआईआर के जरिये नाम शामिल करने के बदले हटाने की मुहिम चलाई गई है। लगातार खबरें आ रही हैं कि सबसे अधिक नाम अल्पसंख्यकों, दलितों के हटाए गए हैं। दरअसल, भारत में ऐसे लोगों की संख्या बहुत बड़ी है जिनके पास कई जरूरी दस्तावेज नहीं हैं। इनमें अधिकतर लोग कमजोर और गरीब हैं। भला सोचिए दूरदराज के कस्बों, गांवों में बैठे लोगों के लिए दस्तावेज जुटाना कितना कठिन है। गनीमत है कि सुप्रीम कोर्ट ने एसआईआर के जरूरी दस्तावेजों में आधार कार्ड को शामिल कराया है। अनुमान है, 2026 के शुरुआती महीनों में 134 करोड़ लोग आधार का उपयोग कर रहे थे।

चुनाव आयोग का काम स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराना है। उसे सुनिश्चित करना है कि कोई पात्र वोटर मताधिकार के इस्तेमाल से वंचित न रह जाए। लेकिन यहां उल्टा हो रहा है। एसआईआर के तहत करोड़ों वोटरों को मतदाता सूची से बाहर करने का अभियान चल रहा है। कुछ विशेषज्ञों के अनुमानों में यह संख्या लगभग साढ़े छह करोड़ बताई गई है। पश्चिम बंगाल में अप्रैल, मई में हुए विधानसभा चुनाव में तार्किक विसंगति जैसे नए मापदंड के तहत 27 लाख वोटरों का मताधिकार छीन लिया गया। तमिलनाडु में 97 लाख लोग बाहर हुए हैं। बिहार में 25 लाख वोटरों को जगह नहीं मिली है। सबसे अधिक लोकसभा सीटों के राज्य उत्तरप्रदेश में एक करोड़ से अधिक वोटर अधर में हैं। जाहिर है, ये हालात लोकतंत्र के लिए शुभ नहीं हैं।

संवैधानिक संस्थाओं की चुप्पी के कारण चुनावों में मुकाबला बराबरी का नहीं रह गया है। दौड़ शुरू होने से पहले ही सत्ताधारी दल निर्णायक बढ़त की स्थिति में रहने लगा है। ऐसी स्थिति में विपक्षी दलों के सामने कठिन चुनौतियां हैं। उसके अपने विरोधाभास और मतभेद अलग हैं। कई राज्यों में उनके हित आपस में टकराते हैं। 2023 में बने इंडिया गठबंधन के सदस्य कई मौकों पर अलग दिशाओं में चलते हैं। लेकिन उसने इस वक्त एसआईआर के खिलाफ एकजुटता दिखाई है। 2024 के लोकसभा चुनाव के बाद 8 जून को हुई उसकी बैठक में आम राय से एसआईआर को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देने का इरादा जताया गया है। विपक्ष का कहना है कि एसआईआर का उपयोग चुनाव नतीजों को प्रभावित करने के लिए किया जा रहा है। बैठक में चिंता व्यक्त की गई कि एसआईआर से मतदाता सूचियों में गड़बड़ी करके बड़े पैमाने पर लोगों को मताधिकार से वंचित किया जा रहा है। इसने चुनावों की निष्पक्षता और पवित्रता पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं।

एसआईआर के बारे में विपक्ष के सवाल जायज हैं। इसके बावजूद एसआईआर को नए सिरे से कानूनी चुनौती देने के नतीजों पर फिलहाल कुछ कहना मुश्किल है। कानूनी रास्ते तो ठीक हैं पर विपक्ष के लिए मैदानी मोर्चे को संभालना ज्यादा जरूरी है। 8 जून की बैठक में गठबंधन के मतभेद भी सामने आए हैं। सहयोगी दलों ने कहा कि तमिलनाडु, केरल और पश्चिम बंगाल में कांग्रेस की रणनीति ने गठबंधन के प्रमुख सहयोगियों द्रमुक, तृणमूल कांग्रेस और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी को नुकसान पहुंचाया है। निश्चित तौर पर कांग्रेस को अपनी रणनीति पर नए सिरे से गौर करना होगा। तमिलनाडु में वह द्रमुक को छोड़कर एक्टर विजय की पार्टी के साथ सरकार में शामिल हो चुकी है। कांग्रेस के रणनीतिकार इसे भविष्य की नीति मानते हैं। उनकी सोच है कि तमिलनाडु की राजनीति द्रविड़ पार्टियों के प्रभाव क्षेत्र से निकलकर दूसरी दिशा में बढ़ रही है। बंगाल में तृणमूल के साथ उसके मेलजोल की हलचल तेज है। केरल में तो यूडीएफ गठबंधन की प्रमुख पार्टी कांग्रेस का वामपंथियों (एलडीएफ) से हितों के टकराव का सीधा मामला है। वहां यूडीएफ और एलडीएफ के बीच हर पांच साल में सत्ता बदलती रही है। केवल 2021 में एलडीएफ ने विजयन के नेतृत्व में पहली बार दोबारा बहुमत हासिल किया था। सीपीएम की आपत्ति कांग्रेस नेताओं खासकर राहुल गांधी और प्रियंका गांधी द्वारा विजयन पर व्यक्तिगत प्रहार से संबंधित है। वहां कांग्रेस और वामपंथियों के रास्ते अलग हैं लेकिन चुनाव अभियान में बार-बार निजी हमलों से तो बचा ही जा सकता है। बंगाल में कांग्रेस चुनाव से पहले ही तृणमूल के साथ मिलकर चल सकती थी। इससे एसआईआर के जरिये हुई कथित धांधली से निपटने में कुछ हद तक मदद मिल सकती थी। बंगाल में अब तक कांग्रेस की रणनीति को अधीर रंजन चौधरी जैसे नेता प्रभावित करते रहे हैं। वे तृणमूल की शीर्ष नेता ममता बनर्जी के कट्टर आलोचक हैं। कांग्रेस ऐसे नेताओं से अलग हटकर नई वास्तविकताओं के हिसाब से अपनी रणनीति तय कर सकती है।

अपने ऐतिहासिक अतीत, लंबे समय तक देश पर शासन करने, मौजूदा लोकसभा में 100 सीटों और चार राज्यों में सरकार होने के कारण इंडिया गठबंधन को आगे बढ़ाने में कांग्रेस की भूमिका बहुत अहम है। इसलिए उसे अपने सहयोगियों की महत्वाकांक्षाओं, जरूरतों और मैदान की स्थिति को देखकर कदम उठाना होंगे। देश के सबसे बड़े राज्य उत्तरप्रदेश में इस समय समाजवादी पार्टी के हाथ में विपक्ष की कमान है। लिहाजा, कांग्रेस के लिए सपा के पीछे चलना व्यावहारिक राजनीति होगी। विधानसभा चुनाव में दोनों पार्टियों को सीटों के बंटवारे में वास्तविक स्थिति का ध्यान रखना पड़ेगा। वे अपने नफा-नुकसान को परखें लेकिन यह ध्यान रखें कि महत्वाकांक्षा, टकराव और जिद से चुनौती कमजोर न पड़ जाए।

देश की वर्तमान स्थिति को देखते हुए विपक्ष को अपना हर मोर्चा दुरुस्त करना होगा। उसे हर राज्य में कड़ी चुनौती पेश करने के हालात बनाना चाहिए। जब संवैधानिक संस्थाएं अपनी जिम्मेदारी से पीछे हटने लगती हैं तो उसे रास्ते पर लाने में विपक्ष दलों की एकजुटता भी अच्छा प्रभाव पैदा कर सकती है। संवैधानिक संस्थाएं सत्ता और उसके अन्य अंगों की असंवैधानिक और गैरकानूनी कार्रवाईयों को रोकने का सबसे प्रभावी औजार हैं। अगर वे अपनी जिम्मेदारियों का निर्वाह नहीं करेंगी तो सत्ता निरंकुश हो जाएगी और लोकतंत्र कमजोर पड़ जाएगा। निश्चय ही यह स्थिति गंभीर और निराशाजनक है। इसलिए विपक्ष की जिम्मेदारी और ज्यादा बढ़ गई है। वह अपनी मैदानी सक्रियता से जनता के एक बहुत बड़े वर्ग को उसके अधिकार हासिल करने में मदद कर सकता है। भारत में मताधिकार हर व्यक्ति को सबके बराबर खड़े होने का अधिकार देता है। हमारे यहां वंचित वर्गों की सबसे बड़ी संपदा और ताकत उसका वोट है। उसके इस अधिकार की रक्षा करना सबकी जिम्मेदारी है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।)

ललित सुरजन की कलम से

तीसरा मोर्चा बनाम वामदल

'1952 में पहले आम चुनाव के बाद भारत की कम्युनिस्ट पार्टी प्रमुख विपक्षी दल के रूप में उभरी थी। सवाल उठता है कि जो पार्टी या जो विचारधारा 1952 में कांग्रेस के विकल्प के रूप में मौजूद थी वह उस जगह से अपदस्थ कैसे हुई और उग्रराष्ट्रवादी हिन्दुत्ववादी शक्तियों ने वामपंथी ताकतों को धीरे-धीरे कर भारतीय राजनीति के हाशिए पर क्यों कर धकेल दिया। यह एक प्रकट वास्तविकता है और इसका सामना करने का साहस वामदलों में होना चाहिए। मेरा मानना है कि आम चुनाव के समय क्षेत्रीय दलों से अल्पकालीन गठजोड़ करने से वामपंथी ताकतें मजबूत नहीं बल्कि और कमजोर ही होंगी। मेरा यह भी मानना है कि आज के वैश्विक परिदृश्य को समझने की क्षमता भारत में या तो कांग्रेस में है या फिर वामपंथियों में; और अपनी तार्किक क्षमताओं का मैदानी कार्रवाई में रूपांतरण करने से ही वाममोर्चा 1952 में या उससे बेहतर स्थिति में पहुंच सकता है।'

(देशबन्धु में 16 मई 2013 को प्रकाशित)

https://lalitsurjan.blogspot.com/2016/06/blog-post_22.html

पावन प्रसंग

मन:स्थिति बदले तो परिस्थिति बदले

जिसने परिस्थितियों से समझौता कर लिया,वह हार गया। परिस्थितियों के विरुद्ध जो लड़ सका, मन:स्थिति उच्च बनाकर, जीवन समर में लड़ सका वही विजेता हुआ। यदि हमारे भीतर अपने जीवन के उद्देश्य को सफल, सार्थक करने की तीव्र अभीप्सा हो तो परिस्थितियां हमारे जीवन की परिभाषा नहीं बन सकती हैं। बात यहां पर मन:स्थिति की है। उत्कृष्ट मन क्या नहीं कर सकता है? आवश्यकता है उसकी शक्ति को पहचानने की तथा उससे उभयपक्षीय निर्माण प्रस्तुत करने की। जब हम परिस्थितियों पर अत्यधिक जोर देते हैं, स्वयं को निर्बल एवं असहाय घोषित कर देते हैं, स्वयं की क्षमताओं से परिचित नहीं होते, तभी इस प्रकार की विसंगति खड़ी होती है कि हमारा अंत:करण हमारा साथ देना बंद कर देता है। मन की ऊर्जा का भरपूर लाभ लेना है तो मन को बहुत महत्व देना छोड़ दीजिए, उसे ऐसा बनाइए ताकि उससे उच्चतर प्रयोजनों में सहायता मिल सके। हमारा मन तभी अपना है, जब उसने किसी उच्च प्रेरणा हेतु अपना समर्पण करना सीख लिया हो।

मन की शक्ति को समझना ही वास्तविक अध्यात्म है एवं इस हेतु हमें अपनी आसक्ति को मिटाना चाहिए। जीवन के महत्वपूर्ण कार्यों को करने के लिए मन का निरासक्त होना आवश्यक है। हम अपने मन पर नियंत्रण प्राप्त करें, इससे शुभ कुछ हो नहीं सकता। जब मन पर हमारा आधिपत्य होता है तो यह संभव है कि हम विपरीत परिस्थितियों के मध्य भी उत्कृष्ट मनोदशा का परिचय दें एवं जीवन को धन्य एवं महान बनाएं। मन की गुलामी से मुक्थि ही साधना का मूल केंद्र है। उसे जिसने समझ लिया, वह फिर परिस्थितियों का ऐसा रोना नहीं रोता है। उसका असीम उत्साह एवं दृढ़ लगन स्वत: आदर्श सत्परिणाम उपस्थित करने की दिशा में बढ़ चलते हैं एवं उसे परिस्थितिवश विवश नहीं होना पड़ता है।

जीवन का यह महत्वपूर्ण सिद्धांत सब को याद कर लेना चाहिए कि बिना मन:स्थिति में परिवर्तन किए, बिना स्वयं को सुधारे आप जीवन का महत्वपूर्ण लाभ नहीं उठा सकते हैं। अफने का मालिक होने में ही भलाई है,शेष तो आत्मप्रवंचना भर है। इसलिए पहला कार्य है, अपने मन पर संपूर्ण एवं एक पक्षीय नियंत्रण स्थापित करना, उसे एक दैवी वाहन के रूप में प्रयुक्त करना तथा उससे महत्वपूर्ण सफलताएं प्राप्त करना।

जब मन इस स्तर का बन जाता है, तो ही उससे अनेकानेक अनुदान एवं वरदान प्रस्तुत करना संभव होता है। मन को पूर्णरूपेण समझना ही अध्यात्म है। आज हर जगह परेशानी है, विषय विकार है तथा जीवन की कठिनाई दिनोंदिन बढ़ती चली जा रही है, वह इसीलिए क्योंकि हमने मन की शक्ति को पहचानने एवं उसका सदुपयोग करनी की ठानी नहीं है। मन हमारा बेकारी में पड़ा रहता है, उसे यह बोध नहीं कि वह किस महान तत्व के अनुशीलन से अनभिज्ञ है। सत्य यही है कि जो मन को जीत ले वही भाग्यवान, जो मन से हार जाए वही अपाहिज। वास्तविक वस्तु चेतना है एवं मन उसीसे हेरफेर किया करताहै, उसकेकारणह ी मन प्रयासचला करतेहैं. मनुष्यक ो जीवंत स्वरूपयदिदेखना हो, उसेपहचानने की सामर्थ्य विकसित करनी हो तो इतना करना चाहिए कि मन के मूल में छिपी आसक्ति को पहचाना जाए और उससे दैवी विधान अनुरूप कार्य लेने की क्षमता विकसित की जाए।

-अखंड ज्योति

सार-समाचार

प्रसिद्ध लेखिका इंदिरा लंकेश का निधन

बेंगलुरु, देशबन्धु। दिवंगत पत्रकार गौरी लंकेश की मां और प्रसिद्ध लेखिका-उद्यमी इंदिरा लंकेश का 83 वर्ष की आयु में सोमवार 15 जून की सुबह बेंगलुरु स्थित अपने आवास पर निधन हो गया। उन्हें उम्र संबंधी बीमारियों के कारण स्वास्थ्य लाभ दिया जा रहा था। लंकेश के पति कन्नड़ के प्रसिद्ध साहित्यकार और पत्रकार पी. लंकेश थे। गौरी लंकेश की मां होने के साथ-साथ, इंदिरा एक लेखिका भी थीं। उनके जीवन के संस्मरण, विशेष रूप से 'हुलीमावु मद्दु नानू' को कन्नड़ साहित्य में महिला लेखकों के संस्मरणों के रूप में एक मील का पत्थर माना जाता है। उल्लेखनीय है कि इंदिरा लंकेश की बेटी गौरी लंकेश एक मुखर पत्रकार और कार्यकर्ता थीं, उनकी सितंबर 2017 में बेंगलुरु स्थित घर के बाहर गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

री-नीट प्रश्नपत्र के नाम पर छात्रों से ठगी, 2 गिरफ्तार

अहमदाबाद,एजेंसी। गुजरात पुलिस की अहमदाबाद साइबर क्राइम ब्रांच ने एक बड़े साइबर ठगी गिरोह का पर्दाफाश किया है व राजस्थान के दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि दोनों ने टेलीग्राम और सोशल मीडिया के जरिए री-नीट परीक्षा का प्रश्नपत्र उपलब्ध कराने का झांसा देकर एक हजार से अधिक छात्रों और उनके अभिभावकों से करोड़ों की ठगी की।

जनसम्पर्क अभियान - ईवी स्कूटर से भीमनगर पहुंचे मुख्यमंत्री, जनता से किया संवाद

12वीं की टॉपर चांदनी से मिले, बोले - यह उपलब्धि विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव विकसित भारत संकल्प अभियान के तहत राजधानी भोपाल के भीम नगर पहुंचे। उन्होंने यहां लोगों से संवाद किया और उनका हाल-चाल जाना। डॉ. यादव ने इस संवाद के लिए काफिला छोड़ इलेक्ट्रिकल व्हीकल का इस्तेमाल किया। इस मौके पर वे एमपी बोर्ड की बारहवीं की टॉपर चांदनी विश्वकर्मा के घर भी गए और उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने परिवार के साथ बातचीत की। उन्होंने परिजनों के साथ सेल्फी भी ली।

इस मौके पर मुख्यमंत्री ने चांदनी ने विषम परिस्थितियों के बीच भी अपने परिश्रम, लगन और दृढ़ संकल्प से जो सफलता अर्जित की है, वह प्रेरणादायी है। उनकी उपलब्धि न सिर्फ अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है, बल्कि पूरे प्रदेश के लिए भी गर्व का विषय है।

डॉ. यादव ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सफलतम 12 वर्ष पूर्ण होने के मौके पर हमने पार्टी पदाधिकारियों के साथ यहां जनता से संवाद किया। लोगों ने बताया कि डॉ. यादव ने उन्हें आश्वासन दिया कि उनकी जिंदगी भविष्य में और भी बेहतर होगी। मुख्यमंत्री खुद ईवी स्कूटर चलाकर भीमनगर पहुंचे। उन्होंने कहा कि इसे चलाकर अच्छा भी लगा। ईवी केवल पेट्रोल के दाम ही नहीं बचाती, बल्कि हमारे कई अन्य तरह के खर्चे भी कम करती है। इस अवसर पर विधायक भगवानदास सबनानी और भाजपा जिला अध्यक्ष रविन्द्र यति भी मौजूद थे।

जनता रह गई अचंभित: मुख्यमंत्री के पहुंचते ही भीम नगर का माहौल पूरी तरह बदल गया। अमूमन अपने-अपने कामों में मशरूफ रहने वाले भीम नगर के लोग आज बेहद उत्साहित और जागरूक दिखाई दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव को अचानक अपने सामने देख लोग अचंभित हो गए। इस बीच उन्होंने लोगों से बातचीत करनी शुरू कर दी। डॉ. यादव ने बेटियों को गोद में लेकर दुलार किया और सेल्फी ली।

खेती और सौर ऊर्जा का संगमः मध्यप्रदेश में एग्रीवोल्टाइक परियोजना के लिए हुआ भारत-जर्मनी समझौता

मुख्यमंत्री की मौजूदगी में एमओयू पर हुए हस्ताक्षर

किसानों को खेती के साथ सौर ऊर्जा उत्पादन से मिलेगी अतिरिक्त आय

भोपाल, देशबन्धु। मध्य प्रदेश में कृषि और स्वच्छ ऊर्जा के समन्वित विकास की दिशा में सोमवार को महत्वपूर्ण कदम उठाया गया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की उपस्थिति में नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा विभाग, मध्यप्रदेश ऊर्जा विकास निगम लिमिटेड तथा जर्मन सरकार समर्थित इंडो-जर्मन एग्रीवोल्टाइक सहयोग परियोजना (आईजीसीए) के बीच मंत्रालय में समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। इस साझेदारी के तहत प्रदेश में एग्री सौर पीवी (एग्रीवोल्टाइक) परियोजनाओं के विकास को गति मिलेगी। एग्रीवोल्टाइक मॉडल के अंतर्गत किसान अपनी कृषि भूमि पर खेती जारी रखते हुए उसी भूमि पर सौर ऊर्जा उत्पादन भी कर सकेंगे। इससे अतिरिक्त भूमि की आवश्यकता नहीं होगी, खाद्य सुरक्षा बनी रहेगी और किसानों को खेती के साथ ऊर्जा उत्पादन से अतिरिक्त आमदनी का अवसर मिलेगा। राज्य सरकार इस योजना के तहत किसानों को सब्सिडी भी उपलब्ध कराएगी, जबकि भूमि का स्वामित्व किसानों के पास ही रहेगा। समझौते के तहत जर्मन सहयोगी संस्था परियोजनाओं की पहचान, तकनीकी और आर्थिक मूल्यांकन, डिजाइन, वित्तीय व्यवहार्यता तथा क्रियान्वयन में सहयोग प्रदान करेगी। साथ ही किसानों, किसान उत्पादक संगठनों, ऊर्जा विकासकर्ताओं, डिस्कॉम और अन्य हितधारकों के लिए प्रशिक्षण एवं जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रम में ऊर्जा मंत्री राकेश शुक्ला, अपर मुख्य सचिव मनु श्रीवास्तव, मध्य प्रदेश ऊर्जा विकास निगम के प्रबंध संचालक अमनवीर सिंह बैंस, भारत में जर्मन दूतावास के प्रतिनिधि, एग्रीवोल्टाइक संगठन के एलेक्जेंडर तथा जर्मनी की जीआईजेड कम्पनी के अधिकारी उपस्थित रहे।

मंदसौर में कांग्रेस ने किया उग्र प्रदर्शन

भाजपा कार्यालय घेरने निकले कार्यकर्ताओं पर पुलिस ने किया लाठीचार्ज

मंदसौर, देशबंधु। मीनाक्षी नटराजन का राज्यसभा सांसद का नामांकन निरस्त किए जाने के विरोध में सोमवार को मंदसौर में युवक कांग्रेस ओर एनएसयूआई द्वारा सोमवार को उग्र प्रदर्शन किया गया। जिला कांग्रेस कार्यालय से भाजपा कार्यालय के घेराव के लिए निकले कांग्रेस कार्यकर्ताओं को पुलिस ने रास्ते में बैरिकेडिंग लगाकर रोक दिया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़प भी हुई। पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित करने के लिए फायर ब्रिगेड की मदद से पानी की बौछार की तथा बाद में हल्का बल प्रयोग और लाठीचार्ज भी किया। इस दौरान 2 से 3 कार्यकर्ता के मामूली रूप से घायल होने की जानकारी सामने आई है। पार्टी के जिला कार्यालय से कार्यकर्ता भाजपा कार्यालय के घेराव के लिए रैली के रूप में रवाना हुए। जिन्हें गांधी चौराहे से बालाजी मंदिर के बीच पुलिस ने उन्हें रोक लिया, लेकिन कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने आगे बढ़ने का प्रयास किया, जिससे दोनों पक्षों के बीच काफी देर तक तनावपूर्ण स्थिति बनी रही। इस दौरान पीछे नहीं हटे तो पुलिस ने बल प्रयोग किया। प्रदर्शनकारी बैरिकेड पर चढ़ गए और भाजपा सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को हटाने के लिए पहले समझाइश दी, लेकिन नहीं मानने पर फायर ब्रिगेड के माध्यम से पानी की बौछार की गई। इसके बावजूद प्रदर्शनकारी पीछे नहीं हटे और सड़क पर बैठकर धरना देने लगे। बाद में पुलिस ने हल्का बल प्रयोग कर प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर किया।

करीब एक घंटे तक चली इस रस्साकशी के दौरान पुलिस और कांग्रेस कार्यकर्ता आमने-सामने डटे रहे। पानी की बौछारों के बाद पुलिस ने 10 से 15 कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार कर लिया।

इस मामले में जिला कांग्रेस अध्यक्ष महेंद्र सिंह गुर्जर ने ने कहा कि युवक कांग्रेस और एनएसयूआई के कार्यकर्ता शांतिपूर्ण एवं गांधीवादी तरीके से भाजपा कार्यालय का घेराव करने जा रहे थे, लेकिन पुलिस ने भाजपा के इशारे पर लाठीचार्ज किया, जिससे कई कार्यकर्ता घायल हुए।

कांग्रेस अध्यक्ष ने मुख्यमंत्री को लिखा पत्र, कहा

खाद वितरण प्रणाली में बढ़ रहा माफिया का प्रभाव

भोपाल, देशबन्धु। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पत्र लिखा है। जिसमें उन्होंने आरोप लगाया है कि यह संकट किसी प्राकृतिक आपदा का परिणाम नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि खाद वितरण प्रणाली में बिचौलियों और माफिया नेटवर्क का प्रभाव बढ़ रहा है। पटवारी ने पत्र में खरीफ सीजन में पूरे प्रदेश में खाद और डीजल की भारी कमी का मुद्दा उठाया। उन्होंने आरोप लगाया कि किसान खेतों में बुवाई की तैयारी की बजाय खाद की लंबी कतारों में खड़े होकर मानसून का इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने मांग की है कि खाद-डीजल संकट पर तत्काल विधानसभा का विशेष सत्र बुलाया जाए। जिलावार खाद स्टॉक और वितरण की दैनिक रिपोर्ट सार्वजनिक की जाए और सभी संभागों में किसानों के लिए आपातकालीन नियंत्रण कक्ष स्थापित किए जाएं।

पटवारी ने इस बात का भी उल्लेख किया कि मालवा, निमाड़, बुंदेलखंड, महाकौशल, ग्वालियर-चंबल और नर्मदापुरम-भोपाल संभाग समेत पूरे प्रदेश के किसान खाद की कमी से जूझ रहे हैं, उज्जैन, देवास, शाजापुर, आगर-मालवा और रतलाम में सहकारी समितियों के बाहर लंबी कतारें लगी हुई हैं। उन्होंने किसानों को निर्धारित मात्रा से कम खाद देने का भी आरोप लगाया।

पटवारी ने कहा कि निमाड़ क्षेत्र के खरगोन, बड़वानी, खंडवा और बुरहानपुर के किसान कपास और सोयाबीन की बुवाई की तैयारी छोड़कर डीजल और खाद के लिए भटक रहे हैं। बुंदेलखंड के सागर, दमोह, छतरपुर, टीकमगढ़ और पन्ना के किसान बुवाई का समय निकल जाने की चिंता में हैं। महाकौशल के जबलपुर, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, सिवनी और मंडला में धान और सोयाबीन के प्रमुख क्षेत्र होने के बावजूद पर्याप्त खाद नहीं मिल पा रही है। ग्वालियर-चंबल और नर्मदापुरम-भोपाल संभाग में भी किसान खेत तैयार होने के बावजूद खाद और डीजल की अनुपलब्धता से परेशान हैं।

अदालत की निगरानी में जांच कराने की मांग की गई

सर्वोच्च न्यायालय पहुंचा राम मंदिर दान चोरी का मामला

अखिलेश ने उठाया था मामला, चर्चा का विषय बना

नई दिल्ली, एजेंसियां। अयोध्या के राम जन्मभूमि मंदिर में भक्तों द्वारा दिए गए दान और चढ़ावे के प्रबंधन में कथित गड़बड़ियों का मामला अब सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच गया है। इस संबंध में शीर्ष अदालत में एक याचिका दायर की गई है, जिसमें दान और चढ़ावे के प्रबंधन में कथित हेराफेरी की जांच कराने की मांग की गई है। याचिकाकर्ता और अधिवक्ता अनूप प्रकाश अवस्थी ने सुप्रीम कोर्ट से आग्रह किया है कि कथित अनियमितताओं के मामले में एफआईआर दर्ज करने का निर्देश दिया जाए। साथ ही अदालत की निगरानी में केंद्रीय जांच ब्यूरो से मामले की जांच कराने पर भी विचार करने की मांग की गई है। याचिका में दान और चढ़ावे के प्रबंधन से जुड़े पहलुओं की विस्तृत जांच की आवश्यकता बताई गई है। यह मुद्दा समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव द्वारा उठाए जाने के बाद व्यापक चर्चा का विषय बना। इसके बाद कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों के नेताओं ने भी मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की। वहीं साधु-संतों के बयान भी सामने आए, जिससे यह विवाद और सुर्खियों में आ गया।

विवाद बढ़ने पर यूपी सरकार ने बनाई एसआईटी: मामले के तूल पकड़ने के बाद उत्तर प्रदेश सरकार ने जांच के लिए विशेष जांच दल का गठन किया है। इस टीम में लखनऊ मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत, पुलिस महानिरीक्षक किरण एस. और वित्त विभाग के विशेष सचिव नील रतन को शामिल किया गया है। राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा ने सोमवार को कहा कि दान राशि में कथित अनियमितताओं की जांच कर रही एसआईटी द्वारा किसी भी तरह की ढिलाई नहीं बरती जाएगी। अयोध्या में पत्रकारों से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि राम मंदिर ट्रस्ट जांच में पूरा सहयोग करेगा और एसआईटी को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने यह भी बताया कि इस संबंध में उनकी रविवार को जिला प्रशासन से बातचीत हुई थी और प्रशासन ने पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया है।

सूचना का अधिकार बना नया धंधा : उच्चतम न्यायालय

नई दिल्ली, देशबन्धु। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को टिप्पणी की कि सूचना के अधिकार के नाम पर सक्रियता अब एक नया धंधा बनता जा रहा हैं । न्यायालय ने सड़क निर्माण कार्य में बाधा डालने के आरोपित एक व्यक्ति की अग्रिम जमानत याचिका खारिज करते हुए यह टिप्पणी की। न्यायमूर्ति संदीप मेहता और न्यायमूर्ति विजय बिश्नोई की पीठ ने आरोपी राकेश कुमार बहल को राहत देने से इनकार कर दिया। सुनवाई के दौरान न्यायालय ने मौखिक रूप से कहा कि आजकल सूचना के अधिकार की सक्रियता एक नया व्यवसाय बन गई है। पीठ ने यह भी कहा कि सड़क निर्माण कार्य की गुणवत्ता सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी संबंधित शासकीय एजेंसियों की है। न्यायालय की इस टिप्पणी को सूचना के अधिकार के दुरुपयोग को लेकर महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

खाद वितरण प्रणाली में बढ़ रहा माफिया का प्रभाव

भोपाल, देशबन्धु। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पत्र लिखा है। जिसमें उन्होंने आरोप लगाया है कि यह संकट किसी प्राकृतिक आपदा का परिणाम नहीं है। पटवारी ने पत्र में खरीफ सीजन में पूरे प्रदेश में खाद और डीजल की भारी कमी का मुद्दा उठाया। उन्होंने आरोप लगाया कि किसान खेतों में बुवाई की तैयारी की बजाय खाद की लंबी कतारों में खड़े होकर मानसून का इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने मांग की है कि खाद-डीजल संकट पर तत्काल विधानसभा का विशेष सत्र बुलाया जाए। जिलावार खाद स्टॉक और वितरण की दैनिक रिपोर्ट सार्वजनिक की जाए और सभी संभागों में किसानों के लिए आपातकालीन नियंत्रण कक्ष स्थापित किए जाएं। पटवारी ने इस बात का भी उल्लेख किया कि मालवा, निमाड़, बुंदेलखंड, महाकौशल, ग्वालियर-चंबल और नर्मदापुरम-भोपाल संभाग समेत पूरे प्रदेश के किसान खाद की कमी से जूझ रहे हैं, उज्जैन, देवास, शाजापुर, आगर-मालवा और रतलाम में सहकारी समितियों के बाहर लंबी कतारें लगी हुई हैं।

CHANGE OF NAME

I , ARMY NO - 4582014L RANK SEP NAME JADHAV SAGAR DADAJI SERVING IN 10 MAHAR HOME ADDRESS AT VTC - VAJIRKHEDE , PO - VAJIRKHEDE, DIST - NASHIK, STATE - MAHARASHTRA, PIN - 423105 HAVE CHANGED MY SON NAME FROM YUG TO YUG SAGAR JADHAV IN MY ALL DOCUMENTS VIDE AFFIDAVIT DATED 15/06/2026 EXECUTED BEFORE DISTRICT COURT SAGAR M.P

CHANGE OF NAME

I , ARMY NO - 15584742X RANK NK NAME BENAKE SACHIN SAMBHAJI SERVING IN 109 RAPID (S) ENGR REGT HOME ADDRESS AT MAIN ROAD DARYACHE VADAGAON ,TAL - KARVIR , VTC - DINDNEVLI , PO - DINDNEVLI, DIST - KOLHAPUR, STATE - MAHARASHTRA, PIN - 416207 HAVE CHANGED MY DAUGHTER NAME FROM SHARANYA TO SHARANYA SACHIN BENAKE IN MY ALL DOCUMENTS VIDE AFFIDAVIT DATED 15/06/2026 EXECUTED BEFORE DISTRICT COURT SAGAR M.P

CHANGE OF NAME

I , ARMY NO - 14870026K RANK SEP NAME KAPIL KUMAR PRESENTLY RESIDING AT HAPUR , NAN , PO - NAN , DIST - GHAZIABAD, STATE - UTTAR PRADESH, PIN - 245101 PRESENTLY WORKING AT 536 ASC BN (RAPID STRIKE) C/O 56 APO I DECLARE THAT MY MOTHER CORRECT NAME IS NIRMALA DEVI .THE SAME NAME WAS MENTIONED IN HER AADHAR CARD, BUT IN MY ARMY SERVICE RECORD MY MOTHER NAME WAS MENTIONED AS NIRMLA DEVI , INSTEAD OF MENTIONING AS NIRMALA DEVI. VIDE AFFIDAVIT DATED 15/06/2026 EXECUTED BEFORE DISTRICT COURT SAGAR M.P

म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल संभाग, सागर

क्रमांक 834/स.अ./ आवंटन / सागर / 2026 दिनांक 15.06.2026

भवन भूखण्ड हस्तान्तरण/नामांतरण हेतु सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मण्डल पं दीनदयाल नगर सागर में स्थित ढाचा भवन क्रमांक 432 मण्डल द्वारा श्रीमति सुनीता बाथरे पति श्री नरेश बाथरे को आवंटित किया गया था। आवंटन निरस्तीकरण उपरान्त उक्त ढाचा भवन का पुनः आवंटन श्री हुकुमचंद सोनी पिता श्री जानकी प्रसाद सोनी के नाम से किया गया। आवंटी की मृत्यु उपरान्त उक्त भवन का नामान्तरण श्रीमति भाग्यश्री सोनी पति स्व. श्री हुकुमचंद सोनी के नाम से किया गया। भाडाक्रय आधार पर उक्त भवन का नामान्तरण श्रीमति ममता सोनी पति श्री रामकुमार सोनी के नाम से किया गया। जिसका विक्रय विलेख मण्डल द्वारा 09.04.2010 को निष्पादित कराया गया। श्रीमति ममता सोनी पति श्री रामकुमार सोनी द्वारा उक्त भवन विक्रय विलेख निष्पादित दिनांक 27.02.2026 के माध्यम से श्री आशीष नामदेव पिता श्री श्यामसुन्दर नामदेव को विक्रय किया गया। श्री आशीष नामदेव पिता श्री श्यामसुन्दर नामदेव द्वारा उक्त भूखण्ड/भवन स्वयं के नाम से नामान्तरित / हस्तान्तरित कराने हेतु आवेदन / दस्तावेज / शपथ पत्र इस कार्यालय में प्रस्तुत किया गये है। यदि किसी व्यक्ति को संस्था या हित रखने वाले वैध व्यक्ति को हस्तान्तरण / नामान्तरण बावत आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशन होने से 15 दिवस के अन्दर लिखित में वैध आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित अवधि के पश्चात हस्तान्तरण / नामान्तरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। जिस पर किसी का कोई दावा मान्य नही होगा।

सम्पत्ति अधिकारी
म.प्र.गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल संभाग, सागर

खड़ी लॉरी से टकराई मोटर साइकिल, 3 युवकों की मौत

अनंतपुर, एजेंसी। आंध्र प्रदेश के श्री सत्य साई जिले के मदकशिरा मंडल के तडाकलापल्ली गांव में सोमवार को एक खड़ी लॉरी से बाइक टकराने से तीन युवकों की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि तीनों युवक मोटर साइकिल से मदकशिरा से हिंदूपुर जा रहे थे। उनकी बाइक एक खड़ी लॉरी से टकरा गई। मृतकों की पहचान आदिनारायण, महेंद्र और त्रिलोक के रूप में हुई है और सभी की उम्र 25 साल से कम थी। आदिनारायण और महेंद्र की तुरंत जबकि त्रिलोक की मौत बैंगलोर के एक प्राइवेट अस्पताल ले जाते समय हुई। पुलिस ने मामला दर्ज कर शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए सरकारी अस्पताल भेज दिया है।

मध्यप्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम मर्या.
पर्यटन भवन, भदभदा रोड, भोपाल-462003
फोन : + 91-755-4027100, 2774340/42, www.mpstdc.com

क्रमांक 278/यांत्रिकी/पविनि/26 **दिनांक : 15.06.2026**

निविदा सूचना 238/2026_STDC_515953_1

मध्यप्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम भोपाल द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन (Online) निविदा प्रपत्र APPENDIX 2.10 पर म.प्र. लोक निर्माण विभाग में उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से आमंत्रित की जाती है। कार्य का नामः **श्री जागेश्वरनाथ लोक बांदकपुर (फेज-2) जिला दमोह में संस्कृत विद्यालय प्रवेश द्वार में स्टोन क्लैडिंग, शॉपिंग कॉम्प्लेक्स, टॉयलेट निर्माण, आंतरिक एवं बाहरी विद्युतीकरण एवं फायर फाइटिंग के कार्य। (14 माह) कार्य की लागत राशि रु. 1090.80 लाख।**

वेबसाइट पर ऑनलाइन भुगतान कर निविदा प्रपत्र (टेण्डर डॉक्यूमेंट) वेबसाइट के माध्यम से क्रय किये जा सकते हैं। निविदा प्रपत्र ऑनलाइन क्रय करने की **अंतिम तिथि 06.07.2026 समय सायं 05:00 बजे तक** निर्धारित है। कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट **https://mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है।

म.प्र. माध्यम/126396/2026 **कार्यपालन यंत्री**

मोहनजोदड़ो की 'नृत्यांगना' प्रतिमा को लेकर नया विवाद

मूल स्वरूप में चित्र प्रकाशित करने की तैयारी

भोपाल/नई दिल्ली, देशबन्धु। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद की कक्षा नवमी की नवीन कला शिक्षा पुस्तक में सिंधु सभ्यता की प्रसिद्ध 'नृत्यांगना' प्रतिमा के परिवर्तित चित्र को लेकर उठे विवाद के बीच अब प्रतिमा के मूल स्वरूप वाले चित्र को पुनः प्रकाशित किए जाने की संभावना जताई जा रही है। सूत्रों के अनुसार, आपत्तियों और व्यापक चर्चा के बाद परिषद इस विषय की समीक्षा कर रही है तथा संशोधित चित्र के स्थान पर प्रतिमा का वास्तविक स्वरूप प्रस्तुत किया जा सकता है।

दरअसल, मोहनजोदड़ो से प्राप्त कांस्य निर्मित 'नृत्यांगना' प्रतिमा भारतीय पुरातत्व और प्राचीन कला की सबसे महत्वपूर्ण धरोहरों में गिनी जाती है। कक्षा नवमी की नई कला शिक्षा पुस्तक में प्रकाशित चित्र में प्रतिमा के ऊपरी भाग को ढका हुआ दिखाया गया था, जिसके बाद इतिहासकारों, शिक्षाविदों और कला विशेषज्ञों ने इसे ऐतिहासिक तथ्य और मूल कलाकृति के स्वरूप से छेड़छाड़ बताया।

विशेषज्ञों का कहना है कि यह प्रतिमा लगभग साढ़े चार हजार वर्ष पुरानी सिंधु सभ्यता की उत्कृष्ट कलाकृति है और इसे उसी रूप में विद्यार्थियों के सामने रखा जाना चाहिए, जिस रूप में वह पुरातात्विक धरोहर के रूप में उपलब्ध है। कई विद्वानों ने तर्क दिया कि ऐतिहासिक धरोहरों के मूल स्वरूप में परिवर्तन से विद्यार्थियों तक तथ्यों की सही जानकारी नहीं पहुंच पाती। विवाद बढ़ने के बाद परिषद के स्तर पर समीक्षा की प्रक्रिया शुरू हुई है। जानकारी के अनुसार, अब पुस्तक में प्रयुक्त परिवर्तित चित्र को हटाकर प्रतिमा का मूल चित्र शामिल करने पर विचार किया जा रहा है। हालांकि इस संबंध में अंतिम निर्णय की औपचारिक घोषणा अभी नहीं की गई है।

उल्लेखनीय है कि मोहनजोदड़ो की 'नृत्यांगना' प्रतिमा भारतीय उपमहाद्वीप की प्राचीन कला, धातु शिल्प और सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक मानी जाती है। इतिहासकारों का मानना है कि ऐसी धरोहरों का अध्ययन उनके वास्तविक स्वरूप में ही कराया जाना चाहिए, ताकि विद्यार्थियों को इतिहास और कला की प्रामाणिक जानकारी प्राप्त हो सके।

कार्यालय, नगरपालिका परिषद महासमुन्द, जिला-महासमुन्द (छ.ग.)
Tele Phone No-07723-224985 Email ID-nppmahasamund@gmail.com

क्र./644 /न.पा./जल.वि./2026-27 महासमुन्द दिनांक 15/06/2026

जेम पोर्टल बिड आमंत्रण सूचना

नगरपालिका परिषद् महासमुन्द के अधीन शासन के जेम पोर्टल के माध्यम से वित्तीय वर्ष 2026-27 हेतु प्लेसमेन्ट (ठेका पद्धिति) के माध्यम से नगर पालिका परिषद महासमुन्द हेतु उच्च कुशल, कुशल, अकुशल एवं अर्द्धकुशल श्रमिको को उपलब्ध कराये जाने हेतु आनलाईन बिड आमंत्रित की जाती है। विवरण निम्नानुसार है:-

क्र	बिड संख्या	कार्य - विवरण	अनु. लागत राशि	अमानत राशि	बिड की अंतिम तिथि
1	GEM/2026/B /766/7665393 Date 15.06.2026	Manpower Outsourcing services Minimum wage Unskilled: Not Required: othrs, Manpower Outsourcing Not required others Manpower services - Minimum wage-Semi-skilled: outsourcing Services Minimum wage Skille& High School others Manpower outsourcing Services Minimum wage Highly Skilled graduate Admin Manpower Outsourcing services Minimum wage Highly skilled High school others.	28861020.00	144305.00	06.07.2026

उपरोक्त कार्य की निविदा की सामान्य शर्ते एवं जानकारी कार्यालयीन अवधि मे कार्यालय से एवं शासन के अधिकृत जेम पोर्टल के वेब साईट पर देखी जा सकती है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद महासुंद

सार समाचार

छात्राओं का दल अनुभव यात्रा पर रवाना

टीकमगढ़, देशबन्धु। खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा संचालित 'मां तुझे प्रणाम' योजना के अंतर्गत टीकमगढ़ जिले की छात्राओं का दल अनुभव यात्रा के लिए रवाना हुआ। खेल एवं युवा कल्याण विभाग के जिला समन्वयक दृगपाल सिंह के नेतृत्व में छात्राओं का दल टीकमगढ़ से सागर पहुंचा, जहां से सागर संभाग के संयुक्त दल को जबलपुर के लिए रवाना किया गया। दृगपाल सिंह ने बताया कि मां तुझे प्रणाम योजना का उद्देश्य युवाओं में राष्ट्रप्रेम, सांस्कृतिक जागरूकता एवं व्यक्तित्व विकास की भावना को प्रोत्साहित करना है। योजना के तहत युवाओं को ऐतिहासिक, धार्मिक, सांस्कृतिक एवं प्राकृतिक महत्व के स्थलों का भ्रमण कराया जाता है, जिससे उन्हें देश की विरासत, संस्कृति और प्रकृति को निकट से जानने का अवसर प्राप्त होता है। उन्होंने बताया कि इस योजना के अंतर्गत एनसीसी, स्काउट-गाइड, खेल, राष्ट्रीय सेवा योजना तथा मेधावी छात्र-छात्राओं सहित 5 श्रेणियों से चयनित प्रतिभागियों को शामिल किया गया है। इस बार टीकमगढ़ जिले की चयनित छात्राओं को सागर संभाग के दल के साथ जबलपुर स्थित विश्व प्रसिद्ध भेड़ाघाट, ऐतिहासिक चौंसठ योगिनी मंदिर तथा सिवनी जिले के प्रसिद्ध पेंच राष्ट्रीय उद्यान का भ्रमण कराया जाएगा।

अनुभव यात्रा में टीकमगढ़ और सागर जिले की छात्राएं सहभागिता कर रही हैं। यात्रा के दौरान छात्राओं को प्राकृतिक सौंदर्य, वन्यजीव संरक्षण, सांस्कृतिक धरोहरों एवं ऐतिहासिक स्थलों की जानकारी दी जाएगी, जिससे उनके ज्ञान एवं अनुभव में वृद्धि हो सके।

उल्लेखनीय है कि मां तुझे प्रणाम योजना के माध्यम से प्रदेश के युवाओं को राष्ट्र निर्माण की भावना से जोड़ने, नेतृत्व क्षमता विकसित करने तथा देश की सांस्कृतिक एवं प्राकृतिक विरासत के प्रति जागरूक बनाने का सतत प्रयास किया जा रहा है। यह योजना युवाओं को सकारात्मक दिशा प्रदान करने के साथ-साथ उनके सर्वांगीण विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

सोमवती अमावस्या पर शिवधाम कुंण्डेश्वर में उमड़ा आस्था का सैलाब

टीकमगढ़, देशबन्धु। सोमवती अमावस्या के पावन अवसर पर जिले के प्रसिद्ध धार्मिक स्थल शिवधाम कुण्डेश्वर में श्रद्धा और आस्था का अद्भुत संगम देखने को मिला। सोमवार सुबह से ही हजारों श्रद्धालु भगवान शिव के दर्शन एवं पूजन के लिए धाम पहुंचने लगे। पूरे दिन मंदिर परिसर 'हर-हर महादेव' और 'बम-बम भोले' के जयघोषों से गूंजता रहा।

ब्रह्म मुहूर्त में मंदिर के प्रमुख पुजारी द्वारा भगवान भोलेनाथ का विशेष अभिषेक एवं वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजन-अर्चन किया गया। इसके पश्चात मंदिर के गर्भगृह के पट श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ खोल दिए गए। दूर-दराज के गांवों एवं शहरों से पहुंचे भक्तों ने भगवान शिव का जलाभिषेक कर सुख-समृद्धि एवं परिवार की मंगलकामना की। सोमवती अमावस्या के विशेष संयोग के कारण महिलाओं में भी विशेष उत्साह देखने को मिला। महिलाओं ने मंदिर परिसर सहित अपने-अपने घरों में तुलसी माता एवं वट वृक्ष की विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर परिक्रमा लगाई। धार्मिक मान्यता के अनुसार इस दिन व्रत एवं पूजन करने से अखंड सौभाग्य, पारिवारिक सुख-शांति तथा पति की दीर्घायु का आशीर्वाद प्राप्त होता है। पंडित सुरेंद्र द्विवेदी ने बताया कि सोमवती अमावस्या का हिंदू धर्म में विशेष महत्व है। इस दिन श्रद्धालु दान-पुण्य, स्नान, जप और भगवान शिव की आराधना करते हैं। महिलाओं द्वारा फल, मेवा, मिष्ठान एवं पूजन सामग्री अर्पित कर तुलसी और बरगद के वृक्ष की परिक्रमा की जाती है। मंदिर प्रबंधन के अनुसार शाम को भगवान भोलेनाथ का विशेष एवं आकर्षक श्रृंगार किया जाएगा, जिसके पश्चात सायं 7:30 बजे भव्य महाआरती का आयोजन हुआ। महाआरती में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। सोमवती अमावस्या के अवसर पर शिवधाम कुण्डेश्वर में उमड़ी श्रद्धालुओं की विशाल भीड़ ने एक बार फिर इस धार्मिक स्थल की आस्था, परंपरा और आध्यात्मिक महत्व को जीवंत कर दिया।

एयर फोर्स में चयनित अभिषेक को पार्षद रजनी पूनम जायसवाल ने दी बधाई

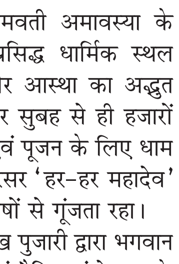

टीकमगढ़, देशबन्धु। जिले के लिए गर्व और खुशी की खबर है। वार्ड क्रमांक 6 तालदरवाजा निवासी अभिषेक सेन का चयन भारतीय वायु सेना (इंडियन एयर फोर्स) के एक्स ग्रुप में हुआ है। विशेष बात यह है कि इस भर्ती प्रक्रिया में टीकमगढ़ जिले से अभिषेक सेन एकमात्र अभ्यर्थी हैं, जिन्होंने सफलता प्राप्त कर जिले का नाम रोशन किया है। अभिषेक सेन, महेश कुमार सेन और राखी सेन के पुत्र हैं। उन्होंने वर्ष 2025 में गणित विषय से 12वीं की परीक्षा उत्तीर्ण की थी। छात्र जीवन से ही उनका सपना भारतीय वायु सेना में जाकर देश सेवा करना था। इसी लक्ष्य को लेकर उन्होंने पूरी लगन और अनुशासन के साथ तैयारी शुरू की। लिखित परीक्षा की तैयारी के लिए अभिषेक ने ऑनलाइन माध्यमों का सहारा लिया और नियमित अध्ययन किया। वहीं शारीरिक दक्षता परीक्षा (पीएफटी) के लिए उन्होंने स्थानीय पुलिस लाइन में प्रतिदिन दौड़, पुश-अप्स, सिट-अप्स सहित अन्य शारीरिक अभ्यास किए। इसके साथ ही उन्होंने एसआरटी और ग्रुप डिस्कशन की तैयारी भी निरंतर जारी रखी।

मुंशी और मोहर्रिरों की बैठक में जवाबदेही तय, लंबित मामलों पर विशेष नजर, बोले कप्तान

वारंट करो तामील और समय पर भरो चालान

टीकमगढ़, देशबन्धु। जिले में न्यायिक प्रक्रियाओं को तेज और प्रभावी बनाने के लिए पुलिस अधीक्षक मनोहर सिंह मंडलोई लगातार सक्रिय नजर आ रहे हैं। इसी कड़ी में पुलिस कंट्रोल रूम टीकमगढ़ में जिले के सभी थाना कोर्ट मुंशियों और न्यायालय कोर्ट मोहर्रिरों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक का मुख्य उद्देश्य लंबित समंस, वारंट और अपराध चालानों के निष्पादन में तेजी लाना तथा न्यायालयीन कार्यों को समयबद्ध ढंग से पूरा करना रहा।

बैठक में एसपी मनोहर सिंह मंडलोई ने थाना-वार लंबित समंस, जमानती वारंट, गिरफ्तारी वारंट और स्थायी वारंटों की स्थिति की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि न्यायालय से जारी आदेशों की तामीली में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और सभी लंबित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण सुनिश्चित किया जाए।

मंडलोई ने कहा कि जब न्यायालय से कोई समंस या वारंट जारी होता है तो उसकी समय पर तामीली पुलिस की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी होती है। यदि न्यायालयीन आदेशों का पालन समय पर हो तो मामलों का निपटारा भी तेजी से होता है और आम लोगों को समय पर न्याय मिलने में मदद मिलती है।

बैठक के दौरान अपराध चालानों को समय-सीमा के भीतर न्यायालय में प्रस्तुत करने पर भी विशेष जोर दिया गया। उन्होंने सभी थाना स्तर के कर्मचारियों को निर्देश दिए कि रिकॉर्ड संधारण व्यवस्थित रखें तथा लंबित मामलों की नियमित समीक्षा करते रहें। इससे न्यायिक प्रक्रिया में अनावश्यक विलंब को रोका जा सकेगा।

समीक्षा बैठक में न्यायालयीन कार्यों के दौरान आने वाली व्यावहारिक समस्याओं पर भी चर्चा की गई। एसपी ने संबंधित कर्मचारियों से सुझाव प्राप्त किए और समस्याओं के समाधान के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पुलिस और न्यायालय के बीच बेहतर समन्वय ही न्याय व्यवस्था को मजबूत बना सकता है।

जिले में पदभार संभालने के बाद से मनोहर सिंह मंडलोई कानून व्यवस्था के साथ-साथ न्यायालयीन कार्यों की मॉनिटरिंग पर भी विशेष ध्यान दे रहे हैं। अधिकारियों का मानना है कि नियमित समीक्षा और जवाबदेही तय होने से लंबित मामलों के निराकरण में तेजी आएगी और न्यायिक व्यवस्था अधिक प्रभावी बनेगी।

बैठक में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विक्रम सिंह कुशवाहा, प्रधान आरक्षक राजेश्वर त्रिपाठी सहित जिले के सभी थाना कोर्ट मुंशी एवं न्यायालय कोर्ट मोहर्रिर उपस्थित रहे।

नामांकन निरस्त मामला, कांग्रेस ने उठाए सवाल

ज्ञापन देकर की निष्पक्ष जांच की मांग

टीकमगढ़, देशबन्धु। मध्य प्रदेश राज्यसभा चुनाव 2026 में कांग्रेस प्रत्याशी मीनाक्षी नटराजन के नामांकन पत्र निरस्त किए जाने के मामले को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं एवं राजीव गांधी पंचायती राज संगठन के पदाधिकारियों ने कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर जांच एवं उचित कार्रवाई की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा।

राजीव गांधी पंचायती राज संगठन की प्रदेश अध्यक्ष मोना कौरव के निर्देशानुसार जिला अध्यक्ष प्रत्यूष पाठक, प्रदेश सचिव अंकित जैन, संगठन महासचिव संजय नायक, जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष डॉ. इसरार मुहम्मद, अधिवक्ता दीपक कुशवाहा, अन्नू श्रोती और रुपेश राय के नेतृत्व में संगठन के पदाधिकारियों, सदस्यों तथा कांग्रेस परिवार के कार्यकर्ताओं ने प्रशासन के नाम ज्ञापन प्रस्तुत किया।

ापन में कहा गया कि राज्यसभा चुनाव लोकतांत्रिक व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा है और चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता और पारदर्शिता बनाए रखना लोकतंत्र की मजबूती के लिए आवश्यक है। कांग्रेस नेताओं ने मीनाक्षी नटराजन के नामांकन पत्र निरस्त किए जाने की परिस्थितियों की निष्पक्ष एवं पारदर्शी जांच कराए जाने की मांग करते हुए कहा कि यदि किसी स्तर पर त्रुटि या अनियमितता हुई है तो उसके लिए जिम्मेदार व्यक्तियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जानी चाहिए।

कांग्रेस पदाधिकारियों ने प्रशासन से आग्रह किया कि पूरे मामले की तथ्यात्मक जांच कर लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा सुनिश्चित की जाए, ताकि चुनाव प्रक्रिया पर आमजन का विश्वास कायम रह सके। ज्ञापन सौंपने के दौरान संगठन के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

ज्ञापन के माध्यम से कांग्रेस नेताओं ने लोकतांत्रिक संस्थाओं की गरिमा बनाए रखने तथा चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया।

खनिज माफियाओं पर चला प्रशासन का शिकंजा, डंपर जब्त

रॉयल्टी न मिलने पर गिट्टी से भरे वाहन पर कार्रवाई

टीकमगढ़, देशबन्धु। अवैध खनिज उत्खनन और परिवहन पर अंकुश लगाने के लिए प्रशासन द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में कलेक्टर विवेक श्रोत्रिय के निर्देशानुसार खनिज विभाग की टीम ने सोमवार सुबह आकस्मिक जांच अभियान चलाते हुए अवैध खनिज परिवहन के एक मामले में कार्रवाई कर गिट्टी से भरे 16 चक्का डंपर को जब्त किया है।

जानकारी के अनुसार सहायक खनिज अधिकारी के नेतृत्व में खनिज विभाग का दल टीकमगढ़-महरौनी मार्ग पर नियमित जांच कर रहा था। इस दौरान खिरिया चौकी के समीप एक 16 चक्का डंपर गिट्टी का परिवहन करते हुए पाया गया। संदेह होने पर टीम ने वाहन को रोककर चालक से खनिज परिवहन से संबंधित वैध दस्तावेज एवं रॉयल्टी पर्ची प्रस्तुत करने को कहा।

जांच के दौरान वाहन चालक गिट्टी के परिवहन से संबंधित वैध रॉयल्टी या अन्य आवश्यक दस्तावेज मौके पर प्रस्तुत नहीं कर सका। दस्तावेजों के अभाव में परिवहन को संदिग्ध मानते हुए खनिज विभाग की टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए डंपर को गिट्टी सहित जब्त कर लिया।

विभागीय कार्रवाई के तहत जब्त वाहन को सुरक्षा की दृष्टि से खिरिया पुलिस चौकी परिसर में रखा गया है। पूछताछ के दौरान चालक ने वाहन स्वामी का नाम अभिनंदन जैन उर्फ अब्बू निवासी महरौनी बताया।

सहायक खनिज अधिकारी ने बताया कि मामले में आवश्यक जांच और दस्तावेजी कार्रवाई की जा रही है। नियमानुसार प्रकरण तैयार कर अर्थदंड एवं अन्य वैधानिक कार्रवाई के लिए कलेक्टर के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा।

खनिज विभाग ने स्पष्ट किया है कि जिले में अवैध उत्खनन एवं खनिज परिवहन के विरुद्ध अभियान लगातार जारी रहेगा। बिना वैध अनुमति अथवा रॉयल्टी के खनिज परिवहन करने वालों के खिलाफ नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन की इस कार्रवाई को अवैध खनन गतिविधियों पर नियंत्रण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

किसानों से धोखाधड़ी की आशंका पर बड़ी कार्रवाई

वेयरहाउस से 40 क्विंटल सोयाबीन बीज जब्त

टीकमगढ़, देशबन्धु। खरीफ सीजन से पहले किसानों को कथित रूप से नकली अथवा भ्रामक तरीके से तैयार किए जा रहे बीजों की बिक्री की आशंका पर प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की है। कलेक्टर विवेक श्रोत्रिय के निर्देश पर कृषि विभाग की टीम ने कुंडेश्वर स्थित बालाजी वेयरहाउस पर छापामार कार्रवाई करते हुए बड़ी मात्रा में सोयाबीन बीज और खाली बोरियां जब्त की हैं।

जानकारी के अनुसार उप संचालक कृषि मनोज कश्यप के नेतृत्व में विभागीय टीम ने बालाजी वेयरहाउस में आकस्मिक निरीक्षण किया। जांच के दौरान वहां सोयाबीन बीज को अलग-अलग ब्रांड की बोरियों में पैक किए जाने की गतिविधियां सामने आईं। प्रारंभिक जांच में अनियमितता की आशंका के चलते टीम ने मौके से लगभग 40 क्विंटल सोयाबीन बीज जब्त कर लिया।

कार्रवाई के दौरान 281 खाली बोरियां भी बरामद की गईं, जिनका उपयोग बीज पैकिंग में किए जाने की आशंका जताई जा रही है। विभागीय अधिकारियों ने पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है तथा जब्त सामग्री के नमूने परीक्षण के लिए भेजने की प्रक्रिया भी प्रारंभ कर दी गई है।

कृषि विभाग के अधिकारियों का कहना है कि किसानों को गुणवत्तायुक्त और प्रमाणित बीज उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता है। यदि कोई व्यक्ति या संस्था नियमों के विपरीत बीजों की पैकिंग, भंडारण अथवा विक्रय करते हुए पाई जाती है तो उसके विरुद्ध नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर विवेक श्रोत्रिय के निर्देश पर जिले में बीज, खाद एवं कृषि आदानों की लगातार निगरानी की जा रही है। प्रशासन का प्रयास है कि खरीफ सीजन के दौरान किसानों को किसी प्रकार की ठगी या नुकसान का सामना न करना पड़े।इस कार्रवाई के बाद कृषि क्षेत्र से जुड़े व्यापारियों और भंडारण केंद्रों में भी हड़कंप की स्थिति देखी गई। वहीं किसानों ने प्रशासन की इस कार्रवाई का स्वागत करते हुए कहा कि ऐसे मामलों पर सख्ती से अंकुश लगना आवश्यक है, ताकि अन्नदाता को गुणवत्ताहीन या संदिग्ध बीजों से होने वाले नुकसान से बचाया जा सके। विभागीय अधिकारियों के अनुसार मामले की विस्तृत जांच जारी है और जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

ज्ञान भारतम अभियान में बौद्धिक धरोहर होगी डिजिटाइज

भविष्य के लिए सहेजा जा रहा अतीत, कलेक्टर की दूरदर्शी सोच

टीकमगढ़, देशबन्धु। सदियों पुरानी ज्ञान परंपरा और सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने की दिशा में टीकमगढ़ जिला प्रशासन ने एक महत्वपूर्ण पहल शुरू की है। ज्ञान भारतम मिशन के अंतर्गत जिले में संरक्षित प्राचीन पांडुलिपियों एवं शिलालेखों की खोज, सूचीकरण और डिजिटलीकरण का कार्य तेजी से किया जा रहा है। इसी क्रम में जिला स्तरीय टीम ने विभिन्न क्षेत्रों का भ्रमण कर दुर्लभ पांडुलिपियों और ऐतिहासिक शिलालेखों को सूचीबद्ध किया।

कलेक्टर विवेक श्रोत्रिय के निर्देशानुसार गठित जिला स्तरीय टीम के सदस्यों व्ही.के. मेहरा, जिला पंचायत के जिला परियोजना अधिकारी मनीष जैन तथा एडीजीएम अनुपम दीक्षित द्वारा क्षेत्रीय भ्रमण किया गया। टीम ने माडूमर पहुंचकर वहां स्थित ऐतिहासिक शिलालेखों का अवलोकन किया और उनके दस्तावेजीकरण की प्रक्रिया शुरू की।

भ्रमण के दौरान अजनौर स्थित प्राचीन जैन मंदिर में संरक्षित 25 दुर्लभ पांडुलिपियों का पंजीयन किया गया। वहीं ग्राम गुदनवारा में क्षत्रपाल सिंह सोलंकी के यहां सुरक्षित रखी गई चार प्राचीन पांडुलिपियों को भी मिशन के अंतर्गत सूचीबद्ध किया गया। प्रशासन का मानना है कि जिले के विभिन्न गांवों, मंदिरों और निजी संग्रहों में अभी भी बड़ी संख्या में ऐसी ऐतिहासिक धरोहरें मौजूद हैं, जो शोध और अध्ययन की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।

ज्ञान भारतम मिशन के तहत प्रशासन का विशेष फोकस उन पांडुलिपियों पर है जो निजी व्यक्तियों, धार्मिक संस्थानों, मंदिरों और अन्य प्रतिष्ठानों में वर्षों से सुरक्षित रखी गई हैं। इन अमूल्य धरोहरों को संरक्षित करने के लिए उन्हें कहीं ले जाने की आवश्यकता नहीं होगी। विशेषज्ञों की टीम संबंधित स्थान पर पहुंचकर पहले उनका सूचीकरण करेगी, फिर आवश्यकता पड़ने पर संरक्षण कार्य और स्कैनिंग कर डिजिटल रूप में सुरक्षित किया जाएगा।

प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि पांडुलिपियों का स्वामित्व संबंधित व्यक्ति, संस्था या धार्मिक प्रतिष्ठान के पास ही रहेगा। डिजिटलीकरण के बाद भी पांडुलिपियां अपने मूल स्थान पर ही सुरक्षित रहेंगी। केवल उनकी डिजिटल प्रतियां तैयार की जाएंगी, जिससे भविष्य में शोधार्थियों, इतिहासकारों और विद्यार्थियों को अध्ययन सामग्री उपलब्ध हो सके। कलेक्टर विवेक श्रोत्रिय ने जिलेवासियों से इस अभियान में बढ़-चढ़कर भागीदारी करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि भारत की प्राचीन बौद्धिक, सांस्कृतिक और ज्ञान परंपरा का विशाल खजाना इन पांडुलिपियों में समाहित है। यदि इन्हें समय रहते संरक्षित और डिजिटाइज नहीं किया गया तो आने वाली पीढ़ियां इस महत्वपूर्ण धरोहर से वंचित हो सकती हैं।

उन्होंने कहा कि ज्ञान भारतम मिशन के माध्यम से संरक्षित की जाने वाली पांडुलिपियां भविष्य में शोध, इतिहास लेखन और भारतीय ज्ञान परंपरा के पुनर्स्थापन का आधार बनेंगी। यह अभियान न केवल विरासत संरक्षण का कार्य है, बल्कि भारत को पुनः ज्ञान और शोध की वैश्विक पहचान दिलाने की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम है।

प्रशासन ने जिले के मंदिरों, आश्रमों, धार्मिक संस्थाओं, संग्रहालयों और निजी संग्राहकों से अपील की है कि वे अपने पास उपलब्ध पांडुलिपियों और ऐतिहासिक दस्तावेजों की जानकारी उपलब्ध कराएं, ताकि इस अमूल्य विरासत को डिजिटल रूप से सुरक्षित किया जा सके और आने वाली पीढ़ियों के लिए संरक्षित रखा जा सके।

---

8 लाख 17 हजार 302 स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं को मिली बड़ी राहत

भोपाल, देशबन्धु। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के कार्यक्षेत्र के भोपाल, नर्मदापुरम, ग?वालियर एवं चंबल संभाग अंतर्गत आने वाले 16 जिलों के स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं के लिए मई का महीना राहत लेकर आया है। कंपनी द्वारा स?मार्ट मीटर उपभोक्ताओं को 'टाइम ऑफ डे' (ञ्ज्रश्ष्ठ) टैरिफ व्यवस्था के तहत सोलर ऑवर (सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक) में बिजली की खपत पर 20 प्रतिशत की विशेष छूट प्रदान की गई है। इस टाइम ऑफ डे टैरिफ व्यवस्था के तहत कंपनी कार्यक्षेत्र में कुल 8 लाख 17 हजार 302 स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं को मई माह के बिजली बिल में 8 करोड़ 41 लाख 52 हजार रुपये की छूट का सीधा लाभ मिला है।

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध संचालक श्री ऋषि गर्ग ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे आधुनिक तकनीक को अपनाएं और अपने परिसरों में स्मार्ट मीटर लगवाने हेतु आगे आएं। स्मार्ट मीटर न केवल ऊर्जा संरक्षण में सहायक हैं, बल्कि यह उपभोक्ताओं को अपनी खपत के प्रति जागरूक कर आर्थिक लाभ भी दिला रहा है। स्मार्ट मीटर हर 15 मिनट में बिजली खपत का सटीक डेटा रिकॉर्ड करते हैं और खपत का डेटा स्वचालित रूप से बिलिंग सर्वर को प्राप्त होता है।

कलेक्टर की पहल से भूजल संवर्धन को मिलेगी नई दिशा

माडूमर का 'दोहा योजना' बनेगी जल संरक्षण की नई मिसाल

टीकमगढ़, देशबन्धु। जल संकट और गिरते भूजल स्तर की चुनौती के बीच टीकमगढ़ जिले के माडूमर क्षेत्र में विकसित की जा रही दोहा जल संरक्षण संरचना भविष्य की जल सुरक्षा का मजबूत आधार बनकर उभर रही है। नहर मार्ग पर बनाई जा रही यह अभिनव लहराकार संरचना केवल एक निर्माण कार्य नहीं, बल्कि जल संरक्षण, भूजल पुनर्भरण और ग्रामीण समृद्धि की दिशा में एक दूरदर्शी पहल मानी जा रही है।

कलेक्टर विवेक श्रोत्रिय ने हाल ही में इस मॉडल को लेकर सोशल मीडिया के माध्यम से जनप्रतिनिधियों, विशेष रूप से सरपंचों से अपील की है कि वे इस संरचना को समझें, देखें और अपने-अपने क्षेत्रों में भी ऐसे प्रयासों को बढ़ावा दें। उनकी इस पहल को जिले में जल संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने वाला महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

दरअसल, 'दोहा मॉडल' एक कम लागत वाली जल संरक्षण तकनीक है, जिसमें बरसाती नालों या जल प्रवाह मार्गों में निश्चित दूरी पर कटोरीनुमा गहरे और चौड़े गड्ढों का निर्माण किया जाता है। वर्षा के दौरान इनमें पानी संग्रहित होता है और धीरे-धीरे जमीन के भीतर रिसकर भूजल स्तर को बढ़ाता है। विशेषज्ञों के अनुसार यह तकनीक भूजल पुनर्भरण, सिंचाई क्षमता विस्तार और पेयजल उपलब्धता बढ़ाने में अत्यंत प्रभावी साबित हुई है। महाराष्ट्र सहित कई राज्यों में दोहा मॉडल ने सूखा प्रभावित क्षेत्रों में किसानों को राहत पहुंचाई है तथा हजारों हेक्टेयर भूमि को अतिरिक्त सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराई है।

माडूमर में इस संरचना का निर्माण सृजन संस्था के सहयोग से किया जा रहा है। जल संरक्षण से जुड़े विशेषज्ञों का मानना है कि यदि बरसाती नालों में श्रृंखलाबद्ध तरीके से ऐसे दोहे विकसित किए जाएं तो कम वर्षा वाले क्षेत्रों में भी भूजल स्तर में उल्लेखनीय सुधार संभव है। केंद्रीय भूजल प्रबंधन से जुड़े अध्ययनों में भी वर्षा जल संचयन और कृत्रिम भूजल पुनर्भरण को जल संकट से निपटने का प्रभावी उपाय माना गया है।

ग्रामीणों और किसानों का कहना है कि यदि जिले के विभिन्न हिस्सों में इस प्रकार की संरचनाएं विकसित की जाती हैं तो आने वाले वर्षों में सिंचाई और पेयजल की समस्या काफी हद तक कम हो सकती है। यही कारण है कि माडूमर का यह मॉडल अब केवल एक गांव तक सीमित नहीं रहा, बल्कि जिले के अन्य ग्राम पंचायतों के लिए भी प्रेरणा का केंद्र बनता जा रहा है।

जल संरक्षण को लेकर कलेक्टर विवेक श्रोत्रिय की सक्रियता और नवाचार आधारित सोच की जिले में लगातार चर्चा हो रही है। प्रशासनिक स्तर पर विकास कार्यों के साथ-साथ प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण को प्राथमिकता देने की उनकी पहल को भविष्य की जरूरतों के अनुरूप महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

विशेषज्ञों का मानना है कि यदि जल संरक्षण को जन आंदोलन का स्वरूप देना है तो माडूमर जैसे मॉडल को गांव-गांव तक पहुंचाना होगा। क्योंकि आज की सबसे बड़ी सच्चाई यही है कि 'जल बचाना ही भविष्य बचाना है' और भविष्य की इसी नींव को मजबूत करने की दिशा में माडूमर का दोहा मॉडल एक प्रेरणादायी उदाहरण बनकर सामने आया है।

सार समाचार

केन्द्रीय मंत्री ने दिए राष्ट्रीय राजमार्ग के निर्माण को पूर्ण कराने के निर्देश

पन्ना, देशबन्धु। केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने खजुराहो सांसद विष्णुदत्त शर्मा के अनुरोध पर नागौद से पवई राष्ट्रीय राजमार्ग 943 के अपूर्ण मार्ग निर्माण को पूरा कराए जाने के संबंध में आवश्यक कार्यवाही के निर्देश संबंधित विभाग के अधिकारी को दिए हैं। इसके अतिरिक्त सांसद श्री शर्मा के पत्र के आधार पर कालिंजर (उत्तर प्रदेश बॉर्डर) से अजयगढ़-पन्ना-अमानगंज-सिमरिया-हटा-दमोह-जबेरा-जबलपुर मार्ग को राष्ट्रीय राजमार्ग में शामिल कर स्वीकृत करने के संबंध में भी आवश्यक कार्यवाही के लिए निर्देशित किया है।

सोमवती अमावस्या पर मंदिरों में उमड़ा आस्था का सैलाब

पन्ना, देशबन्धु। पुरुषोत्तम मास की पावन सोमवती अमावस्या के अवसर पर मंदिरों की नगरी पन्ना में श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत वातावरण देखने को मिला। सुबह से ही मंदिरों में श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा और भक्तों ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर पुण्य लाभ अर्जित किया।

पन्ना स्थित श्री 108 प्राणनाथ जी मंदिर, श्री जुगल किशोर जी मंदिर, श्री रामचंद्र जी मंदिर, श्री बलदेव जी मंदिर सहित अन्य बड़े एवं छोटे मंदिरों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखी गई। विशेष रूप से महिलाओं ने सोमवती अमावस्या के महत्व को ध्यान में रखते हुए व्रत-उपवास रखकर पूजा-पाठ किया तथा पीपल वृक्ष एवं मंदिरों की परिक्रमा लगाई।

महिलाओं ने श्रद्धा एवं भक्ति भाव के साथ 108 परिक्रमा कर परिवार की सुख-समृद्धि, पति की दीर्घायु एवं संतानों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। मंदिर परिसरों में भजन-कीर्तन, हवन-पूजन एवं धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन भी किया गया, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय बना रहा।

नर्मदा-पार्वती लिंक परियोजना में शेष ग्रामों को परियोजना में शामिल किया जाए

आष्टा, देशबन्धु। क्षेत्र के विकास को लेकर कठिन परिश्रम कर विधानसभा क्षेत्र को अधिक से अधिक विकास योजनाओं का लाभ दिलाने में दिन रात जुटे विधायक गोपालसिंह इंजीनियर ने अपने अभी तक के कार्यकाल में करोड़ो के विकास कार्यो की जो सौगातें दी वे आज धरातल पर दिख रही है । ग्रामीण क्षेत्र के दौरे के दौरान क्षेत्र के करीब 26 ग्राम जो नर्मदा-पार्वती लिंक परियोजना से छूटे है, उन ग्रामो के ग्रामीणों की मांग पर विधायक ने मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव से भेंट कर नर्मदा-पार्वती लिंक परियोजना में आष्टा विधानसभा क्षेत्र के छुटे 26 ग्रामो को जोड़ने की मांग को लेकर विस्तार से जानकारी दी एवं विधायक इंजीनियर ने मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव से मांग की, कि उक्त योजना में इन ग्रामो को जोड़ा जाये । विधायक ने मुख्यमंत्री जी को सौपे मांग पत्र में जानकारी दी कि विधानसभा क्षेत्र के ग्राम उमरदड, टीपुपुरा, झॉझनपुरा, सामरीबोंदा, निमवरा, कातला, धुॅराडाकला, धुॅराडाखुर्द, धीगांखेडी, गुराडियावर्मा, बरछापुरा, ग्वाला, बीलपान, खटसुरा, कबीरखेडी, निजामडी, गुराडियामन्डा, मोहम्मदपुर, अंबिका नगर जावर, मालीपुरा, खजूरिया, अरोलिया, बाजखेडी , कालापीपल, हरनावदा, मुरावर नर्मदा-पार्वती लिंक परियोजना से छूटे है, इन ग्रामो का इस योजना से जुड़ना अति आवश्यक है, ताकि इन 26 ग्रामो के अन्नदाता किसान भाईयों को सिंचाई की एक बड़ी सुविधा मिल सके और ये पूरा क्षेत्र भी हराभरा हो सके । मुख्यमंत्री ने पूरी मांग को विस्तार से सुन कर आवश्यक कार्यवाही का आश्वासन दिया है ।

अज्ञात चोरों का धावा, लाखों के सोने-चांदी के जेवर लेकर फरार

लगातार हो रही बड़ी चोरियों से ग्रामीणों में दहशत

पन्ना, देशबन्धु। जिले के अमानगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम जैतूपुरा में शनिवार-रविवार की दरमियानी रात अज्ञात चोरों ने एक घर को निशाना बनाते हुए लाखों रुपये के सोने-चांदी के आभूषण चोरी कर लिए। घटना के समय पूरा परिवार गहरी नींद में सोता रहा और चोर वारदात को अंजाम देकर आराम से फरार हो गए।

जानकारी के अनुसार ग्राम जैतूपुरा निवासी बाबूलाल गर्ग (78 वर्ष) ने थाना अमानगंज में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि 13 जून की रात परिवार के सदस्य भोजन करने के बाद अपने-अपने स्थान पर सो गए थे। रात करीब 3 बजे उनकी पत्नी कमला बाई की नींद खुली तो घर के कई दरवाजे खुले मिले। संदेह

होने पर उन्होंने परिवार के अन्य सदस्यों को जगाया। जांच करने पर पता चला कि अटारी में बने कमरों के ताले टूटे हुए हैं और अलमारियों का सामान बिखरा पड़ा है।

परिजनों ने देखा कि छोटी बहू प्रतिमा गर्ग की अलमारी से चांदी की करधनी, पायल, बिछिया, चांदी की चेन तथा सोने की अंगूठियां, लॉकेट, झुमकी, मंगलसूत्र सहित अन्य आभूषण गायब थे। वहीं दूसरी बहू सुलभा गर्ग की जेवरात रखी पेटी भी घर से गायब मिली। बाद में दोनों पेटियां घर से कुछ दूरी पर खेत में खुली अवस्था में पड़ी मिलीं।फरियादी ने पुलिस को बताया कि चोरी गए आभूषणों का वजन और सटीक कीमत बाद में उपलब्ध कराई जाएगी। हालांकि प्रारंभिक अनुमान के अनुसार चोर करीब 8 से 10 लाख रुपये मूल्य के सोने-चांदी के जेवरात लेकर फरार हुए हैं।

अमानगंज पुलिस ने फरियादी की शिकायत पर धारा 331(4) एवं 305(ए) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

बढ़ती चोरियों से लोगों में चिंता : क्षेत्र में पिछले कुछ समय से लगातार बड़ी चोरी की घटनाएं सामने आ रही हैं। कई मामलों में अपराध दर्ज तो हुए हैं, लेकिन अधिकांश घटनाओं का अब तक खुलासा नहीं हो सका है। ताजा वारदात के बाद ग्रामीणों में भय और आक्रोश का माहौल है तथा पुलिस से शीघ्र खुलासे की मांग की जा रही है।

डाइट के छात्राध्यापक चलाएंगे शिक्षा सेतु कार्यक्रम

दमोह/हटा देशबन्धु। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान 2026-27 में अपने यहां अध्यनरत छात्राध्यापकों के सहयोग से शिक्षा सेतु कार्यक्रम चलाएगा। जिसके अंतर्गत संस्थान में अध्यनरत 200 छात्राध्यापक अपने-अपने गांव में ऐसे विद्यार्थी जो शाला से बाहर हैं एवं जो विद्यालय अनियमित रूप से उपस्थित होते है, उनका सर्वे कार्य करेगे उनका चिन्हांकन करने के बाद संबंधित विद्यार्थियों के अभिभावकों से मिलकर उन बच्चों का विद्यालय में प्रवेश सुनिश्चित करेगे साथ ही साथ प्रत्येक शनिवार को जब संस्थान में अवकाश रहता है सभी छात्राध्यापक अपने द्वारा प्रवेश करवाए किए गए छात्रों को आवश्यक शैक्षिक सहयोग भी प्रदान करेंगे।

प्राचार्य डाइट आरपी विश्वकर्मा ने बताया कि विद्यालयों में भ्रमण के दौरान देखा गया कि अनेक विद्यार्थी अनियमित रहते है एवं कुछ विद्यार्थी शाला से बाहर भी रहते है ऐसे विद्यार्थियों को विद्यालय की मुख्यधारा से जोड़ने का कार्य इस

अभियान के द्वारा करने का प्रयास किया जाएगा।

वरिष्ठ व्याख्याता अरुण पटेल ने बताया कि न केवल छात्राध्यापक बल्कि डाइट फैकल्टी भी शाला अवलोकन के दौरान अनियमित छात्रों के अभिभावकों से संपर्क करेगा।

प्रशिक्षण प्रभारी विजय बहादुर सिंह एवं सहायक प्रशिक्षण प्रभारी उमा सोनकिया ने कहा कि छात्राध्यापकों के सहयोग से विद्यार्थियों उपस्थिति शत प्रतिशत करने का प्रयास किया जाएगा।

कार्यक्रम प्रभारी माधव पटेल ने कहा कि शिक्षा सेतु के माध्यम से छात्राध्यापक जहां एक ओर शिक्षकीय दायित्व समझेंगे दूसरी ओर विद्यालय की ड्रॉपआउट दर शून्य होगी।

सांसद शर्मा लाभार्थियों से करेंगे संपर्क

पन्ना, देशबन्धु। खजुराहो सांसद विष्णुदत्त शर्मा 16 जून को पन्ना जिले के प्रवास के दौरान विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होंगे। इस अवसर पर सांसद श्री शर्मा द्वारा मंगलवार की सुबह 10:40 बजे ग्राम पंचायत शाहनगर में प्रधानमंत्री आवास, आयुष्मान भारत, उज्ज्वला योजना एवं पीएम सूर्यघर योजना इत्यादि के लाभार्थियों से भेंट की जाएगी। इसके अतिरिक्त शाहनगर के अनुसूचित जाति उत्कृष्ट बालक छात्रावास, ग्राम पंचायत बिसानी एवं ग्राम सारंगपुर में भी विभिन्न कार्यक्रमों में सहभागिता कर तेंदूघाट बहुउद्देशीय सिंचाई योजना सारंगपुर तथा वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट का अवलोकन भी किया जाएगा। सांसद श्री शर्मा श्यामगिरी में वन विश्राम गृह का लोकार्पण कर सबरीधाम मंदिर में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में भी शामिल होंगे।

17 को मनेगी महाराणा प्रताप जयंती, छात्र होगे सम्मानित

दमोह देशबन्धु। जिला राजपूत क्षत्रिय महासभा द्वारा प्रतिवर्षानुसार महाराणा प्रताप जयंती समारोह दिनांक 17 जून 2026 दिन बुधवार को धूमधाम से बनाई जायेंगी, कार्यकम के अन्तर्गत शाम 05 बजे से शोर्य यात्रा वाहन रैली के रूप में भव्यता के साथ निकाली जायेंगी जो महाराणा प्रताप चौक से वीर शिरोमणी महाराणा प्रताप की प्रतिमा पर माल्यार्पण के उपरांत प्रारंभ होगी एवं किल्लाई नाका, तीन गुल्ली, स्टेशन चौराहा, राय चौराहा, से घंटाघर होते हुये अस्पताल चौराहा से सीधे जबलपुर नाका महाराणा प्रताप चौप पर समाप्त होगी, तदुपरांत मंचीय कार्यकम होगे, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में यादवेन्द्र सिंह विधायक टीकमगढ़ (चार बार के विधायक एवं पूर्व केबिनेट मंत्री) होगे, राजपूत क्षत्रिय महासभा के द्वारा मेधावी छात्र-छात्राओं एवं समाज के उत्कृष्ठ कार्य करने वाले व्यक्तियों का सम्मानित किया जायेंगा, पुरस्कार वितरण महासभा के जिला अध्यक्ष राकेश सिंह हजारी की पूज्य माता स्व. श्याम बाई एवं पिता स्व. हरि सिंह हजारी की स्मृति में किया जाता है, कार्यकम में समाज के छात्र-छात्राओं एवं मातृशक्ति बडी शक्ति में उपस्थित रहेगी।

एक लाख भक्तों ने किए जागेश्वर नाथ महादेव के दर्शन

दमोह देशबन्धु। दमोह जिले के प्रसिद्ध तीर्थ स्थल देवश्री जागेश्वर धाम बांदकपुर में पुरुषोत्तम माह की सोमवती अमावस्या के अवसर पर आस्था का विशाल सागर उमड़ पड़ा। सुबह 4 बजे मंदिर के कपाट खुलने से लेकर देर शाम तक श्रद्धालुओं का लगातार आगमन बना रहा और करीब एक लाख भक्तों ने भगवान जागेश्वर नाथ महादेव के दर्शन किए।

भीड़ को नियंत्रित करने और सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए गर्भगृह में प्रवेश पूरी तरह निषिद्ध रखा गया। श्रद्धालुओं के लिए पनारिया के माध्यम से बाहर से ही स्वयंभू शिवलिंग पर जल अर्पण की विशेष व्यवस्था की गई, जिससे दर्शन-पूजन सुचारू रूप से चलता रहा।

मंदिर के पट खुलते ही श्रद्धालुओं की लंबी कतारें मंदिर परिसर से बाहर तक लग गईं, जो बिना रुके शाम तक जारी रहीं।

दोपहर तक ही करीब 50 से 60 हजार श्रद्धालु दर्शन कर चुके थे, जबकि शाम तक यह संख्या एक लाख के पार पहुंच गई।

कड़ी सुरक्षा व्यवस्था

पूरे मंदिर परिसर में 50 से अधिक सीसीटीवी कैमरों से निगरानी की गई। वहीं पांच थाना क्षेत्रों का पुलिस बल तैनात रहा, जिससे व्यवस्था पूरी तरह नियंत्रण में रही और श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ा।

धार्मिक आस्था का विशेष महत्व

पुरुषोत्तम माह में आने वाली सोमवती अमावस्या का विशेष धार्मिक महत्व है। इस अवसर पर महिलाओं ने वट वृक्ष के नीचे पूजा-अर्चना कर पति की लंबी उम्र की कामना की और इसके बाद जागेश्वर धाम पहुंचकर भगवान शिव के दर्शन किए।

व्यवस्थाएं रहीं चाक-चौबंद

मंदिर ट्रस्ट प्रबंधक श्री रामकृपाल पाठक ने बताया मंदिर प्रबंधन द्वारा पेयजल, विश्राम स्थल और आवागमन की सुगम व्यवस्था सुनिश्चित की गई। दर्शन के लिए रेलिंग व्यवस्था लागू रही, जिससे भीड़ नियंत्रण में रही। केवल आधे घंटे के लिए भोग अर्पण के दौरान मंदिर के पट बंद किए गए, शेष समय चारों पहर दर्शन जारी रहे।

प्रशासन रहा मुस्तैद

सुरक्षा व्यवस्था में एसडीओपी प्रिया सिंधी, थाना प्रभारी धर्मेंद्र उपाध्याय, चौकी प्रभारी राजेंद्र मिश्रा सहित पुलिस बल की विशेष तैनाती रही। संध्या आरती के दौरान भगवान जागेश्वर नाथ महादेव का सवा क्विंटल फूलों से भव्य श्रृंगार किया गया, जो श्रद्धालुओं के लिए आकर्षण का केंद्र बना। यह फूल श्रृंगार भक्तों के सहयोग से तैयार किया गया था। देव श्री जागेश्वर धाम में उमड़ी आस्था की यह भीड़ एक बार फिर श्रद्धा, विश्वास और भक्ति की अद्भुत तस्वीर पेश कर गई।

जेल में प्रदेशव्यापी साप्ताहिक योग शिविर का हुआ आयोजन

दमोह देशबन्धु। मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार प्रदेश की समस्त जेलों में आयोजित किये जा रहे प्रदेशव्यापी साप्ताहिक योग शिविर अभियान के अंतर्गत जिला जेल दमोह में योग शिविर का शुभारंभ किया गया। यह अभियान 15 जून 2026 से 21 जून 2026 तक अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में सप्ताह भर संचालित किया जाएगा।

कार्यक्रम का शुभारंभ केन्द्रीय जेल जबलपुर से कार्यवाहक मुख्य न्यायाधिपति मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय एवं मुख्य संरक्षक, मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के विवेक रूसिया ने व्ही.सी. के माध्यम से किया गया, उक्त अवसर पर केन्द्रीय जेल जबलपुर में रजिस्ट्रार जनरल धरमिंदर सिंह उच्च न्यायालय

जबलपुर, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश जबलपुर कृष्णमूर्ति मिश्रा, सदस्य सचिव सुमन श्रीवास्तव राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर उपस्थित रहे।

जिला जेल दमोह में उक्त योग शिविर में प्रधान जिला न्यायाधीश सुभाष सोलंकी, जिला विधिक सहायता अधिकारी रजनीश चौरसिया, जिला जेल अधीक्षक एम.एल. पटैल, सहायक अधीक्षक रोहित सिंह सहित जेल स्टाफतथा बंदीगण ने शिविर में सहभागिता की। बंदियों को योग प्रशिक्षक के द्वारा ताड़ासन, वृक्षासन, भुजंगासन, वज्रासन अनुलोम-विलोम, कपालभाति, भ्रामरी, मंडूकासन सहित अन्य प्राणायाम का ऑनलाईन माध्यम से प्रशिक्षण दिया जाकर उससे होने वाले स्वास्थ्य लाभों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दमोह सुभाष सोलंकी बंदियों को योग के प्रति जागरूक करते हुये कहा इस योग शिविर का उद्देश्य बंदियों के शारीरिक, मानसिक एवं भावनात्मक स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाना तथा उन्हें स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवनशैली के प्रति प्रेरित करना है। योग केवल शारीरिक व्यायाम नही है बल्कि जीवन को संतुलित, स्वस्थ एवं सकारात्मक दिशा प्रदान करने वाली प्राचीन भारतीय विद्या है। योग व्यक्ति के तन, मन और आत्मा के मध्य सामंजस्य स्थापित करता है तथा तनाव, चिंता और नकारात्मक विचारों को दूर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। साथ ही आपने सभी बंदियों एवं अधिकारियों से प्रतिदिन योग सत्र में सक्रिय सहभागिता करने का आवाहन करते हुए कहा कि यह अभियान 15 जून से 21 जून 2026 तक प्रतिदिन आयोजित किया जावेगा जिसका लाभ प्रत्येक बंदी को प्राप्त करना चाहिये। कार्यक्रम हेतु योग शिविर में सहभागी बंदियों को न्याय सबके लिये लोगोयुक्त टी-शर्ट वितरित की गई।

पौधरोपण कर मनाया 83 वां दिवस, मां की याद में लगाए पौधे

सीहोर, देशबन्धु। आज सीवन उद्धार का 83 वां दिवस के रूप में सीवन पुत्र जितेंद्र आर्य के जन्मदिन के अवसर पर उनकी दिवंगत मां की याद में पौधे जो की तिलक पर एक्सीलेंस स्कूल के सामने रोपें गए,ज्ञात हो कि सीवन पुत्र सीवन उद्धार के तहत ही पौधारोपण का कार्यक्रम चल रही है विगत कई दिनों से वह ड्रॉप का कार्यक्रम लगातार चल रहा है और आज इसी कड़ी में फिर से पौधे रुपए गए।

सीवन पुत्र प्रदीप चावड़ा ने बताया कि जन्मदिन, विवाह वर्षगांठ, पुण्यतिथि आदि विशेष अवसर पर लोगों से पौधे लगवाए जाते हैं ताकि यह खास अवसर किस सार्थकता सिद्ध हो।

इस अवसर पर ट्रस्ट विद्यालय के प्राचार्य श्री संतोष सोनी भी विशेष रूप से उपस्थित रहे उन्होंने सीवन पुत्र टीम की के कार्यों की ह्दय से प्रशंसा की है एवं उनके कार्यों में सहभागी बने का भी उन्होंने वादा किया है।

इस अवसर पर सीवन पुत्र अशोक नामदेव, कनीराम मालवीय विभव राठौर, सुरेश भगत,जितेंद्र आर्य, संतोष सोनी, प्रदीप चावड़ा, मुकेश राय,जगदीश वर्मा,कैलाश चव्हाण भोला ठाकुर, चंद्रशेखर राजपूत आदि उपस्थित रहे।

अहिरवार समाज ने अवैध शराब बन्द करने पुलिस अधीक्षक को सौंपा ज्ञापन

दमोह देशबन्धु। बड़ापुरा क्षेत्र के वार्डवासियों ने विभिन्न मांगो को लेकर जिला पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर नारेबाजी करते हुए ज्ञापन सौंपा। मोहनीश राव ने बताया कि बडापुरा क्षेत्र में लगभग 10-12 वर्ष से अवैध शराब की बिकी हो रही है जिस कारण स्थानीय लोगो तथा अन्य मोहल्लों से आने वाले शराबियों के कारण बडापुरा क्षेत्र में शराब पीकर गंदी-गंदी गलियां दी जाती है तथा क्षेत्र में शराब पीकर असामाजिक तत्वों द्वारा उत्पात मचाया जाता है जिसे मना करने पर असामाजिक तत्यो द्वारा मारपीट की जाती है जिससे वार्ड का माहौल खराब रहता है उक्त घटनाओं तथा अवैध शराब की क्षेत्र के लोगो द्वारा कई बार शिकायत भी की गई परन्तु प्रशासन द्वारा इस बार कोई रोक नहीं लगाई गई जबकि बार्ड मे लगभग बडापुरा में पाँच जगह अवैध शराब बिकी की जाती है लेकिन अभी तक कोई कारवाही नहीं की गई। जुगेन्द्र चौधरी ने बताया कि बड़ापुरा क्षेत्र में एक वर्ष में लगातार चाकूबाजी के कारण लगभग तीन हत्यायें हो चुकी है तथा 4-5 हाफ मर्डर हो चुके है जिस कारण उक्त क्षेत्र को इन सब घटनाओं के बाद अति संवेदनशील क्षेत्र घोषित कर दिया गया है इसके बाद भी चाकूबाजी तथा असामाजिक तत्वो द्वारा लडाई झगडो की घटनाएं निरन्तर हो रही है न तो इसके बाद भी शासन प्रशासन द्वारा इन घटनाओं पर न रोक लगाई जा रही है न ही इन घटनाओं पर किसी प्रकार की कार्यवाही नही की जा रही है जिससे उक्त क्षेत्र

के लोगो में डर व भय व्याप्त है तथा लगभग एक सप्ताह पूर्व ही एक हत्या हुई है परन्तु शासन प्रशासन अभी भी मौन है। नवीन बौद्व ने बताया कि बड़ापुरा क्षेत्र में कई जगहों पर बहुत बडे स्तर पर जुआ खिलवाया जा रहा है जिस कारण अपराधो मे बढोत्तरी लगातार जारी है जिसकी शिकायत आम क्षेत्र वासियों द्वारा कई बार की जा चुकी है परन्तु आज दिनाँक तक कोई भी कारवाही नहीं की गई है जिससे क्षेत्र वासियों में रोष व्यक्त है। बिन्दु पटोरिया ने बताया कि बड़ापुरा क्षेत्र में लगातार अवैध बिकी बढते अपराध, चाकूबाजी की घटनाएँ इत्यादि काफी बडे स्तर पर है इस कारण उक्त क्षेत्र में सी.सी.टी.व्ही. कैमरो की संख्या में वृध्दि की जाये बडापुरा चौराहा पर लगे कैमरे को चालू किया जाये जिससे उक्त घटनाओं पर रोक लग सके तथा असामाजिक तत्वो का आना जाना तथा उनकी द्वारा की जाने वाली उक्त घटनाओ का खत्मा हो सके सी.सी.टी.व्ही कैमरो की आवश्यकता बडापुरा चौराहा से धरमपुरा चौराहा तक बडापुरा चौराहा से सीताबावली तक, बडापुरा चौराहा से आशाराम चौराहा तक, बडापुरा चौराहा से बिलवारी मोहल्ला तक क्योंकि इन क्षेत्रो में सबसे ज्यादा अपराध तथा चाकूबाजी की घटनाएँ होती है जिन पर सी.सी.टी.व्ही कैमरो से नियंत्रण तथा निगरानी की जा सके। बिजेन्द्र अहिरवार ने बताया कि पीडीत महिला गरीब है पर उससे पास न राशन कार्ड,न सबल कार्ड, न ही मजदूरी कार्ड है जिसको, देखते हुए पीडीत महिला को लाभ पहुंचाने के लिए कलेक्टर द्वारा कलेक्टर राशि की मांग करते हैं। ज्ञापन सौंपते हुए मांग कि है कि उक्त घटनाओं पर रोक लगायी जायें तथा कड़ी से कडी कार्यवाही की जावें यदि सात दिवस के अन्दर इन घटनाओं पर रोक नहीं लगाई जाती तो वार्ड वासियों द्वारा चक्काजाम किया जायेगा जिसकी जिम्मेदारी शासन प्रशासन की रहेगी। ज्ञापन सौंपते वक्त नीलेश आदर्श, सुनील, जितेन्द्र, महेन्द्र, दुर्गेश, लखन, शब्बूल मिस्त्री, धर्मेन्द्र, माधव, लालचन्द, कपिल, परसु, राजकुमार, अजय, करन, अमरराज, जगदीश, प्रवीण सहित बडी संख्या में वार्डवासियों की उपस्थिति रहीं।

कायस्थ समाज ने 94 प्रतिभावान विद्यार्थियों का किया सम्मान

पन्ना, देशबन्धु। कायस्थ समाज पन्ना द्वारा प्रतिवर्ष आयोजित होने वाला प्रतिभा सम्मान समारोह इस वर्ष भी उत्साह एवं गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में नर्सरी से कक्षा 12वीं तक के प्रतिभावान विद्यार्थियों का सम्मान किया गया। कक्षाओं में प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को शील्ड एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया, वहीं अन्य बच्चों को भी प्रोत्साहन स्वरूप शील्ड और प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। कुल 94 विद्यार्थियों का सम्मान एवं उत्साहवर्धन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ कायस्थ समाज के पूर्व संरक्षक पी.एन. खरे, पूर्व अध्यक्ष महेश खरे, किशोरी श्रीवास्तव, अशोक सक्सेना तथा वर्तमान अध्यक्ष बिंदु खरे द्वारा मां सरस्वती एवं भगवान चित्रगुप्त के चित्र पर माल्यार्पण एवं पूजन-अर्चन के साथ किया गया।

इस अवसर पर कु. सीमांसी खरे ने मां सरस्वती एवं भगवान

चित्रगुप्त की वंदना प्रस्तुत की, जबकि कु. आद्या, कु. शानवी एवं कु. परिघी खरे ने आकर्षक गणेश वंदना नृत्य की प्रस्तुति देकर सभी का मन मोह लिया।

समारोह में पिछले लगभग 10 वर्षों से प्रतिभा सम्मान कार्यक्रम में सहयोग देने वाले समाजसेवियों श्री मनीष-मेघना खरे, श्री संजय-कविता खरे, श्री अनंत मोहन-इला खरे तथा श्री धीरज-राशि खरे का अध्यक्ष बिंदु खरे एवं श्रीमती शशि खरे द्वारा शाल ओढ़ाकर सम्मान किया गया।

अपने संबोधन में अध्यक्ष बिंदु खरे ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए समाज के विकास एवं× शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने समाज के विभिन्न कार्यक्रमों और उनकी उपलब्धियों की जानकारी भी साझा की।कार्यक्रम का सफल संचालन कायस्थ समाज के उपाध्यक्ष एवं सेवानिवृत्त शिक्षक रामेश्वर प्रसाद खरे ने किया। कार्यक्रम की सफलता में आलोक खरे, प्रशांत खरे, तरुण खरे, अशोक श्रीवास्तव, अधीर खरे, दिनेश खरे, गोपाल खरे, पंकज बक्शी, अंचल खरे एवं लक्ष्मीकांत श्रीवास्तव का विशेष योगदान रहा

अंत में पूर्व सचिव प्रेम प्रकाश खरे ने सभी अतिथियों, अभिभावकों एवं समाजजनों का आभार व्यक्त किया।

सार-समाचार

संभाग की बालिकाओं का शैक्षणिक भ्रमण दल रवाना

विधायक ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

सागर, देशबन्धु। खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा संचालित मां तुझे प्रणाम योजना के अंतर्गत सागर संभाग की 50 बालिकाओं एवं अधिकारियों का दल सोमवार को खेल परिसर से जबलपुर के भेड़ाघाट एवं पेच नेशनल पार्क भ्रमण हेतु रवाना हुआ। दल को विधायक प्रदीप लारिया ने हरी झंडी दिखाकर शुभकामनाओं सहित रवाना किया। इस अवसर पर विधायक लारिया ने कहा कि मां तुझे प्रणाम योजना केवल एक भ्रमण कार्यक्रम नहीं, बल्कि युवा पीढ़ी में राष्ट्रभक्ति, अनुशासन, साहस, नेतृत्व क्षमता एवं प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता विकसित करने का सशक्त माध्यम है। ऐसी योजनायें विद्यार्थियों को अपने प्रदेश की सांस्कृतिक, ऐतिहासिक एवं प्राकृतिक धरोहरों से परिचित कराते हुये उनमें आत्मविश्वास, सामाजिक चेतना और राष्ट्र के प्रति समर्पण की भावना का विकास करती हैं। विधायक ने बालिकाओं से भ्रमण के दौरान प्राप्त अनुभवों को अपने जीवन में आत्मसात करने का आह्वान करते हुये कहा कि यात्रा केवल नये स्थानों को देखने का अवसर नहीं होती, बल्कि सीखने, समझने और स्वयं को बेहतर बनाने का भी माध्यम होती है। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को सुरक्षित एवं सफल यात्रा के लिये शुभकामनायें दी। इस अवसर पर प्रदीप अभिद्रा, खेल एवं युवा कल्याण विभाग के अधिकारी कर्मचारी, वीनू राणा, मंगल यादव, प्रेम नीति, खेल प्रशिक्षक एवं खिलाड़ी उपस्थित रहे।

विद्युत विभाग के पेंशनरो की बीमा संबंधी शंकाओ का हुआ समाधान

सागर, देशबन्धु। मप्र विद्युत मंडल पेशनर एसोसिएशन की मासिक बैठक एमपीईबी परिसर मकरोनिया स्थित अधीक्षण अभियंता सभागार में संपन्न हुई जिसमें मेड सेव कंपनी के वाईस प्रेसिडेंट विनय रिछारिया ने प्रोजेक्टर के माध्यम से कैश लेस स्वास्थ्य बीमा योजना से जुडी समस्याओं से संबंधित शंकाओ का समाधान किया। उन्होंने बताया कैशलेस हेल्थ स्कीम में रीइंबर्स प्रतिपूर्ति को एलाऊ नही किया गया है डॉक्टर की कन्सल्टेंस फीस 350 रुपये निर्धारित है कैशलेस सुविधा सिर्फ अनुबंधित अस्पतालो में मान्य है। अस्पताल में भर्ती उपचाररत बीमित व्यक्ति कें संबंध में 24 घंटे के अंदर सूचना भोपाल, जबलपुर अथवा इंदौर स्थित कार्यालय में निर्धारित चार बिन्दुओं पर आधारित प्रोफार्मा में भरकर नाम, रजिस्ट्रेशन, अस्पताल, जन्म इत्यादि संबंधित जानकारी देना होती है बीमा क्लेम मे सभी दस्तावेज ओरिजनल मान्य होते है। बीमा संबंधी शंकाओं के संबंध में प्रश्न पूछे जिनका मौके पर समाधान किया गया। बैठक में मुख्य अभियंता कार्यालय में पदस्थ अधीक्षण अभियंता सुभाष नागेश्वर, पूर्व एसई वायके सिघई, केसी जैन, पूर्व ईई आरके भारिल्ल, रामलखन श्रीवास्तव, जेपी शर्मा, आरआर पाराशर, महाराज सिंह राजपूत, आरएस खरे, लवलीना शालिनी, पीआरओ केएल साहू सहित बडी संख्या में सेवानिवृत्त अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

भूसे के गोदाम में भीषण आग, हजारों क्विंटल भूसा जलकर राख

खुरई, देशबन्धु। खिमलासा रोड स्थित तलापार तिराहा के पास सोमवार को एक भूसे के गोदाम में भीषण आग लग गई। आग में हजारों क्विंटल भूसा जलकर राख हो गया। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची और कई घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। गोदाम मालिक खुरई निवासी डब्बू अग्रवाल ने बताया कि उन्होंने गोदाम से धुआं निकलता देखा। मौके पर पहुंचने तक आग तेजी से फैल चुकी थी और देखते ही देखते पूरे गोदाम को अपनी चपेट में ले लिया। डब्बू अग्रवाल के मुताबिक आग में उनका सीजन का पूरा भूसे का स्टॉक जल गया। इस अग्निकांड से उन्हें 25 लाख रुपये से अधिक का नुकसान हुआ है। घटना की सूचना मिलने पर नगर पालिका और प्रशासन के अधिकारी भी मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने नुकसान का जायजा लिया और आग बुझाने के कार्य की निगरानी की। प्रथम दृष्टया आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट मानी जा रही है। हालांकि वास्तविक कारण जांच के बाद ही स्पष्ट होगा। गोदाम मालिक ने मामले की शिकायत खिमलासा थाने में दर्ज कराई है।

डिवाइडर से टकराकर पलटा पिकअप वाहन, पति-पत्नी की मौत

10 लोग घायल, नर्मदा स्नान कर बरमान से लौट रहे थे श्रद्धालु

सागर, देशबन्धु। नेशनल हाईवे 44 पर सोमवार को गौरझामर के पास केसली तिगड्डा ओवरब्रिज पर श्रद्धालुओं से भरी एक पिकअप वाहन अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकराने के बाद पलट गई। हादसे में पति-पत्नी की मौत हो गई, जबकि 10 लोग घायल हो गये। घायलों को उपचार के लिये देवरी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। कुछ गंभीर घायलों को जिला अस्पताल रेफर किया गया है। हादसे की सूचना मिलते ही गौरझामर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। जानकारी के अनुसार ग्राम सेमरा अटा निवासी 13 लोग सोमवती अमावस्या के अवसर पर नर्मदा स्नान के लिये बरमान गये थे। सभी श्रद्धालु पिकअप वाहन क्र. एमपी 15 जेडएल 5025 से वापस अपने गांव लौट रहे थे। दोपहर के समय गौरझामर के पास केसली तिगड्डा ओवरब्रिज पर वाहन अचानक अनियंत्रित हो गया और डिवाइडर से टकराकर पलट गया। हादसे के बाद मौके पर चीख पुकार मच गई। दुर्घटना में गंभीर चोट लगने से हल्लू उर्फ कीरत 55 और उनकी पत्नी कल्लो बाई 50 निवासी सेमरा अटा की मौत हो गई। वही चालक मोनू पिता जीवन सिंह लोधी 33, पप्पू सौर 40, अंगूरी बाई 42, रामा बाई 60, सुशीला बाई 60, राघवेंद्र 27, सखी लोधी 50, वैशाली 17 और मुस्कान 14 सहित अन्य श्रद्धालु घायल हो गये। स्थानीय लोगों ने तत्काल राहत कार्य शुरू करते हुये घायलों को वाहन से बाहर निकाला। बाद में एंबुलेंस की मदद से सभी को देवरी अस्पताल पहुंचाया गया। हादसे में पिकअप में सवार 8 वर्षीय शिवानी पूरी तरह सुरक्षित बच गई। उसे मामूली खरोंच तक नही आई। प्रत्यक्षदर्शी शिवानी ने बताया कि वाहन चालक को नींद आने लगी थी, जिसके कारण पिकअप पुलिया के डिवाइडर से टकराकर पलट गई। घटना की जानकारी मिलते ही तहसीलदार प्रीति रानी चौरसिया, नायब तहसीलदार आर. चौधरी और थाना प्रभारी हरिराम मानकर पुलिस बल के साथ अस्पताल पहुंचे। अधिकारियों ने घायलों के उपचार की व्यवस्था कराई। पुलिस ने दोनों शवों का पंचनामा तैयार कर पोस्टमॉर्टम के लिये भेज दिया है। वहीं दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है। गौरझामर थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। प्रारंभिक तौर पर चालक को झपकी आने की आशंका जताई जा रही है, हालांकि दुर्घटना के वास्तविक कारणों की जांच जारी है।

सूने घर, किराने की दुकान से लाखों की चोरी, तार फेंसिंग तक उखाड़ ले गए चोर

खुरई, देशबन्धु। देहात थाना क्षेत्र के नरोदा गांव में चोरों ने एक ही रात में जमकर कोहराम मचाया। शातिर चोरों ने पुलिस गश्त की पोल खोलते हुये एक सूने घर और किराने की दुकान के ताले चटकाये और लाखों रुपये के जेवर और नकदी समेट ले गये। इसके बाद बदमाशों ने खेतों को भी नहीं छोड़ा और वहां से लोहे की कीमती तार फेंसिंग तक उखाड़ ले गये। इस सिलसिलेवार चोरी से पूरे गांव में हड़कंप मच गया है और लोग दहशत में हैं। यह पूरी वारदात नरोदा गांव के रहने वाले बादल सिंह ठाकुर के यहां हुई। बादल सिंह के घर के बाहर ही उनकी किराने की दुकान है। चोरों ने सबसे पहले दुकान का ताला तोड़ा। वहां से चोरों ने गल्ले में रखे करीब 5 से 6 हजार रुपये कैश, सिगरेट के पैकेट और कोल्डड्रिंक की बोतलें बटोर ली। दुकान साफ करने के बाद चोरों ने बगल में बने सूने घर को निशाना बनाया। घर का ताला तोड़कर चोर अंदर दाखिल हुये और पूरी अलमारी खंगाल डाली। पीड़ित परिवार के मुताबिक चोरों ने घर के अंदर रखे 63 हजार रुपये नकद, एक सोने का मंगलसूत्र, कान के झुमके, पायल और करीब आधा किलो चांदी के जेवरात चुरा लिये। इसी रात चोरों ने गांव के ही कम्मोद पटेल के घर के मुख्य दरवाजे की कुंडी भी काटी। लेकिन तभी घर के लोगों की नींद खुल गई और आहट पाकर चोर वहां से दुम दबाकर भाग निकले। इसके बाद चोरों ने गांव के तीन-चार किसानों के खेतों का रुख किया और वहां लगी महंगी तार फेंसिंग उखाड़कर अपने साथ ले गये। नरोदा गांव में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर ग्रामीणों में भारी नाराजगी है। पिछले कुछ समय में इस गांव के भीतर चोरी की यह चौथी बड़ी वारदात है। इससे पहले चोरों ने दो बार गांव के मंदिरों में चोरियां की थीं, वही एक बार ग्रामीण मंडल अध्यक्ष के घर को भी निशाना बनाया था। लगातार हो रही चोरियों से ग्रामीण खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। घटना की खबर मिलते ही खुरई देहात थाना पुलिस मौके पर पहुंची और छानबीन शुरू की। थाना प्रभारी संतोष सिंह ठाकुर ने बताया कि चोरी की शिकायत मिलने के बाद पुलिस टीम को तुरंत मौके पर भेजा गया था। अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है और पुलिस की एक टीम संदेहियों से पूछताछ कर चोरों की तलाश में जुट गई है।

नगर निगम कर्मचारी संघ की बैठक आज

सागर, देशबन्धु। नगर निगम कर्मचारियों की विभिन्न समस्याओं एवं लंबित मांगों के संबंध में नगर निगम कर्मचारी संघ की बैठक आज मंगलवार को दोपहर 2 बजे से नगर निगम के पुराने सभाकक्ष में आयोजित की जाएगी। नगर निगम, नगर पालिका कर्मचारी संघ के प्रांतीय सचिव एवं सागर संभाग प्रभारी राजेश सिंह राजपूत तथा कर्मचारी कल्याण मोर्चा के अध्यक्ष हरेंद्र खटीक ने बताया कि बैठक में कर्मचारियों के वेतन संबंधी मुद्दों, राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली एनपीएस की लंबित राशि जमा कराने, पदोन्नति, एरियर भुगतान सहित कर्मचारियों की अन्य लंबित मांगों पर विस्तार से चर्चा की जायेगी, साथ ही इन मांगों के शीघ्र निराकरण हेतु आगामी रणनीति भी तय की जायेगी। कर्मचारी नेताओं ने नगर निगम के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से बैठक में अनिवार्य रूप से उपस्थित होकर संगठन को सहयोग प्रदान करने की अपील की है, ताकि कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान के लिये प्रभावी प्रयास किये जा सके।

जरूआखेड़ा और खिमलासा आरओबी का काम समय पर करें पूरा: कलेक्टर

सागर, देशबन्धु। कलेक्टर प्रतिभा पाल ने जरूआखेड़ा और खिमलासा में निर्माणाधीन रेलवे ओवर ब्रिज आरओबी के कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। बैठक में निर्माण एजेंसी और संबंधित कार्यपालन यंत्री उपस्थित रहे। समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने निर्माण कार्य की धीमी गति पर असंतोष व्यक्त किया और निर्माण एजेंसी को सख्त हिदायत दी कि तय समय सीमा के भीतर काम को पूरा किया जाये। यातायात की सुगमता और आम जनता की परेशानी को ध्यान में रखते हुये ब्रिज निर्माण के कारण जहां भी रास्तों को बदला गया है, उन डायवर्जन मार्गों को तत्काल दुरुस्त किया जाये ताकि वाहनों की आवाजाही में कोई बाधा न आये। निर्माण स्थल और उसके आसपास की सड़कों को तुरंत मोटरेबल वाहन चलने योग्य बनाया जाये, जिससे धूल और गड्ढों के कारण राहगीरों को परेशानी न हो। निर्माण एजेंसी को कार्य योजना बनाकर मैन पावर बढ़ाने और कार्य की गति में तेजी लाने को कहा, जिससे परियोजना में अनावश्यक देरी को रोका जा सके। कलेक्टर ने कार्यपालन यंत्रियों को नियमित रूप से साइट का निरीक्षण करने और गुणवत्ता के साथ समय पर काम पूरा कराने की जिम्मेदारी सौंपी है।

विपति को समझे उसे इंसान कहते हैं जो परा, दुख को हर ले उसे भगवान कहते है: पं. चौबे

सागर, देशबन्धु। संजय ड्राइव रोड स्थित श्री सरोवर सरकार हनुमान दरबार में संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा में कृष्ण सुदामा चरित्र को सुनाते हुये कथा का समापन हुआ। व्यास पीठ से बोलते हुये पं. चौबे ने कहा कि मनुष्य तन अनमोल है इसका सदुपयोग परमार्थ एवं भगवान भजन में करना चाहिये गरीब धनवान का भेद नहीं करना चाहिये जीवन में मित्रता सदैव कृष्ण सुदामा जैसी निभाना चाहिये। उन्होंने कहा की जो विपत्ति को समझे उसे इंसान कहते हैं जो परा, दुख को हर ले उसे भगवान कहते हैं। भगवान एवं भजन रूपी नैया से ही इस संसार रूपी भवसागर से मुक्त हो सकते है अत: मनुष्य को जीवन में जो भी कार्य मिला है उसे मन लगाकर मेहनत और निष्ठा के साथ करना चाहिये। अपने संतान को बड़ों का आशीर्वाद चरण स्पर्श करने का गुण विकसित करना चाहिये। माता-पिता एवं गुरु को कभी नही भूलना चाहिये। संतान को संस्कारी एवं शिक्षावान बनाना चाहिये जिससे उनमें क्षमता एवं निर्णय लेने की क्षमता आ सके। उन में क्षमा करने का गुण एवं विवेक लेने की क्षमता आ सके। शिक्षा ज्ञान का प्रकाश जलाती है और अज्ञान के अंधकार को मिटाती है। इस अवसर पर मुख्य यजमान पूर्व उपायुक्त जे सेन एवं उनकी धर्मपत्नी ने श्रीमद् भागवत कथा की विसर्जन आरती उतारी तथा कथा व्यास पं. चौबे का आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में धार्मिक श्रद्धालु जन उपस्थित थे।

घर में घुसकर चोरी करने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर चोरी गया माल बरामद किया

सागर, देशबन्धु। थाना मोतीनगर पुलिस ने घर में चोरी के मामले में वारदात को अंजाम देने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर चोरी गया माल बरामद किया है। फरियादी आदेश कुमार पिता अशोक कुमार जैन 36 वर्ष निवासी वर्धमान कॉलोनी ने थाना मोतीनगर में रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह 13 मई को अपने परिवार सहित घर पर ताला लगाकर नोएडा गये थे। 18 मई को दोपहर लगभग 3 बजे वापस लौटने पर उन्होंने देखा कि मकान का मुख्य ताला टूटा हुआ था तथा ऊपर के कमरे का सामान बिखरा पड़ा था। अलमारी का लॉकर भी टूटा मिला। अज्ञात चोर द्वारा घर में रखे सोने चांदी के आभूषण एवं नगदी सहित लगभग 95 हजार रुपये मूल्य की संपत्ति चोरी कर ली गई थी। रिपोर्ट पर थाना मोतीनगर में अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की गई। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुये वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में थाना मोतीनगर पुलिस द्वारा मुखबिर तंत्र सक्रिय किया तथा तकनीकी एवं भौतिक साक्ष्यों के आधार पर संदेही परमजीत पिता जगजीवन राम यादव 24 वर्ष निवासी वीपीओ नांगल ठाकरन, नॉर्थ.वेस्ट दिल्ली, हाल निवासी वर्धमान कॉलोनी सूबेदार वार्ड मोतीनगर को 14 जून को पुलिस अभिरक्षा में लेकर पूछताछ की गई। पूछताछ के दौरान आरोपी ने चोरी की वारदात करना स्वीकार किया। आरोपी के कब्जे से चोरी गया 8 जोड़ी चांदी की पायल, एक चांदी की बच्चे की करधौनी तथा सोने की 8 गुरिया, कुल लगभग 53 हजार रुपये मूल्य का मशरूका बरामद कर विधिवत जप्त किया। आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया, जहां से जेल वारंट प्राप्त होने पर उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया। उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी निरीक्षक जसवंत राजपूत, गौरव गुप्ता, लोकेश पटेल, शोहेब बेग, दिनेश, अरुण दुबे, सत्येन्द्र एवं अनुराग की भूमिका रही।

तुलसी साहित्य अकादमी ने काव्य गोष्ठी का आयोजन किया

सागर, देशबन्धु। तुलसी साहित्य अकादमी की सागर जिला इकाई की काव्य गोष्ठी सिविल लाइन में आयोजित की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता टीकाराम त्रिपाठी, मुख्य अतिथि अशोक मजाज, विशिष्ट अतिथि डॉ. गजाधर सागर ने की। तुलसी इकाई के सागर अध्यक्ष अरुण दुबे ने सभी का स्वागत कर संस्था की गतिविधियों से अवगत कराया। संरक्षक उमाकांत मिश्र ने संस्था के द्वारा साहित्यिक विविध गतिविधियां चलाने पर जोर दिया। द्वितीय सत्र में विन्द्रावन सरल, अरुण दुबे, मुकेश तिवारी, पूरन सिंह, सतीश पांडे, अशोक तिवारी, प्रदीप पांडे, पीआर मलैया, आरके तिवारी, पेट्रिश फुसकेले, डॉ. नमृता फुसकेले, ज्योति, सुमन झुडेले, पुष्पेंद्र दुबे, देवेंद्र सिंघई, ममता भूरिया, हर्षिता प्रताप सिंह, अभय यादव, गजाधर सागर, अशोक मजाज, टिकराम त्रिपाठी ने काव्य पाठ किया। संचालन पुष्पेंद्र दुबे ने एवं आभार पूरन सिंह राजपूत संस्था उपाध्यक्ष ने किया।

बरसते पानी में युवा कांग्रेस का प्रदर्शन, मुख्य चुनाव आयुक्त का पुतला फूंका

सागर, देशबन्धु। मप्र राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस की अधिकृत प्रत्याशी मीनाक्षी नटराजन का नामांकन रद्द किये जाने तथा दिल्ली में कांग्रेस कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी के विरोध में युवा कांग्रेस ने नरयावली विधानसभा क्षेत्र में प्रदर्शन किया। मकरोनिया चौराहे पर बरसते पानी के बीच भारी पुलिस बल और वॉटर कैनन की मौजूदगी में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन करते हुये मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का पुतला दहन किया। यह प्रदर्शन युवा कांग्रेस नरयावली विधानसभा द्वारा आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पूर्व मंत्री सुरेन्द्र चौधरी, जिला ग्रामीण कांग्रेस प्रभारी राहुल शर्मा, जिला ग्रामीण कांग्रेस अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह मोहासा, युवा कांग्रेस जिला अध्यक्ष संदीप चौधरी और विधानसभा अध्यक्ष रोहित वर्मा सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता शामिल हुये। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने भाजपा सरकार और चुनाव आयोग के खिलाफ नारेबाजी कर अपना आक्रोश व्यक्त किया। सुरेन्द्र चौधरी ने कहा कि कांग्रेस की अधिकृत राज्यसभा प्रत्याशी का नामांकन रद्द किया जाना लोकतांत्रिक परंपराओं और संवैधानिक मूल्यों पर सीधा प्रहार है। चुनाव आयोग को निष्पक्षता के साथ कार्य करना चाहिये और ऐसे निर्णय लोकतंत्र को कमजोर करते हैं। राहुल शर्मा ने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग भाजपा सरकार के इशारे पर कार्य कर रहा है तथा विपक्ष की आवाज दबाने का प्रयास किया जा रहा है, जिसे कांग्रेस कभी स्वीकार नही करेगी। भूपेन्द्र सिंह मोहासा ने कहा कि राज्यसभा चुनाव जैसी संवैधानिक प्रक्रिया में इस प्रकार का हस्तक्षेप लोकतंत्र की भावना के विपरीत है। कांग्रेस इस निर्णय के खिलाफ संघर्ष जारी रखेगी। प्रदर्शन में प्रदेश कांग्रेस महासचिव रेखा चौधरी, संगठन महामंत्री आशीष ज्योतिषी, युवा कांग्रेस प्रदेश सचिव निखिल चौकसे, अक्षय दुबे सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। अंत में कांग्रेस नेताओं ने लोकतांत्रिक संस्थाओं की निष्पक्षता बनाये रखने और जनता के विश्वास की रक्षा के लिये संघर्ष जारी रखने का संकल्प दोहराया।

मीनाक्षी नटराजन का नामांकन निरस्त होना लोकतंत्र पर हमला: मुहासा

सागर, देशबन्धु। जिला ग्रामीण कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में सोमवार को आयोजित पत्रकार वार्ता में कांग्रेस नेताओं ने राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस उम्मीदवार मीनाक्षी नटराजन का नामांकन निरस्त किये जाने को लोकतांत्रिक प्रक्रिया पर गंभीर प्रहार बताते हुये इसकी कड़ी आलोचना की। नेताओं ने इसे भाजपा का राजनीतिक षड्यंत्र करार देते हुये कहा कि कांग्रेस इस मुद्दे को जनता की अदालत से लेकर संसद तक उठायेगी। पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुये जिला ग्रामीण कांग्रेस अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह मुहासा ने कहा कि मीनाक्षी नटराजन का नामांकन निरस्त किया जाना केवल एक उम्मीदवार के साथ अन्याय नहीं, बल्कि लोकतंत्र, निष्पक्ष चुनाव और संवैधानिक मूल्यों पर हमला है। उन्होंने चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठाते हुये कहा कि लोकतंत्र केवल चुनाव कराने से नहीं, बल्कि निष्पक्ष चुनाव से मजबूत होता है। जिला कांग्रेस प्रभारी राहुल शर्मा ने कहा कि कांग्रेस इस मुद्दे को जन-जन तक पहुंचायेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि नामांकन निरस्त करने के लिये जिन कानूनी आधारों का उपयोग किया गया है, उनसे चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता पर गंभीर प्रश्न खड़े हुये हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेतृत्व लगातार इस मामले में पारदर्शिता और निष्पक्षता की मांग कर रहा है। पत्रकार वार्ता में कांग्रेस नेताओं ने दावा किया कि जिस निजी परिवाद का हवाला दिया गया, उसमें मीनाक्षी नटराजन को अभियुक्त नहीं बल्कि प्रतिवादी के रूप में दर्शाया गया है। कांग्रेस का कहना है कि प्रतिवादी और अभियुक्त की कानूनी स्थिति अलग होती है तथा दोनों को समान मानकर की गई व्याख्या विवादास्पद है। जनप्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 33, और फॉर्म.26 की भावना के अनुरूप नामांकन निरस्त करने का आधार नहीं था। जिला संगठन मंत्री आशीष ज्योतिषी ने कहा कि मीनाक्षी नटराजन जैसी स्वच्छ छवि और जनसेवा के लिये समर्पित नेता को चुनावी प्रक्रिया से बाहर किया जाना लोकतांत्रिक मूल्यों के विरुद्ध है। प्रदेश कांग्रेस महासचिव रेखा चौधरी ने कहा कि लोकतंत्र का अर्थ सभी राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों को समान अवसर तथा निष्पक्ष व्यवहार मिलना है। पूर्व जिलाध्यक्ष जगदीश यादव ने कहा कि यह मामला केवल एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि संविधान की भावना, निष्पक्ष चुनाव और लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा से जुड़ा हुआ है। जिला प्रवक्ता सूर्या शुक्ला ने आरोप लगाया कि भाजपा विपक्ष की आवाज को दबाने का प्रयास कर रही है। संचालन सूर्या शुक्ला ने किया तथा आभार प्रदर्शन जिला प्रवक्ता हेमकुमारी कुर्मी ने किया। इस दौरान युवक कांग्रेस अध्यक्ष संदीप चौधरी, जिला कांग्रेस कार्यालय प्रभारी मनोज पवार एवं राजा बुंदेला सहित अन्य कांग्रेस पदाधिकारी उपस्थित रहे।

त्रयोदशी गंगाजली पूजन

अत्यंत दुख के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि
श्री हरी चौबे (पत्रकार) की धर्मपत्नी
श्रीमती शशिकला चौबे
का देवलोकगमन दिनांक-05/06/2026
दिन- शुक्रवार को हो गया है।
अत: दिवंगत आत्मा की शांति हेतु
गंगाजली पूजन,
तेरहवीं एवं ब्राह्मणभोज
दिनांक 16.06.2026, मंगलवार
को है। सो जानवी
निवेदन - अपने शुभचिंतको के द्वारा आप तक सूचना भेजने का प्रयास कर रहा हूं।
फिर भी सूचना न पहुंचने पर इसे ही मान्य करें।
शोकाकुल- पं. श्री लक्ष्मण प्रसाद चौबे, पं. श्री हरी चौबे (पत्रकार), पं. श्री चतुर्भुज चौबे, पं. श्री सुमित चौबे, पुत्र- पं. श्री मिलन चौबे एवं
समस्त पलना वाले चौबे परिवार
स्थान- निज निवास-बाहुबली कालोनी लक्ष्मीनारायण मंदिर के पास, सागर (म.प्र.) मो. 9827432449, 9300934905

स्वामी पत्रकार प्रकाशन प्रा.लि.के लिए प्रकाशक गिरिराज चाचा मुद्रक गिरिराज चाचा द्वारा दैनिक भास्कर प्रेस (डी बी कार्प लि.) प्लाट नं. 36 इंडस्ट्रीयल एरिया सागर म.प्र. सागर से मुद्रित एवं 56 अग्रवाल बिल्डिंग एक्सिस बैंक के पीछे 10 सिविल लाईन्स, सागर मप्र से प्रकाशित, संपादक: पलाश सुरजन, कार्यकारी संपादक: ज़ाकिर अली*
प्रबंध संपादक डॉ. योगेश दत्त तिवारी फोन 07582-228742 ई-मेल. deshbandhusgr@yahoo.in प्रेस पंजीयन- MPHIN/2016/69061 समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।